खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 09 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-277

दूसरे एयरपोर्ट से मुंबई बनेगा एशिया का दूसरा सबसे बड़ा कनेक्टिविटी हब

मुंबई, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लगभग 19,650 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के चरण 1 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मुंबई में दूसरे एयरपोर्ट से क्षेत्र को एशिया के दूसरे सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने इसके अलावा आचार्य अत्रे चौक से कफ परेड तक फैली मुंबई मेट्रो लाइन-3 के चरण 2बी का उद्घाटन किया और मुंबई मेट्रो लाइन 3 (एक्वा लाइन) राष्ट्र को समर्पित की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मेट्रो परियोजना में हुई देरी को लेकर उन्होंने पिछली उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि एक-एक मिनट का महत्व समझने वाली मुंबई को तीन-चार साल तक मेट्रो सुविधा से वंचित रहना पड़ा। यह किसी पाप से काम नहीं।

प्रधानमंत्री ने यहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आज गति और प्रगति वाले विकसित भारत में जनता सर्वोपरि और सरकार की योजनाएं देशवासियों के जीवन आसान बना रही हैं। पिछले 11 वर्षों की यात्रा पर नजर दोड़ाएं तो देशभर में इसी भावना के साथ काम हो रहा है। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकार पर हमला बोला और कहा कि राजनीति की एक धारा ऐसी भी रही जो सत्ता सुविधा को जनता सुविधा से ऊपर रखते रहे। मेट्रो लाइन का उद्घाटन आज हमें उन लोगों की याद दिलाता है। कुछ समय के लिए आई सरकार ने मेट्रो के काम रोक दिया। उनको सत्ता मिली लेकिन देश को हजारों करोड़ का नुकसान हुआ। अब मेट्रो निर्माण से स्थानीय लोगों का दो ढाई घंटे का सफर 30-40 मिनट में हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ने आज मुंबई में विभिन्न परियोजनाओं की सौगत दी। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई प्रोजेक्ट विकसित भारत की झलक है। उन्होंने कहा कि आज मुंबई को अपना दूसरा एयरपोर्ट मिला। इससे क्षेत्र को एशिया के दूसरे सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। देश का लक्ष्य इस दशक के अंत तक भारत को एक बड़ा एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओ-वरहाल) हब बनाने का है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के विकास से किसान यूरोप और मध्य पूर्व के देश से जुड़ेंगे। इससे छोटे और लघु उद्योगों की एयरपोर्ट लागत कम होगी।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने मुंबई हमलों का जिक्र किया और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने इसमें केन्द्रीय पूर्व गृह मंत्री के एक हालिया साक्षात्कार में किए गए खुलासे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक देश के दवाब के कारण कांग्रेस ने भारतीय सेना को 2008 के हमलों के बाद पाकिस्तान पर हमला करने से रोका था। कांग्रेस को बताना चाहिए कि वह कौन था जिसने विदेशी दबाव में फैसला लिया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस की कमजोरी ने आतंकवादियों को मजबूत किया। देश की सुरक्षा को कमजोर किया। जिसकी कीमत देश को बार-बार जाने गंवाकर चुकानी पड़ी। हमारे लिए देश और देशवासियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं। आज का भारत दमदार जवाब देता है और घर में घुसकर मारता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में 74 से आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 160 पहुंच गई है। छोटे शहरों में एयरपोर्ट पहुंचने से लोगों को विकल्प मिलता है। उड़ान योजना से बहुत लोगों ने पहली बार हवाई सफर किया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक एविएशन मार्केट बन गया है। उन्होंने जीएसटी दरों में की गई कटौती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जीएसटी में चीज सस्ती होने से देश के लोगों का सामर्थ्य बढ़ा है। साथ ही उन्होंने स्वदेशी अपनाने की अपील की और कहा कि इससे देश का पैसा देश में लगेगा।

प्रधानमंत्री ने लोक नेता दिनकर बाबू पाटिल को याद किया। उन्होंने कहा कि समाज किसानों के लिए उनका किया काम हम सबके लिए प्रेरणा है।

उल्लेखनीय है कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना है, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के अंतर्गत विकसित किया गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में, एनएमआईए, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) के साथ मिलकर कार्य करेगा ताकि भीड़भाड़ कम हो और मुंबई को वैश्विक बहु-हवाई अड्डा प्रणालियों की श्रेणी में शामिल किया जा सके। 1160 हेक्टेयर क्षेत्रफल के साथ, दुनिया के सबसे कुशल हवाई अड्डों में से एक के रूप में डिज़ाइन किया गया यह हवाई अड्डा अंततः वार्षिक 90 मिलियन यात्रियों (एमपीपीए) और 3.25 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो को संभाल सकेगा।

प्रधानमंत्री ने आचार्य अत्रे चौक से कफ परेड तक फैली मुंबई मेट्रो लाइन-3 के चरण 2बी का उद्घाटन किया। इसका निर्माण लगभग 12,200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने 37,270 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत वाली पूरी मुंबई मेट्रो लाइन 3 (एक्वा लाइन) राष्ट्र को समर्पित की। यह शहरी परिवहन परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण ▶10 पर

तेलंगाना हाईकोर्ट में बीसी कोटा पर सुनवाई टली

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने बुधवार को स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण पर सुनवाई को गुरुवार, 9 अक्टूबर को दोपहर 2:15 बजे के लिए स्थगित कर दिया।

अदालत ने चुनाव प्रक्रिया पर भी रोक नहीं लगाई, क्योंकि राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) गुरुवार को चुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी करने वाला है।

राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ को बताया कि चुनाव कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है, और स्थापित कानूनी मिसालों के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद अदालतों को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उन्होंने अदालत में चुनाव अधिसूचना की एक प्रति प्रस्तुत की और तर्क दिया कि इस स्तर पर रोक लगाना उचित नहीं होगा। सिंघवी ने आगे कहा कि बीसी आरक्षण विधेयक केवल एक व्यापक अध्ययन के बाद ही पेश किया गया था, और सरकार ने उसी के अनुसार संबंधित जीओ (नंबर 9) जारी किया था।

उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि दोनों पक्षों की पूरी दलीलें सुनने के बाद ही जीओ पर निर्णय लिया जाए, और आश्वासन दिया कि राज्य अपनी पूरी प्रस्तुतियां देगा।

इसके बाद, हाईकोर्ट ने आगे की कार्यवाही के लिए सुनवाई को गुरुवार दोपहर तक के लिए स्थगित कर दिया। यह मामला, जिसने पूरे राज्य में व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, कल जारी रहेगा। हाईकोर्ट के इस फैसले से राज्य चुनाव आयोग को स्थानीय निकाय चुनावों

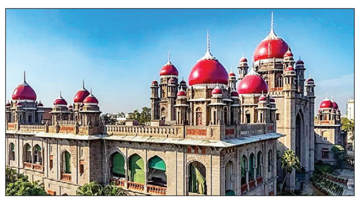

की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की अनुमति मिल गई है। चुनाव आयोग गुरुवार को आधिकारिक अधिसूचना जारी करेगा, जिसके बाद नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। राज्य सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों के आधार पर बीसी समुदायों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। इस निर्णय को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत में स्पष्ट किया कि बीसी आरक्षण का निर्णय किसी जल्दबाजी में नहीं लिया गया है। राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर विस्तृत अध्ययन किया और पिछड़ा वर्ग आयोग की विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर यह कदम उठाया गया है। आयोग ने विभिन्न बीसी समुदायों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति का गहन विश्लेषण करने के बाद आरक्षण की सिफारिश की थी। सरकार ने इन सिफारिशों को मानते हुए जीओ नंबर 9 जारी किया और विधानसभा में विधेयक पारित कराया।

सिंघवी ने अपनी दलीलों में कई कानूनी मिसालों का हवाला देते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न हाईकोर्ट ने अपने फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद न्यायिक हस्तक्षेप से बचना चाहिए। ▶10 पर

बिहार चुनाव 2025 : सीट शेयरिंग से पहले कांग्रेस को दोहरी मार

विधायक मुरारी गौतम ने दिया इस्तीफा

पटना, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा के बाद दोनों गठबंधनों में सीट बंटवारे को लेकर हलचल तेज हो गई है। महागठबंधन और एनडीए दोनों में ही विवादों की खबरें आ रही हैं। इसी बीच कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। चेनारी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक एम.एल. मुरारी गौतम ने पार्टी और विधानसभा सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा, मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की बीजेपी में मघर वापसीफ की अटकलें तेज हैं। दूसरी ओर, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर खुलकर अपनी राय रखी और राजद पर कटाक्ष कसा।

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को करारा झटका लगा है। चेनारी से विधायक मुरारी गौतम ने बुधवार को विधानसभा स्पीकर को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। गौरतलब है कि हाल ही में एनडीए सरकार के शक्ति परीक्षण के दौरान मुरारी गौतम और उनके साथी विधायक सिद्धार्थ सुप्रिय ने कांग्रेस के व्हिप का उल्लंघन करते हुए सरकार के पक्ष में मतदान किया था। तभी से उनके पाला बदलने की अफवाहें उड़ रही थीं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुरारी गौतम अब बीजेपी का दामन थाम सकते हैं और चेनारी सीट से ही एनडीए के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं। इससे क्षेत्र में एनडीए की स्थिति मजबूत हो सकती है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने इस इस्तीफे को मव्यक्तिगत कारणोंफ से जोड़ा है, लेकिन पार्टी के अंदर हड़कंप मच गया है। मुरारी गौतम ने इस्तीफे के बाद कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

कांग्रेस को एक और झटका लगने वाला है। मुजफ्फरपुर लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद अजय निषाद, जो 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी टिकट कटने के बाद नाराज होकर कांग्रेस में शामिल हुए थे, अब बीजेपी में वापसी करने की कगार पर हैं। सूत्रों के अनुसार, अजय निषाद ने कांग्रेस छोड़ने का फैसला कर लिया है और जल्द ही बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। निषाद समुदाय के प्रभावशाली नेता अजय की वापसी से एनडीए को निषाद वोट बैंक में मजबूती मिल सकती है, जबकि महागठबंधन को नुकसान होगा।

अजय निषाद ने अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे विधानसभा चुनाव में मुजफ्फरपुर जिले की किसी सीट से बीजेपी टिकट पर उतर सकते हैं। पूर्णिया में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने वाले सांसद पप्पू यादव ने महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर साफ लफ्जों में बात कही। ▶10 पर

खांसी की दवाई से 20 मौतों के बाद राज्य सरकारों को निर्देश

सभी कफ सिरप की टेस्टिंग सुनिश्चित करें...

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

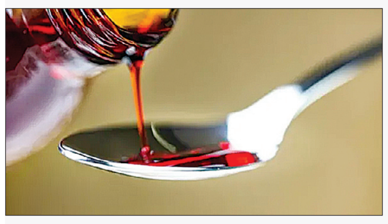

दूषित कफ सिरप के सेवन से मध्य प्रदेश में 20 बच्चों की मौत की खबरों के बाद, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएस-सीओ) ने बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को बाजार में किसी भी दवा के बैच के उपयोग या रिलीज की जांच और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का आदेश दिया। दवा नियामक का यह आदेश तब आया जब मध्य प्रदेश में 20 बच्चों ने मदूषितफ कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन के बाद किडनी फेल्योर के इलाज के दौरान अपनी जान गंवा दी।

सीडीएससीओ ने छिंदवाड़ा में हाल ही में बच्चों की मौतों का संज्ञान लिया और कहा कि निदेशालय ने समय-समय पर फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन के निर्माण में उपयोग से पहले कच्चे माल, जिसमें एक्सीसिएंट्स शामिल हैं, की जांच के महत्व पर जोर दिया है।

तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार शाम को अब प्रतिबंधित कफ सिरप का उत्पादन करने वाली फार्मा यूनिट को सील कर दिया। इस बीच, मध्य प्रदेश पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बच्चों की मौत की जांच के हिस्से के रूप में चेन्नई में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के साथ-साथ कांचीपुरम में इसकी विनिर्माण इकाई का भी दौरा किया।

इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को चेन्नई स्थित फर्म के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने की चेतावनी भी दी। राज्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मा सुब्रमण्यन ने कहा कि इसने कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डाइथाइलीन ग्लाइकॉल की कथित उपस्थिति के लिए दवा निर्माता के खिलाफ दूसरा नोटिस जारी किया है और पूछा है कि आपराधिक कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।

यह उल्लेख करना है कि दवा नियमों के अनुसार, जिसमें नियम 74(सी) और नियम 78(सी)(ii) शामिल हैं, लाइसेंसधारी अपनी खुद की प्रयोगशाला में या लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किसी भी प्रयोगशाला में अपने उत्पाद के निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल के प्रत्येक बैच या लॉट और अंतिम उत्पाद के प्रत्येक बैच का परीक्षण करेगा और अनुसूची यू में निर्दिष्ट ऐसे परीक्षणों के संबंध में विवरण दिखाने वाले रिकॉर्ड या रजिस्टर बनाए रखेगा, इसमें कहा गया। निर्देश में आगे कहा गया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों से अनुरोध किया जाता है कि निरीक्षण के दौरान निगरानी, परिपत्रों आदि के माध्यम से निर्माताओं को संवेदनशील बनाकर निर्माण से पहले और बाजार में बैच की रिलीज से पहले परीक्षण सुनिश्चित करने के लिए उपाय करें। इसके अलावा, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्माताओं के पास एक मजबूत विक्रेता ▶10 पर

सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र-V के तहत डिजिटल गिरफ्तारी मामले में

देशव्यापी तलाशी अभियान चलाया

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार कझो डिजिटल गिरफ्तारी से जुड़े मामलों में देशव्यापी तलाशी अभियान चलाया। एक वरिष्ठ सीबीआई अधिकारी ने बताया कि एजेंसी ने दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, केरल और पश्चिम बंगाल में लगभग 40 स्थानों पर समन्वित, देशव्यापी तलाशी अभियान चलाया। यह छापेमारी चल रहे ऑपरेशन चक्र-V के तहत एक अंतरराष्ट्रीय, साइबर-सक्षम डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी की जांच का हिस्सा है। सीबीआई ने गृह मंत्रालय (एमएचए) के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर नौ अलग-अलग पीड़ितों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर एक व्यापक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की। सीबीआई की बाद की जांच म्यूल बैंक खातों और पीड़ितों से संपर्क करने के लिए उपयोग किए जाने वाले दूरसंचार चैनलों दोनों पर केंद्रित थी। इससे डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी को अंजाम देने वाले एक संगठित साइबर-अपराध नेटवर्क का हिस्सा होने के आरोप में लगभग 40 व्यक्तियों की पहचान हुई। ऑपरेशन के दौरान, सीबीआई ने म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराने और अपराध की आय को स्तरित करने और स्थानांतरित करने के लिए समानांतर हवाला चैनलों को सक्षम करने में शामिल एक व्यापक घरेलू नेटवर्क का खुलासा किया। जांच से पता चला कि धन का एक हिस्सा भारत में निकाला गया था, जबकि शेष राशि विदेशी स्थानों पर एटीएम से निकालने के लिए विदेश भेजी गई थी। 15,000 से अधिक आईपी पते के विश्लेषण से संकेत मिला कि डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी के अपराधी कंबोडिया सहित विदेश से काम कर रहे थे, और अपराध की आय को स्तरित और एकीकृत करने के लिए भारतीय म्यूल खाताधारकों का उपयोग कर रहे थे। नेटवर्क समन्वित म्यूल्स और धन हस्तांतरण एजेंटों के माध्यम से उच्च-मूल्य वाले धन प्रवाह का समर्थन करता पाया गया, जिसमें फिनटेक बुनियादी ढांचे का उपयोग करके उच्च-गति धन आवाजाही की जा रही थी। तलाशी के दौरान बरामद डिजिटल उपकरण, केवाईसी दस्तावेज, सिम कार्ड और व्हाट्सएप संचार अभिलेखागार की जांच घरेलू सहायकों और मुख्य साजिशकर्ताओं के बीच अंत-से-अंत संबंध स्थापित करने के लिए की जा रही है। इससे अपराध में उपयोग की गई कार्यप्रणाली, वित्तीय निशान और संचार बुनियादी ढांचे का मानचित्रण करने में मदद मिलेगी। सीबीआई निरंतर, खुफिया-नेतृत्व वाले अभियानों, अंतर-एजेंसी समन्वय और जटिल अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी नेटवर्क का मुकाबला करने के लिए उन्नत डिजिटल फोरेंसिक के उपयोग के माध्यम से साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्टून कॉर्नर

ट्रंप को रूसी तेल नीति पर बड़ा झटका

अमेरिका का 50% टैरिफ दांव फेल, भारत ने दिया सख्त जवाब

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस ने कच्चे तेल के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए भारत के लिए एक आकर्षक छूट की पेशकश की है, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने वाली नीति को करारा झटका लग सकता है। नवंबर लोडिंग के लिए यूराल क्रूड पर डेटेड ब्रेंट की तुलना में 2 से 2.50 डॉलर प्रति बैरल की छूट मिल रही है, जो जुलाई-अगस्त की तुलना में काफी अधिक है। यह कदम अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में देरी के बीच आया है, जिससे भारतीय रिफाइनरियां रूसी तेल की खरीदारी को और बढ़ा सकती हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने यह छूट तब दी जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक बातचीत ठप हो चुकी है। रूसी यूराल क्रूड, जो यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों से

रूस की स्मार्ट स्ट्रैटेजी से डिस्काउंट बाजार पर कब्जा

भारत को मिली विशेष छूट, आयात बढ़ने की संभावना

प्रभावित हुआ था, अब एशियाई बाजारों-खासकर भारत-की ओर रुख कर रहा है। एक वरिष्ठ उद्योग स्रोत ने बताया, यह छूट रूसी तेल को ब्रेंट से सस्ता बना रही है, जिससे भारतीय रिफाइनरियों के लिए यह आकर्षक विकल्प बन गया है।

इस महीने की शुरुआत में जहाजों की आवाजाही के आंकड़ों से भी संकेत मिल रहे हैं कि रूस से तेल का आयात बढ़ रहा है। केप्लर लिमिटेड के अनुमान के मुताबिक, अक्टूबर में भारत का रूस से कच्चे तेल आयात लगभग 1.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन (एमबीपीडी) तक पहुंच सकता है, जो सितंबर के मुकाबले करीब 6% अधिक है। हालांकि, यह पिछले साल के स्तर से थोड़ा कम है। रिफाइनरी कंपनियां अभी भी अमेरिकी दबाव को ध्यान में रखते हुए सतर्क हैं, लेकिन छूट की यह पेशकश निर्णय बदलने का मजबूत आधार दे सकती है। ट्रंप प्रशासन ने अगस्त में भारतीय वस्तुओं के अमेरिकी आयात पर 50% टैरिफ लगाकर भारत पर रूसी तेल खरीदारी ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 1,26,710/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,60,500/-
(प्रति किलोग्राम)

रूस का यूक्रेन के बड़े भू-भाग पर नियंत्रण, कीव ने 1,355 से ज्यादा सैनिकों को खोया

मॉस्को, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने पिछले दिनों यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान के दौरान डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और जापोरोजे क्षेत्र के दो गांवों को आजाद कराया है। इस बीच वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की बैठक में खुलासा किया गया कि रूस ने इस साल लड़ाई में यूक्रेन के बड़े भू-भाग को नियंत्रण में ले लिया है। यही नहीं, गत दिवस युद्ध के मैदान में यूक्रेन के 1,355 से ज्यादा सैनिक मारे गए।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास और अरब न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान के तहत पिछले दिन डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और ज़ापोरोज़े क्षेत्र के दो गांवों को आजाद कराया। मंत्रालय ने बयान में कहा, युद्ध समूह दक्षिण की इकाइयों ने सक्रिय अभियानों के माध्यम से डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक में फ्योदोरोव्का बस्ती और युद्ध समूह पूर्व की इकाइयों ने जापोरोजे क्षेत्र में नोवोवासिलेवस्कॉय बस्ती को आजाद कराया।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि सेना ने इस साल लगभग 5,000 वर्ग किलोमीटर यूक्रेनी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और युद्धक्षेत्र पर पूर्ण रणनीतिक नियंत्रण बनाए रखा है। पुतिन ने रूसी शीर्ष सैन्य कमांडरों की बैठक में कहा कि यूक्रेन की सेना मोर्चे के सभी क्षेत्रों से पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि कीव रूसी क्षेत्र में व्यापक हमला करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इससे साढ़े तीन साल से भी अधिक पुराने युद्ध की स्थिति बदलने में कोई मदद नहीं मिलेगी। पुतिन ने कहा कि इस वर्ष, हमने लगभग 212 बस्तियों को भी मुक्त कराया है।

रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख जनरल वालेरी गेरासिमोव ने शीर्ष अधिकारियों की बैठक में बताया कि रूसी सैनिक सभी दिशाओं में आगे बढ़ रहे हैं। उधर, यूक्रेन में सैन्य अभियान पर जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में सभी अग्रिम पंक्ति के क्षेत्रों में रूसी सेना के साथ लड़ाई में यूक्रेनी सेना ने 1,355 से अधिक सैनिकों को खोया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में यूक्रेन के टैंक, बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, जैमिंग स्टेशन, रेजिमेंट, मशीनीकृत ब्रिगेड, पैदल सेना ब्रिगेड ,तोपखाना, आठ डिपो,असॉल्ट ब्रिगेड, नेशनल गार्ड ब्रिगेड को नुकसान पहुंचाया गया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में आम चुनाव पर सर्वदलीय बैठक 16 अक्टूबर को

काठमांडू। नेपाल के निर्वाचन आयोग ने अगले साल पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव के बारे में सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए आयोग ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। कार्यवाहक मुख्य चुनाव आयुक्त रामप्रसाद भंडारी ने बताया कि 16 अक्टूबर को यह सर्वदलीय बैठक बुलाने को लेकर सभी को पत्र भेजा गया है। भंडारी ने बताया कि इस बैठक में विघटित प्रतिनिधि सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। इसके अलावा प्रदेश और पालिका स्तर पर भी एक भी सीट जीतने वाली पार्टी के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया है। निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव को लेकर कार्यक्रम प्रकाशित कर दिया है, जिसमें 17-26 नवंबर तक पार्टी पंजीकरण, 18 नवंबर से जिला स्तरीय चुनाव कार्यालयों की स्थापना और समानुपातिक उम्मीदवारों के लिए 1 दिसंबर से प्रक्रिया शुरू किए जाने का निर्णय किया गया है। समानुपातिक उम्मीदवारों की बंद सूची जमा करने के लिए 2-3 जनवरी के लिए निर्धारित है। इसी तरह 15 फरवरी से 1 मार्च, 2026 तक चुनाव प्रचार का समय तय किया गया है। 2 मार्च से 4 मार्च तक मौन अवधि के लिए रखा गया है। मतदान 5 मार्च, 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक निर्धारित है। 8-9 सितंबर के जेन जी विरोध प्रदर्शनों के बाद गठित सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने संसद के भंग होने के बाद चुनाव की तारीख की घोषणा की थी ।

ट्रंप ने फिर लगाई नोबल की रट, बोले- टैरिफ की ताकत से रुकवाए कई युद्ध

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास यूं तो एक सुपरपावर को चलाने की ताकत है, लेकिन

नोबल पुरस्कार के चक्कर में कुछ भी बयान दे रहे हैं। उन्होंने फिर शांत कराने का दावा शुरु कर दिया है। इसकी वजह ये है कि इस साल के नोबल पुरस्कारों की घोषणा होनी शुरू हो गई है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में दिया जाता है। अब तक शांति पुरस्कार घोषित नहीं हुआ है और ट्रंप ने एक बार फिर अपनी उस अद्भुत क्षमता का राग छेड़ दिया है, जो पिछले कई महीनों से वे गा रहे हैं। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि अगर मेरे पास टैरिफ लगाने की ताकत नहीं होती, तो आज दुनिया में सात में से कम से कम चार जगहों पर युद्ध चल रहे होते। यह कहते हुए उन्होंने फिर से भारत और पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए कहा कि वे लड़ाई के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे और परमाणु शक्तियां भिड़ने को तैयार थीं। ऐसे में ट्रंप ने दावा किया - 'मैं यह नहीं बताना चाहता कि मैंने ठीक-ठीक क्या कहा था, लेकिन जो मैंने कहा, वह बहुत प्रभावी था। हमने न केवल सैकड़ों अरब डॉलर कमाए, बल्कि टैरिफ की वजह से हम शांति बनाए रखने वाले भी बने।' व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि मैंने टैरिफ का इस्तेमाल करके युद्ध रुकवाया। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उनके टैरिफ लगाने के फैसले ने न सिर्फ दोनों परमाणु शक्तियों को युद्ध से रोकने में मदद की बल्कि अगर उनके पास टैरिफ का ताकतवर हथियार न होता, तो आज कम से कम सात में से चार जगहों पर युद्ध चल रहे होते।

रूसी सेना में शामिल गुजरात के युवक ने किया यूक्रेन के सामने सरेंडर

कीव। रूस की तरफ से कई भारतीय युवक यूक्रेन से जंग लड़ रहे हैं, इसमें से कुछ की मौत होने की खबरें

सुनाई देतीं रही हैं। इसी बीच अब एक और खबर आई कि गुजरात के एक युवक ने यूक्रेनी सेना के सामने खुद को सरेंडर कर दिया। यूक्रेनी सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने अपने चैनल पर एक भारतीय नागरिक का वीडियो जारी किया जिसने खुद को गुजरात निवासी मजोती साहिल मोहम्मद हुसैन बताया। हालांकि अभी इस मामले पर भारतीय अधिकारियों की ओर से कोई बयान नहीं आया है। बता दें कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि भारत ने रूस से रूसी सेना में सेवाएं दे रहे 27 भारतीय नागरिकों को मुक्त करने और स्वदेश वापस भेजने का पुरजोर आग्रह किया है। भारत बार-बार रूस से अनुरोध करता रहा है कि वह रूसी सैन्य इकाइयों में सहायक कर्मचारी (जैसे रसोइये और सहायक) के रूप में काम कर रहे सभी भारतीयों को मुक्त करे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक कीव स्थित भारतीय दूतावास इस खबर की सत्यता की जांच कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस मामले में यूक्रेनी अधिकारियों से अभी तक कोई औपचारिक सूचना भी नहीं मिली है। यूक्रेनी सेना के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि 22 वर्षीय हुसैन रूस की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने आया था।

अमेरिका में शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों पर, वेतन पर संकट

वाशिंगटन,08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों के वेतन पर पड़ सकती है। इस बात के पूरे आसार हैं कि इन कर्मचारियों को पिछला वेतन नहीं मिल पाएगा। व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वह छुट्टी पर गए संघीय कर्मचारियों को पिछला वेतन देने से इनकार कर सकता है।

सरकारी शटडाउन से उत्पन्न हालात पर अमेरिका के लगभग सभी प्रमुख समाचार माध्यमों में चर्चा की गई है। ऑनलाइन न्यूज पोर्टल पॉलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, यूनियन नेताओं और डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में पारित कानून के विपरीत होगा। व्हाइट हाउस ने कहा है कि छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के आसार हैं। ओवल ऑफिस में मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन को सबकी चिंता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो देखभाल के लायक नहीं हैं। एक्सियोस ने व्हाइट हाउस के कड़े रुख की सबसे पहले सूचना दी। इसके बाद राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो गई। व्हाइट हाउस और प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया है। लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट्स ने बहुत से लोगों को जोखिम और संकट में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 35 दिनों से ज्यादा समय तक चले शटडाउन के बाद एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षरित किया था। यह आदेश पिछले वेतन की गारंटी प्रदान करता है। मगर ताजा रुख ने छुट्टी पर चल रहे 7,50,000 संघीय कर्मचारियों के सामने वेतन का संकट खड़ा कर दिया है। स्पीकर माइक जॉनसन का कहना है कि उन्होंने पिछले वेतन की गारंटी देने वाले 2019 के कानून के लिए मतदान किया था। जॉनसन ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि व्हाइट हाउस के ताजा आदेश पर बहस होगी। उम्मीद है कि छुट्टी पर गए कर्मचारियों को पिछला वेतन मिल जाएगा। कुछ कानूनी विश्लेषकों का मानना है कि सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए। डेमोक्रेट्स को इस पर तत्काल कठोर फैसला लेना चाहिए। इस बीच व्हाइट हाउस ने 2024 के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ मतदान करने वाले राज्यों कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के लिए ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण को निलंबित कर दिया है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि शटडाउन से संबंधित किसी भी नौकरी में कटौती के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि सरकारी शटडाउन के दौरान छुट्टी पर भेजे गए कुछ संघीय कर्मचारियों को काम पर लौटने के बाद भी पिछला वेतन नहीं मिलेगा। व्हाइट हाउस के एक मसौदा ज्ञापन में साफ किया गया है कि अवैतनिक अवकाश पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों को पिछला वेतन मिलने की गारंटी नहीं है। इस संकट को दूर करने के लिए कांग्रेस को विशेष रूप से उस धनराशि का विनियोजन करना चाहिए। मंगलवार दोपहर व्हाइट हाउस में जब ट्रम्प से उन कर्मचारियों के बकाया वेतन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं कहूँगा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम किसके बारे में बात कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संघीय उड्डयन प्रशासन ने कर्मचारियों की कमी के कारण नैशविले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाली उड़ानों पर मंगलवार रात कुछ समय के लिए रोक लगा दी है। हवाई अड्डे पर पूर्वी समयानुसार रात एक बजे तक उड़ानों को रोकने की जानकारी दी गई है। कर्मचारियों की कमी का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन परिवहन सचिव सीन डफी ने सोमवार को कहा कि शटडाउन की शुरुआत के बाद से यातायात नियंत्रकों की संख्या में वृद्धि हुई है पर उन्होंने बीमार होने की सूचना दी है। उड़ानों में देरी की एक वजह यह भी रही कि नैशविले में मंगलवार दोपहर तेज आंधी-तूफान आया। भारी बारिश हुई। 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और दृश्यता तीन मील तक कम रही। फ्लाइट अवेयर वेबसाइट के अनुसार, नैशविले से लगभग 244 उड़ानें देरी से गुजरीं।

लेबनान के क्रिश्चियन नेता का हिज्बुल्लाह को चेतावनी - जितनी जल्दी हो सके हथियार सौंपें

माराब,08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लेबनान के प्रमुख क्रिश्चियन राजनेता समीर गियागिया ने हिज्बुल्लाह से अपने हथियार राज्य को तुरंत सौंपने का आह्वान किया है। उसने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान समर्थित इस समूह के पास अब विकल्प समाप्त हो चुके हैं। गियागिया ने अपनी निवासस्थान माराब, बीरुत के उत्तर से दिए इंटरव्यू में कहा कि हिज्बुल्लाह के पास कोई विकल्प नहीं बचा है, उन्हें अपने हथियार लेबनान राज्य को सौंपने होंगेज क्योंकि राज्य ने यह निर्णय लिया है। ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह पिछले साल गाजा युद्ध में अपने फिलिस्तीनी सहयोगी हमास के पक्ष में हस्तक्षेप के बाद इजराइल द्वारा कमजोर किए जाने के बाद अपनी हथियार देने के लिए बढ़ते दबाव में है। अमेरिकी दबाव और इजराइल की संभावित सैन्य कार्रवाई के डर के बीच, लेबनानी सरकार इस समूह को निर्बल करने की कोशिश कर रही है, और सेना ने देश के दक्षिण में इसे लागू करने की योजना शुरू कर दी है।

गियागिया ने कहा, हिज्बुल्लाह को निश्चित रूप से हमास के साथ वर्तमान स्थिति से सीख लेनी चाहिए। यही एक और कारण है कि उन्हें जल्द से जल्द हथियार राज्य को सौंपने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिज्बुल्लाह का हथियार रखने का विरोध इसे राजनीतिक खेल और कानून के बाहर रखता है, और इसे राज्य के खिलाफ विद्रोही के रूप में पेश करता है। गियागिया ने दावा किया कि हिज्बुल्लाह के हथियार छोड़ने के निर्णय पर असली प्रभाव ईरान का है, जो लंबे समय से समूह को धन और हथियार मुहैया कराता रहा है। उन्होंने चेताया कि जितना अधिक समय हिज्बुल्लाह हथियार छोड़ने में विलंब करेगा, उतना ही उसका लेबनान में मुख्य राजनीतिक खिलाड़ी बनने का प्रभाव कम होगा। हिज्बुल्लाह 1975-1990 के लेबनान गृह युद्ध के बाद हथियार रखने वाला एकमात्र प्रमुख समूह बना, जबकि अन्य प्रमुख समूहों ने हथियार छोड़ दिए थे। गियागिया ने कहा कि राज्य को हथियारों पर एकाधिकार लागू करने में अधिक कठोरता दिखानी होगी। गियागिया ने यह भी व्यक्त किया कि हिज्बुल्लाह का हमास के समर्थन में युद्ध करना स्पष्ट रूप से नुकसानदेह था और परिणाम पहले से ही तय थे।

कैंसर मरीज ने चुना विवादित उपचार, हुई मौत

लंदन। ब्रिटेन निवासी कैंसर के मरीज युवती पेलोमा शेमिरानी को साल 2023 में नॉन-हॉजकिन लिंफोमा नामक कैंसर का पता चला था। युवती ने अपनी मां की सलाह पर इस रोग के उपचार के लिए विवादित इलाज का तरीका चुना, जिससे उसकी मौत हो गई। इस बारे में डॉक्टरों का कहना था कि यह ट्रीटेबल बीमारी है और अगर वह कीमोथेरेपी का सहारा लेतीं तो उनके ठीक होने की संभावना लगभग 80 प्रतिशत थी। लेकिन मां के प्रभाव में आकर उन्होंने कीमोथेरेपी छोड़कर कॉफी एनीमा जैसे विवादित वैकल्पिक उपचार को चुना, जिससे उनकी जान चली गई। पेलोमा की मां केट शेमिरानी पहले नर्स रह चुकी थीं लेकिन 2021 में उन्हें ब्रिटिश नर्सेज रजिस्ट्री से हटा दिया गया क्योंकि वे गलत स्वास्थ्य सिद्धांत फैलाने और जनता को गुमराह करने की दोषी पाई गईं। वे वैक्सीन-विरोधी और वैकल्पिक चिकित्सा की कट्टर समर्थक रही हैं। उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने खुद को ब्रेस्ट कैंसर से गर्सन थेरेपी के जरिए ठीक किया। इस थेरेपी में सख्त वेगन डाइट, हर्बल जूस, सप्लीमेंट और दिन में कई बार कॉफी एनीमा शामिल होता है। हालांकि, एफडीए ने इस पद्धति को कभी मान्यता नहीं दी और कैंसर संगठनों ने इसे खतरनाक करार दिया है। मां की विचारधारा के दबाव में पेलोमा ने कीमोथेरेपी से दूरी बना ली।

कनाडा का मरीनलैंड चिड़ियाघर बदहाल, प्रबंधन ने कहा पैसा नहीं मिला तो मार देंगे 30 व्हेल्स

टोरंटो,08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कनाडा के नियाग्रा फॉल्स स्थित प्रसिद्ध मरीनलैंड अम्यूजमेंट पार्क यानी चिड़ियाघर लंबे समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है। यहां रह रहे जानवरों को खाने के भी लाले पड़ गए हैं। ऐसे में पार्क प्रबंधन ने सीधे तौर पर धमकी दी है कि पैसों के अभाव में यहां जानवर भूख से मर रहे हैं। उन्हे ऐसे तिल तिल मरते देखने से अच्छा है उन्हे मार दिया जाए। यदि फंड नहीं मिला तो यहां रहने वालीं 30 व्हेल्स को मार देंगे।

अगर सरकार ने तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान नहीं की तो पार्क प्रबंधन अपनी 30 बेलुगा व्हेल्स को इच्छामृत्यु (यूथनाइज) कर देगा। यह धमकी तब आई जब कनाडा की मत्स्य पालन मंत्री जोआन थॉम्पसन ने इन व्हेल्स को चीन के चिमेलोंग ओशन किंगडम थीम पार्क भेजने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। मरीनलैंड जो कभी पर्यटकों और परिवारों से गुलजार रहता था, अब कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है और दिवालिया होने की कगार पर खड़ा है।

दरअसल, मरीनलैंड एक विशाल चिड़ियाघर और मनोरंजन पार्क है। लगभग 1,000 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में यहां जानवरों के साथ क्रूरता के गंभीर आरोप लगे हैं, जिसके कारण यह कड़ी निगरानी के दायरे में है। पिछले साल जनता के लिए बंद कर दिए जाने के बाद से पार्क अपनी संपत्ति बेचने की कोशिश कर रहा है। कनाडा में ये आखिरी बंदी व्हेल्स हैं, और प्रबंधन का दावा है कि उनकी देखभाल के लिए संसाधनों की कमी हो गई है। मंत्री थॉम्पसन ने निर्यात अनुमति से इनकार करते हुए कहा कि इससे इन बेलुगाओं के साथ दुर्व्यवहार की प्रथा जारी रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से मरीनलैंड में 20 व्हेल्स की मौत हो चुकी है। इनमें एक किलर व्हेल और 19 बेलुगा शामिल हैं। यही वह साल था जब कनाडा की विधायिका ने एक विधेयक पारित किया, जो बाद में कानून बन गया। इस कानून के तहत व्हेल, डॉल्फिन या पोर्पॉइज को बंदी बनाकर रखना अवैध हो गया, जिसमें 1,50,000 डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है। निरीक्षकों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि खराब जल गुणवत्ता के कारण पार्क के सभी जानवर संकट में हैं।

बलोच लिबरेशन फ्रंट का बलगाटार में पाक सैन्य शिविर पर कब्जा, फ्रंटियर कोर के 3 अधिकारी मारे गए

क्वेटा,08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान प्रांत के बलगाटार के पास चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के पास स्थापित किए गए पाकिस्तानी सैन्य शिविर पर बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने घमासान के बाद कब्जा कर लिया। इस शिविर पर मंगलवार शाम फ्रंट ने हमला किया। बीएलएफ ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इस हमले में फ्रंटियर कोर के तीन अधिकारी मारे गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने बताया कि शाम छह बजे बलगाटार के पास सीपीईसी की सुरक्षा निगरानी के लिए स्थापित पाकिस्तानी सेना के शिविर को चारों तरफ से घेरकर भीषण गोलीबारी की गई। तीन घंटे की लड़ाई के बाद लड़ाकों ने शिविर पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया। प्रवक्ता ने कहा कि शीघ्र ही विस्तृत विवरण जारी किया जाएगा।

इस बीच, अज्ञात हथियारबंद लोगों ने केच और पंजगुर जिलों के बीच बलगटार क्षेत्र में फ्रंटियर कोर (एफसी) की एक चेक पोस्ट पर हमला किया।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हमले में तीन अधिकारी मारे गए और चार घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह हमला मंगलवार शाम को हुआ। हमले में आधुनिक स्वचालित हथियारों का प्रयोग किया गया। अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

इसके अलावा बलोचिस्तान के मस्तुंग जिले में मंगलवार सुबह हथियारबंद लोगों ने एक बैंक पर हमला किया और 15 लाख रुपये से अधिक लूट लिए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, छह से आठ हथियारबंद बदमाश एलाइड बैंक की शाखा में घुसे। कर्मचारियों को बंधक बना लिया और नकदी लूटकर फरार हो गए। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आरोपित लगभग 15 लाख 60 हजार रुपये लूटकर ले गए।

द बलोचिस्तान पोस्ट की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सेना खुजदार जिले की तहसील जाहरी में लगातार जुल्म ढा रही है। दो सप्ताह से लोग दहशतजदा हैं । इंटरनेट, मोबाइल और अन्य संचार प्रणालियां पूरी तरह से बंद हैं। आंतरिक और बाहरी मार्ग सील कर दिए गए हैं। सेना ने जोहरी नूरगामा सहित अन्य क्षेत्रों के निवासियों को आदेश दिया है कि वह जन-बच्चों के साथ जोहरी अस्पताल में स्थापित सैन्य शिविर में पहुंचें।

इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी के इस्तेमाल से परिवहन क्षेत्र में आएगी क्रांति : गडकरी

सोनीपत/ नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में ईंधन के नये उपायों के इस्तेमाल से परिवहन क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है और अब इलेक्ट्रिक बैटरी से चलने वाले ट्रकों के संचालन से इस क्षेत्र में जबरदस्त क्रांति आएगी और माल ढुलाई का काम सस्ता, प्रदूषणरहित और ज्यादा आसान हो जाएगा।

श्री गडकरी ने बुधवार को हरियाणा में सोनीपत के गांव पांची गुजरान में देश के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रकों के लिए इलेक्ट्रिक बैटरी के निर्माण से परिवहन की दर बहुत कम हो जाएगी। जिस दर पर बड़े ट्रक डीजल ईंधन से चलते हैं उसके मुकाबले बहुत कम दाम पर अब इलेक्ट्रिक ट्रक अपने गंतव्य तक पहुंच पाएंगे और इससे लॉजिस्टिक खर्च बहुत कम हो जाएगा। इससे ट्रांसपोर्टर का बहुत पैसा बचेगा और इसका सीधा फायदा उपभोक्ता को होगा।

श्री गडकरी ने कहा कि इस समय पेट्रोल डीजल आदि ईंधन का बड़े स्तर पर आयात किया जाता और इस पर 25 लाख करोड़ रुपए खर्च होते हैं। इस कारण देश में वायु प्रदूषण की भी समस्या पैदा होती है। अब ट्रांसपोर्ट में बड़े ट्रक जब बैटरी से चलेंगे तो उससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा और सस्ते दाम पर सामान को एक जगह से दूसरी जगह भी पहुंचाया जा सकेगा। उनका कहना था कि सड़कें अच्छी बन गई हैं और इसके कारण दिल्ली से देहरादून की दूरी दो घंटे में, दिल्ली से जयपुर तीन घंटे में और दिल्ली से अमृतसर चार घंटे में पहुंचा जा सकता है। इससे परिवहनआसान हो रहा है। सड़क निर्माण में भी क्रांति आ रही है और किसानों के पराली जैसे बेकार उत्पादों का प्रयोग सड़क बनाने में किया जा रहा है।

श्री गडकरी ने इस क्रांति से किसानों को हो रहे फायदे का जिक्र करते हुए कहा मैं भी किसान हूं। हरियाणा के किसान बेहतरीन काम कर रहे हैं। किसान अन्नदाता हैं। अब हमने तय किया है कि किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं रहेगा। किसान ऊर्जादाता, ईंधनदाता, कोलतारदाता, बिटमिनदाता, ईंधनदाता और हाइड्रोजन प्रदाता भी बनेगा। किसान को अब पराली जलानी नहीं पड़ेगा बल्कि उसे बिटमिन में मिलाकर सड़क का निर्माण किया जाएगा। नागपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहले एक किलोमीटर सड़क का निर्माण पराली को बिटमिन में मिलाकर सड़क बनाया गया है। इस तरह की 400 परियोजनाएं आ रही हैं। एक किलोमीटर की इस सड़क को परीक्षण में बहुत अच्छा पाया गया है। अब पराली जलाई नहीं जाएगी बल्कि उसका इस्तेमाल आने वाले दिनों में सड़क निर्माण के लिए किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पेट्रोल तथा डीजल जैसे ईंधन के कारण देश के पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि भारत तेजी से वैकल्पिक ईंधन की ओर बढ़ रहा है और आने वाला समय डीजल-मुक्त परिवहन का होगा। उनकी सरकार ने ईंधन के विकल्प के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और उसी का परिणाम है कि वह आज यहां देश के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन कर रहे हैं। समारोह में केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी तथा अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

श्री गडकरी ने कहा कि पराली से सड़कों के निर्माण की जो प्रक्रिया चल रही है वह किसानों के लिए क्रांतिकारी साबित होगी और उन्हें पराली जलानी नहीं पड़ेगी। देश में 50 लाख टन पराली से जैव ईंधन बनाने का काम किया जा रहा है। इससे न सिर्फ प्रदूषण की स्थिति में कमी आएगी बल्कि किसानों की आमदनी भी बढ़ जाएगी। कृषि यंत्रों के लिए भी फ्लेक्सी इंजन विकसित किए जा रहे हैं और इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक से परिवहन क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है जिसके कारण बैटरियों की कीमत में 50-60 फीसदी तक गिरावट आई है।

जम्मू में वैष्णो देवी यात्रा तीन दिन के बाद बहाल

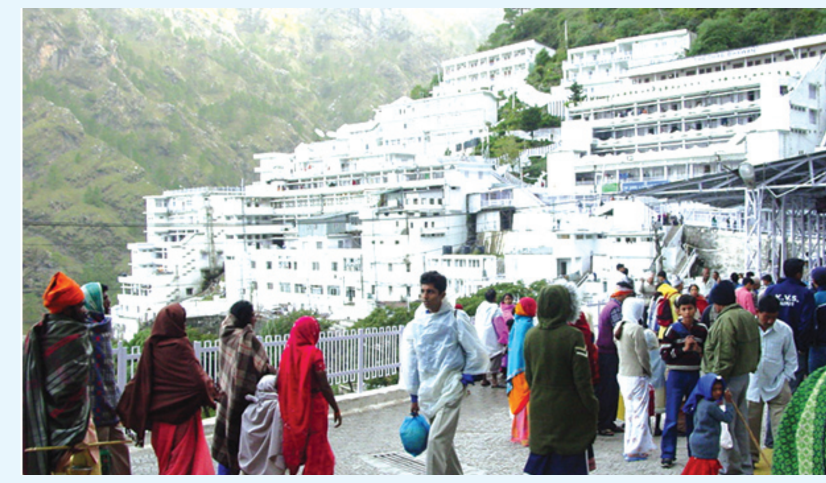

जम्मू, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के कारण तीन दिनों तक स्थगित रहने के बाद श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की यात्रा आज फिर से बहाल हो गयी।

अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी के बाद रोकी गयी यात्रा बुधवार सुबह फिर से शुरू हो गयी।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भी एक्स पर पोस्ट किया, जैसा कि पहले ही सूचित किया जा चुका है, सभी यात्रा पंजीकरण काउंटर 08 अक्टूबर, 2025 को सुबह 6:00 बजे से चालू रहेंगे। पोस्ट में आगे लिखा गया, श्रद्धालुओं को सलाह दी जाती है कि वे आगे की जानकारी के लिए आधिकारिक संचार माध्यमों के माध्यम से अपडेट रहें।

मौसम विभाग द्वारा पांच से सात अक्टूबर तक जारी खराब मौसम संबंधी चेतावनी के मद्देनजर वैष्णो देवी यात्रा तीन दिनों के लिए स्थगित रही। इस बीच मौसम में सुधार होने पर हेलीकॉप्टर सेवा भी सुचारू रूप से जारी है।

श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की यात्रा भारी बारिश के कारण 26 अगस्त को स्थगित कर दी गयी थी।

उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त को अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे और कई घायल हो गए।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल एवं श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने भूस्खलन के कारणों की जाँच के लिए एक उच्च-स्तरीय तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया था।

कश्मीर के 6 जिलों में एसआईए की बड़ी कार्रवाई, यूएपीए केस में 10 जगहों पर छापेमारी

श्रीनगर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में मंगलवार सुबह तड़के ही राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आतंकवाद के तंत्र को ध्वस्त करने के लिए बड़ा ऑपरेशन चलाया। यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत दर्ज प्राथमिकी नंबर 1/2025 में एसआईए की टीमों ने 6 जिलों - अनंतनाग, शोपियां, कुलगाम, सोपोर, बडगाम और बांदीपोरा में 10 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की।

इस अभियान में स्थानीय पुलिस और केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के जवान भी शामिल रहे। सूत्रों के अनुसार, ये छापे उन संदिग्धों के ठिकानों पर मारे गए जो आतंकी संगठनों के लिए ङ्ग्लपर सेलफ या ओवरग्राउंड वर्कर के रूप में सक्रिय थे।

हालांकि अभी तक किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन तलाशी के दौरान कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है। अधिकारियों का कहना है कि बरामद साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच की जाएगी और आगे की कार्रवाई की रूपरेखा इसी के आधार पर तय की जाएगी।

बरेली बवाल : तौकीर ने 28 साल पहले बदायूं में उधार ली पांच हजार की खाद, ब्याज बना 28 हजार, अब होगी वसूली

बदायूं , 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में बवाल कराने के आरोपी मौलाना तौकीर रजा की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। मूल रूप से जिला बदायूं के गांव करतौली निवासी तौकीर रजा ने वर्ष 1997 में साधन सहकारी समिति करतौली से पांच हजार रुपये का खाद ली थी। मौलाना ने न तो मूल रकम जमा की और न ब्याज अदा किया। अब बैंक ने ब्याज वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

26 दिसंबर को बरेली में बवाल किया गया था। मामले में दस मुकदमे दर्ज किए गए। जांच के दौरान सामने आया है कि बिनावर थाना क्षेत्र के करतौली गांव के मूल निवासी रहे मौलाना तौकीर रजा ने साल 1997 में बैंक से 5055.60 रुपये की खाद ली थी। इस रकम को ब्याज के साथ वापस नहीं किया गया। अब इस पर ब्याज सहित कुल 2,83,46 रुपये का बकाया हो गया है। तौकीर रजा का मामला देश भर में चर्चा का विषय बना तो बैंक को भी अपनी रकम वसूली की याद आ गई।

बैंक प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्र बताते हैं कि तौकीर की संपत्ति कुर्क होने की कार्रवाई भी हो सकती है। डीसीडीएफ के अध्यक्ष रवेंद्र पाल सिंह ने बताया कि तौकीर रजा मूल रूप से करतौली गांव निवासी है। यह लोन उसने पहले साधन सहकारी समिति करतौली से फसल उगाने के लिए लिया था। लोन लेने के बाद उसने न तो मूलधन चुकाया और न ही ब्याज जमा किया।

बैंक की ओर से तौकीर को कई नोटिस भेजे गए थे। हालांकि, इस दौरान बरेली में तौकीर राजनीति में बड़ा चेहरा बन गया। इस कारण उस पर कार्रवाई नहीं हो सकी। बरेली बवाल के बाद तौकीर की गिरफ्तारी होने के बाद उससे जुड़े रिकॉर्ड खंगाले गए। इसी दौरान बैंक लोन के बकाये का यह मामला सामने आया। जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन जितेंद्र कुमार सक्सेना ने बताया कि तौकीर रजा पर बकाया राशि निकली है। बंक अपने स्तर से कार्रवाई करेगा।

अमित शाह ने स्वदेशी ईमेल जोहो मेल का इस्तेमाल शुरू किया

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक तौर पर अपने ईमेल संचार के लिए स्वदेशी ई मेल सॉफ्टवेयर सेवा ज़ोहो मेल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। श्री शाह ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में जोहो मेल पर अपना नया ईमेल पता साझा किया और अनुरोध किया कि भविष्य में सभी पत्राचार इसी ई मेल पर किये जाएं। उन्होंने कहा, सभी को नमस्कार मैंने ज़ोहो मेल का उपयोग शुरू कर दिया है। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें। मेरा नया ईमेल पता ' अमितशाह.बीजेपीजोहोमल.इन है। भविष्य में ई मेल के माध्यम से पत्राचार के लिए कृपया इसी पते का उपयोग करें। इस मामले पर आपके ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

उल्लेखनीय है कि ज़ोहो एक भारतीय बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी है जो क्लाउड-आधारित व्यावसायिक सॉफ़्टवेयर के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती है। इसकी शुरूआत 1996 में श्रीधर वेम्बू और टोनी थॉमस ने की थी। ज़ोहो के प्रमुख मैसेजिंग ऐप 'अराटाई' पर पिछले तीन दिन में नए साइन-अप में भारी वृद्धि देखी गई है जो प्रतिदिन 3,000 से बढ़कर 3,50,000 हो गई है। इसने ऐप को सोशल नेटवर्किंग श्रेणी में भारत में एप्पल ऐप स्टोर के शीर्ष पर पहुंचा दिया है।

भाजपा कार्यकर्ता सरदार पटेल के विचारों को जन जन तक पहुंचाएंगे : नड्डा

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों को पार्टी कार्यकर्ता जन जन तक पहुंचाएंगे। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में सरदार पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'सरदार 150 एकता मार्च' अभियान की कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया।

श्री नड्डा ने कहा कि देश के लौह पुरुष की 150वीं जयंती के अवसर पर देशभर में निकाली जाने वाली 'एकता मार्च' के माध्यम से देश के युवाओं में एकता, देशभक्ति के भाव को बनाये रखने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प 'विकसित व आत्मनिर्भर भारत' निर्माण में सहभागी होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। गौरतलब है कि श्री पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को है।

श्री नड्डा ने कहा कि इस अभियान के द्वारा भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं देशभर में राष्ट्र की एकता को बनाये रखने के सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों और कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत सरदार पटेल जी के विराट व्यक्तित्व और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को आत्मसात कर देश के युवा 'एक भारत - आत्मनिर्भर भारत' निर्माण के लिए एकत्रित होंगे।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी महामंत्री सुनील बंसल समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

नकली दवाएं बेचने में बेटी का भी हाथ, लुधियाना ले गई एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स

कानपुर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिरहाना रोड की नील वाली गली स्थित श्रीलक्ष्मी फार्मा से बेची गई नशीली और मौके पर मिली नकली दवाओं के कारोबार में फर्म के मालिक राहुल अग्रवाल के साथ उसकी बेटी का भी हाथ है। इसी आधार पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स लुधियाना रेंज की टीम बेटी वर्तिका अग्रवाल को अपने साथ ले गई है। वहीं औषधि निरीक्षक रेखा सचान की तहरीर पर राहुल, उसकी पत्नी पायल और बेटी वर्तिका के खिलाफ कलक्टरगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। राहुल अभी भागा हुआ है। पुलिस मंगलवार रात से ही उसकी तलाश कर रही है।

मंगलवार को ड्रग विभाग और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स लुधियाना रेंज की संयुक्त कार्रवाई में फर्म से पांच लाख रुपये कीमत की नकली दवाएं, 29 लाख रुपये नकद और अन्य दस्तावेज मिले थे। इन्हें ड्रग विभाग ने जब्त कर लिया था। बुधवार को विभाग ने कोर्ट में राहुल समेत उसकी पत्नी और बेटी की कस्टडी मांगी। लुधियाना की टीम अपने साथ 29 लाख रुपये और वर्तिका को ले गई है।

ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल सिंह ने बताया कि पंजाब में नशीली दवाओं की जांच में वर्तिका का नाम आया था। इसी आधार पर टीम उसे अपने साथ ले गई है। इस पूरे कारोबार में और भी लोगों के शामिल होने का अंदेशा जताया जा रहा है। ड्रग विभाग और पुलिस की टीम अपने स्तर से कई और जगह भी छापा मार सकती है।

फर्म से कई राज्यों व ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली व नकली दवाओं की सप्लाई का शक विभाग को है। वहीं दवा व्यापारियों ने भी शक जताया है कि बिना लाइसेंस वाली चल रहीं फर्मों में इस तरह की और गतिविधियां हो सकती हैं। व्यापारियों के अनुसार ये दवाएं शहर में सप्लाई नहीं होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते के चक्कर में बेची जाती हैं। ड्रग विभाग हमेशा किसी दूसरे राज्य या जिले से शिकायत आने के बाद कार्रवाई करता है।

सहारा सिटी पर नगर निगम के कब्जे को लेकर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

कैंपस के जानवर होंगे शिफ्ट

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहारा शहर पर लखनऊ नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ सहारा इंडिया कॉमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने मामले में विचार की जरूरत की बात कही। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम से 30 अक्टूबर तक मामले में जवाब तलब किया है। सहारा ने नगर निगम द्वारा सहारा शहर में लीज पर दी गई जमीनों और उन पर बनी संपत्तियों में हस्तक्षेप को चुनौती दी है।

साथ ही हाईकोर्ट ने सहारा शहर के भीतर मौजूद मवेशियों को कान्हा उपवन ले जाने और समुचित देखभाल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ के समक्ष सहारा की याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। याचिका में नगर निगम की ओर से 8 और 11 सितंबर 2025 को जारी किए गए आदेशों को रद्द करने का आग्रह किया गया है। सहारा ने याचिका में कहा है कि इस मामले में सिविल कोर्ट में पहले से ही स्थगन आदेश लागू है। इसके अलावा, आर्बिट्रेशन की कार्यवाही में भी नगर निगम को सहारा के पक्ष में लीज एग्रीमेंट बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन नगर निगम ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

कंपनी का यह भी आरोप है कि कार्रवाई करने से पहले उसे सुनवाई का उचित अवसर नहीं दिया गया। याचिका के अनुसार, नगर निगम ने 22 अक्टूबर 1994 और 23 जून 1995 को गोमतीनगर में सहारा को जमीन पट्टे पर दी थी।

सहारा ने इन जमीनों पर 2480 करोड़ रुपये की लागत से 87 आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियां विकसित की हैं। सहारा की ओर से कोर्ट में कहा गया कि उन्हें विहित प्रक्रिया न अपनाकर, सुनवाई का पूरा मौका दिए बगैर कार्रवाई की गई है। वहीं, नगर निगम की ओर से कहा गया कि 1994 की लीज की शर्तों का उल्लंघन करने पर ही कार्रवाई की गई है। कहा कि 2020 और 2025 में नोटिस देने के बाद ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुनवाई का मौका देकर मामले में सीलिंग की कार्रवाई की गई।

राजकुमार : अपनी फिल्मों के डायलॉग्स के खुद थे कप्तान, अपनी शर्तों पर करते थे काम

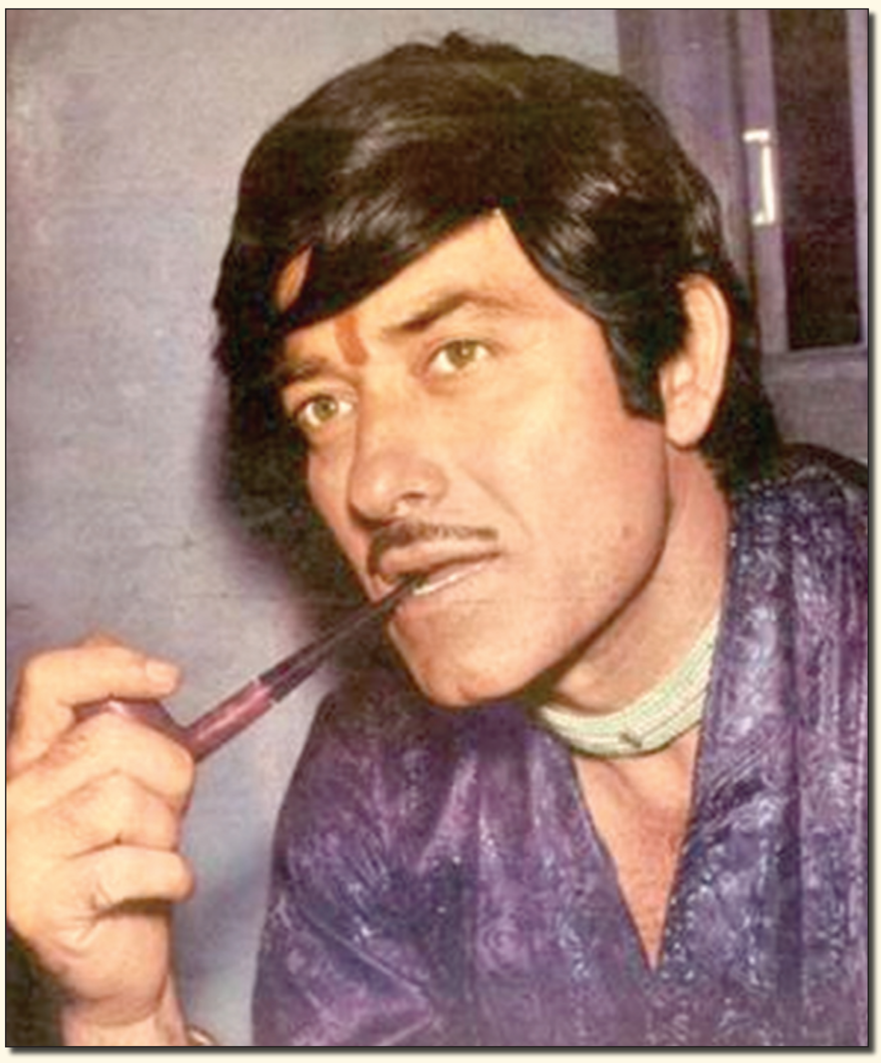

दिग्गज अभिनेता राजकुमार हिंदी सिनेमा के ऐसे स्टार थे, जिनका नाम आज भी बड़े सम्मान और प्यार से लिया जाता है। वह न सिर्फ अपनी दमदार आवाज और अभिनय के लिए मशहूर थे, बल्कि अपनी बेबाकी और ईमानदारी के लिए भी जाने जाते थे। राजकुमार की एक खासियत यह भी थी कि वह अपनी फिल्मों के डायलॉग को लेकर बहुत सख्त थे। अगर उन्हें कोई डायलॉग पसंद नहीं आता था, तो वह कैमरे के सामने ही उसे बदल देते थे। उन्होंने हमेशा अपनी शर्तों पर ही काम किया। राजकुमार का जन्म 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान के लोरलाई में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। उनका असली नाम कुलभूषण पंडित था। उनका परिवार बंबई (अब मुंबई) आ गया था। पहले वह मुंबई पुलिस में सब इंस्पेक्टर की नौकरी करने लगे थे। हालांकि, फिल्म जगत से उनका दिल बहुत पहले ही जुड़ गया था। एक दिन फिल्म निर्माता बलदेव दुबे पुलिस स्टेशन में आए और राजकुमार के स्वाभाविक अंदाज और बातचीत से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें अपनी फिल्म 'शाही बाजार' में काम करने का मौका दिया। राजकुमार ने तुरंत पुलिस की नौकरी छोड़ दी और फिल्मों की दुनिया में कदम रख दिया।

उनका फिल्मी सफर आसान नहीं था। शुरुआत में उन्होंने कई छोटी-छोटी भूमिकाएं निभाईं। उनकी पहली फिल्म 'रंगीली' 1952 में आई, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली 1957 में आई महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' से। इस फिल्म में राजकुमार ने किसान का किरदार निभाया, जो दर्शकों के दिलों को छू गया। इसके बाद उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, जैसे 'हीर रांझा', 'तिरंगा', 'मरते दम तक', 'सौदागर', और 'पाकीजा'। उनकी आवाज, डायलॉग बोलने का अंदाज और अभिनय का तरीका उनकी फिल्मों का खास आकर्षण हुआ करते थे।

राजकुमार की फिल्मों में उनकी बेबाकी का एक और उदाहरण था उनका डायलॉग बदलने का रवैया। कई बार जब उन्हें लगता था कि फिल्म के डायलॉग ठीक नहीं हैं या वह उनकी छवि के अनुकूल नहीं हैं, तो वह सेट पर ही निर्देशक और लेखक से बात करके उन्हें बदलवा लेते थे। वह मानते थे कि कलाकार के पास अधिकार होना चाहिए कि वह अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभा सके। यही वजह थी कि उनके डायलॉग्स में एक खास ठसक और दम नजर आता था। राजकुमार की यह ईमानदारी और आत्मविश्वास ही उनकी फिल्मों को यादगार बनाता था।

अपने करियर के दौरान राजकुमार को कई पुरस्कार मिले। उन्होंने फिल्मों में अपने योगदान के लिए अनेक सम्मान पाए, जिनमें कई प्रतिष्ठित फिल्मफेयर पुरस्कार भी शामिल हैं। राजकुमार की एक्टिंग में वह गहराई और सादगी थी, जो उन्हें अपने दौर के सबसे बड़े सितारों में से एक बनाती थी। वह स्क्रीन पर रफ एंड टफ हीरो थे, लेकिन असल जिंदगी में भी उतने ही साफ दिल के इंसान थे।

राजकुमार की जिंदगी में सफलता के साथ कई चुनौतियां भी थीं। उनका आखिरी वक्त गले के कैंसर से जूझते हुए बीता। उन्होंने 3 जुलाई 1996 को 69 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया।

एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से मांगी माफी!

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने एक वीडियो जारी करते हुए उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है, जिनकी उन्होंने वर्षों से आलोचना की है। इसकी वजह भी सामने आ गई है। टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें एकता कहती हैं, विज्ञापनों में अपने हालिया विवाद के बाद मैं उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना चाहती हूं, जिनसे मैंने कहा था, 'आपका अभिनय उम्मीद के मुताबिक नहीं था।' मुझे सच में खेद है। दरअसल, हाल ही में एकता कपूर कई तरह के उत्पादों के विज्ञापनों में नजर आई थीं। इनमें एक विज्ञापन में उन्होंने दावा किया था, 'मैंने दुनिया को के-ड्रामा दिया', जो उनके मशहूर टीवी सीरियल्स 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम' और 'पवित्र रिश्ता' की तरफ इशारा था।

इनमें से कुछ में वह कहती दिखी थीं, कुछ कलाकार तो ऐसे थे, जो एक्टिंग तक नहीं करना जानते थे। इसके चलते एकता कपूर की खूब आलोचना हुई थी। हालांकि, यह विज्ञापन अब सोशल मीडिया से हटा लिया गया है, लेकिन खुद की किरकिरी होते देख एकता कपूर ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली।

दूसरी तरफ एकता कपूर की फिल्म 'कटहल' को हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म' के रूप में सम्मानित किया गया था। इस फिल्म को गुनीत मोंगा और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, अनंत जोशी, विजय राज और राजपाल यादव जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को यशोवर्धन मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी अशोक मिश्रा ने लिखी है। राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने के बाद एकता कपूर ने एक पोस्ट में लिखा था, राष्ट्रीय पुरस्कार और कटहल की जीत का जश्न मनाना बालाजी की पूरी टीम के लिए एक जादुई पल है। यह कहानी प्रामाणिक, अनोखे भारतीय आख्यानों पर प्रकाश डालने के लिए रची गई थी और आज की मान्यता इस सफर को अविस्मरणीय बनाती है।

'जिनी' फिल्म के गीत 'अब्दी अब्दी' में कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने शानदार बेली डांस परफॉर्मेंस से मचाई धूम

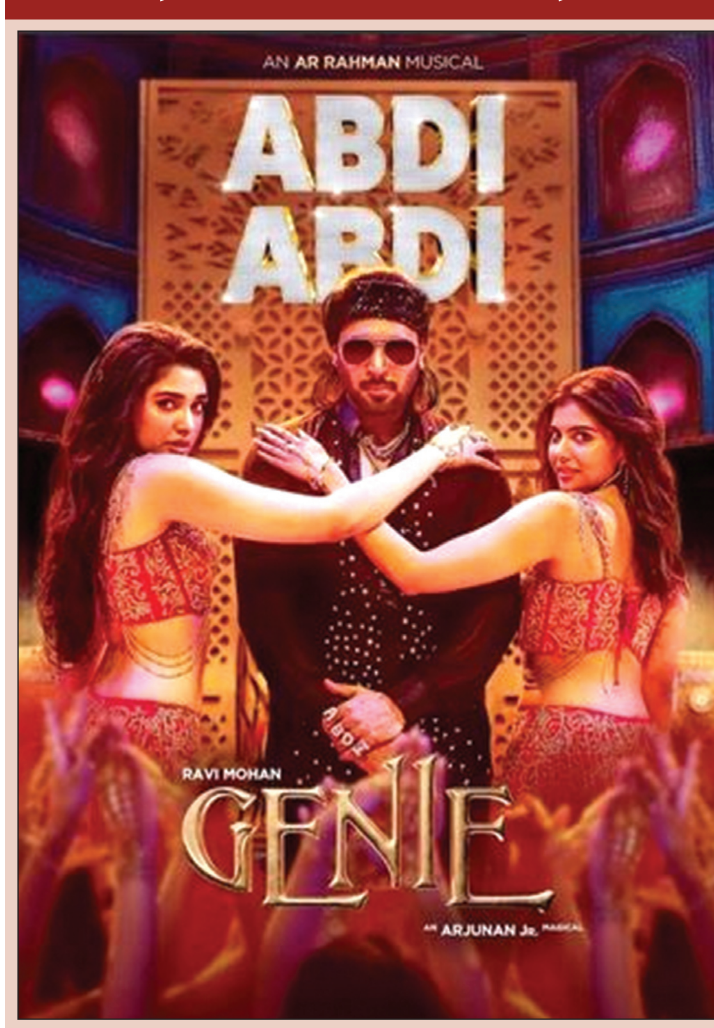

कृति शेट्टी के फैन्स का इंतज़ार अब खत्म हो गया है क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म 'जीनी' का बहुप्रतीक्षित गाना 'अब्दी अब्दी' आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और यह किसी विज़ुअल धमाके से कम नहीं है। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियाँ एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नज़र आ रही हैं, जहाँ वे दिलकश बेली डांस परफॉर्मेंस के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। आकर्षक कोरियोग्राफी, मनमोहक दृश्य और थिरकने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ, 'अब्दी अब्दी' दोनों अभिनेत्रियों के लिए एक साहसिक बदलाव का प्रतीक है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सीमाओं को लांघने की इच्छा शक्ति को दर्शाता है। कृति और कल्याणी के बीच की केमिस्ट्री साफ़ दिखाई देती है, और उनका तालमेल इस बात का प्रमाण है कि दोनों ने इस कठिन डांस कला को सीखने के लिए कितनी मेहनत की है। ट्रैक की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, कृति ने बताया, मुझे कहना होगा कि गणेश आचार्य मास्टर ने इस गाने को बहुत खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया है। उनकी टीम शूटिंग के दौरान भी बहुत सहयोगी और मददगार रही। उनके साथ काम करने की सबसे खास बात यह थी कि वे पूरे दिन, रिहर्सल के दौरान, हमारे साथ मौजूद रहते थे और हमें खुद आकर सुझाव देते थे कि हम कहाँ सुधार कर सकते हैं। उन्होंने वाकई हमारे साथ मिलकर काम किया और पूरी प्रक्रिया को एक बेहद खूबसूरत अनुभव बना दिया। चूँकि मैं और कल्याणी, दोनों ही पहले एक बेली डांस टीचर से ट्रेनिंग ले चुकी थीं, इसलिए यह ज़्यादा मुश्किल नहीं लगा। बस एक चीज़ थोड़ी मुश्किल थी, वो ये कि जब हमें रेत से भरे डांस फ्लोर पर शूट करना पड़ा, वहाँ घुमाव करना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन धीरे-धीरे हमने उसे भी संभाल लिया। कृति शेट्टी के लिए, 'अब्दी अब्दी' उनके करियर में एक अहम मुकाम साबित हो रहा है। अब तक अपनी 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर' वाली छवि से पहचानी जाने वाली कृति ने इस गाने में एक आत्मविश्वासी, ग्लैमरस और सेंसुअल अंदाज़ में खुद को पूरी तरह बदल दिया है – जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा। बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन कृति ने पूरी लगन से इसकी तैयारी में खुद को झोंक दिया। इस कठोर प्रशिक्षण में न सिर्फ़ इस डांस शैली के ख़ास हिप मूवमेंट और बॉडी अंडुलेशन्स को सीखने में महारत हासिल करना शामिल था, बल्कि कोरियोग्राफी को बेबाकी से करने के लिए ज़रूरी कोर स्ट्रेंथ और लचीलेपन का निर्माण भी शामिल था। उनकी यह मेहनत हर फ्रेम में झलकती है, और यही वजह है कि 'अब्दी अब्दी' इस सीज़न के सबसे चर्चित गानों में से एक बन गया है।

कल्याणी प्रियदर्शन भी कृति के साथ कदम से कदम मिलाती दिखती हैं, और अपने अलग अंदाज़ और ऊर्जा से परफॉर्मेंस को और भी निखार देती हैं। गाने की कोरियोग्राफी इस तरह रची गई है कि दोनों अभिनेत्रियों की विशेषताएँ उभरकर सामने आएँ, साथ ही उनके साथ किए गए सिंक्रोनाइज़ मूवमेंट्स गाने को एक नया स्तर पर पहुंचा देते हैं।

ऐसा लगता है कि 'जिनी' फिल्म दोनों अभिनेत्रियों का एक बिल्कुल नया रूप दिखाने वाली है, और अगर 'अब्दी अब्दी' इसका संकेत है, तो दर्शकों के लिए यह फिल्म एक शानदार विज़ुअल और म्यूज़िकल अनुभव साबित होगी। यह गाना पहले ही सभी प्लेटफ़ॉर्म्स पर ट्रेंड कर रहा है, और दर्शक व समीक्षक दोनों इसकी बोल्ड कोरियोग्राफी और अभिनेत्रियों की मेहनत की जमकर तारीफ़ कर रहे हैं – जिन्होंने एक ऐसा बेली डांस परफॉर्मेंस दिया है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसी भी गाने को टक्कर दे सकता है।

कल करवा चौथ

करवा चौथ व्रत का हिंदू धर्म में बहुत अधिक महत्व होता है। इस व्रत को सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस व्रत को सुहागिन महिलाएं पती की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। करवा चौथ का व्रत निर्जला व्रत होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर 2025 को पड़ रहा है। इस बार करवाचौथ पर सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में विराजमान रहेंगे। इस संयोग में करवा माता की आर-ाधना करने से वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होंगी, और रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। पति की लंबी आयु और वैवाहिक जीवन सुखमय होने की कामना से महिलाएं इस व्रत के तहत पूरे दिन निर्जला रहती हैं यानि जल तक ग्रहण नहीं करती हैं। हिंदू धर्म में करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए काफी अहम स्थान रखता है। करवा चौथ व्रत का इंतजार महिलाएं अत्यंत बेसब्री से करती हैं। करवा चौथ उत्तर भारत के खास त्यौहारों में से एक है। जो खासतौर से विवाहित महिलाओं के लिए है। ये हिन्दू कैलेण्डर के कार्तिक महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। महिलाएं इस दिन अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और शाम को चंद्रमा को देखकर ही व्रत खोला जाता है।

ये व्रत खासतौर से उत्तर भारत जैसे-पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार में ही किया जाता है। इस दिन भगवान गणेश और शिव-पार्वतीजी के साथ करवा माता की पूजा खासतौर से की जाती है। करवा चौथ व्रत को कठिन व्रतों में से एक माना गया है। इसका कारण ये है कि इस दिन रात को चंद्रमा दर्शन के बाद ही व्रती महिलाएं व्रत का पारण करती हैं। मान्यता के अनुसार वट सावित्री व्रत की तरह ही करवा चौथ व्रत करने से भी पति को लंबी आयु प्राप्त होती है और वैवाहिक जीवन खुशहाल होता है साथ ही व्रत करने वाली महिलाओं का अखंड सौभाग्य भी बना रहता है।

करवा चौथ पर बन रहा विशिष्ट संयोग

इस बार करवाचौथ पर सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में विराजमान रहेंगे। इस साल का करवा चौथ व्रत सिद्धि योग और कृत्तिका नक्षत्र में है। करवा चौथ पर सिद्धि योग प्रात:काल से लेकर शाम 05:41 मिनट तक है। उसके बाद से व्यतीपात योग होगा। उस दिन कृत्तिका नक्षत्र प्रात:काल से लेकर शाम 05:31 मिनट तक है, उसके बाद रोहिणी नक्षत्र है।

करवा चौथ शुभ मुहूर्त

करवा चौथ का व्रत शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025

चतुर्थी तिथि आरंभ- 9 अक्टूबर 2025 को रात 10:54 मिनट से

चतुर्थी तिथि समाप्त- 10 अक्टूबर 2025 को शाम 07:38 मिनट पर

उदया तिथि के अनुसार करवा चौथ का व्रत शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 को रखा जाएगा।

करवा चौथ पूजा मुहूर्त

पूजा का शुभ मुहूर्त: शाम 05:57 बजे से शाम 07:11 बजे तक।

चंद्र दर्शन का समय

वहीं ये भी मान्यता है कि कि ऐसे समय में चंद्र दर्शन मनवांछित फल प्रदान करता है। इस बार करवा चौथ को यानि 10 अक्टूबर को चांद रात 08:13 मिनट पर निकलेगा। ऐसे में इसी समय व्रती महिलाओं को चंद्र दर्शन हो सकता है। वहीं चंद्र दर्शन के बाद ही व्रती महिलाएं व्रत खोलेगी।

करवा चौथ का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत को करने से पति को दीर्घायु प्राप्त होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने के बाद व्रत पारण करने से वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है। इस दिन संकष्टी चतुर्थी भी होती हैं और उसका पारण भी चंद्र दर्शन के बाद ही किया जाता है, इसलिए करवा चौथ गणेश जी का पूजन करने का भी विधान है। इसके अलावा करवा चौथ पर माता पार्वती, शिव जी और कार्तिकेय का पूजन भी किया जाता है।

करवा चौथ व्रत की विधि

इस दिन प्रातः उठकर अपने घर की परंपरा के अनुसार सरगी आदि ग्रहण करें। स्नानादि करने के पश्चात व्रत का संकल्प करें। यह व्रत पूरे दिन निर्जला यानी बिना जल के किया जाता है। शाम को समय तुलसी के पास बैठकर दीपक प्रज्वलित करके करवाचौथ की कथा पढ़े। चंद्रमा निकलने से पहले ही एक थाली में धूप-दीप, रोली, पुष्प, फल, मिष्ठान आदि रख लें। टोटी वाले एक लोटे में अर्घ्य देने के लिए जल भर लें। मिट्टी के बने करवा में चावल या फिर चिउड़ा आदि भरकर उसमें दक्षिणा के रुप में कुछ पैसे रख दें। एक थाली में श्रंगार का सामान भी रख लें। चंद्रमा निकलने के बाद चंद्र दर्शन और पूजन आरंभ करें। सभी देवी-देवताओं का तिलक करके फल-फूल मिष्ठान आदि अर्पित करें। श्रंगार के सभी सामान को भी पूजा में रखें और टीका करें। अब चंद्रमा को अर्घ्य दें और छलनी में दीप जलाकर चंद्र दर्शन करें, अब छलनी में अपने पति का मुख देखें। इसके बाद पति के हाथों से जल पीकर व्रत का पारण करें। अपने घर के सभी बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। पूजन की गई श्रंगार की सामाग्री और करवा को अपनी सास या फिर किसी सुहागिन स्त्री को दे दें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

करवा चौथ पर वास्तु शास्त्र के नियम लाएंगे वैवाहिक जीवन में खुशहाली

करवा चौथ हिंदू धर्म में बेहद खास और श्रद्धा-पूर्वक मनाया जाने वाला त्योहार है, जो विवाहित महिलाओं के लिए पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना का प्रतीक माना जाता है। इस व्रत का पालन हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को किया जाता है। करवा चौथ का महत्त्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई वास्तुशास्त्र से जुड़ी मान्यताएं भी हैं, जो वैवाहिक जीवन में शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने का सुझाव देती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, करवा चौथ के व्रत में कुछ खास दिशा-निर्देशों का पालन करना शुभ माना गया है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और वैवाहिक जीवन सुखमय होता है।

सबसे पहले सरगी ग्रहण करने की दिशा पर ध्यान दिया जाना चाहिए। दक्षिण-पूर्व दिशा को सरगी लेने के लिए सबसे उत्तम माना गया है, क्योंकि यह दिशा सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होती है। इसके बाद पूजा के समय भी सही दिशा का चुनाव बहुत जरूरी होता है। करवा चौथ की पूजा करते वक्त कभी भी दक्षिण दिशा की ओर मुख करके प्रार्थना नहीं करनी चाहिए। पूजा करते वक्त चेहरा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए, ताकि आपकी मन्नत पूरी हो और घर में सुख-शांति बनी रहे।

करवा चौथ की व्रत कथा सुनना या पढ़ना भी पूजा का अहम हिस्सा है, और इसे करते वक्त उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुख करके कथा सुनना शुभ माना जाता है। यह दिशा ज्ञान और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है, जो व्रत की सफलता और वैवाहिक जीवन में स्थिरता लाने में मदद करती है। चंद्रमा को अर्घ्य देने के लिए भी वास्तु के अनुसार उत्तर-पश्चिम दिशा सर्वोत्तम होती है। चंद्रमा को दूध में जल मिलाकर अर्घ्य देना शुभ माना जाता है, क्योंकि इससे पति की लंबी उम्र और स्वास्थ्य में सुधार होता है।

पारंपरिक पूजा थाली में जल, लाल सिंदूर, फूल, मिठाई और दीपक रखना भी आवश्यक होता है। इन वस्तुओं का सही ढंग से संयोजन व्रत की ऊर्जा को बढ़ाता है और घर में सौभाग्य लाता है। इस खास दिन महिलाओं को लाल या पीली चूड़ियां पहननी चाहिए, क्योंकि ये रंग शुभता और सकारात्मकता का प्रतीक हैं। इन रंगों के पहनावे से न केवल वातावरण में सकारात्मकता आती है, बल्कि पति-पत्नी के संबंधों में भी मिठास बढ़ती है। वास्तु शास्त्र की मानें तो इन नियमों का पालन करने से जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और स्थिरता बनी रहती है।

इस साल करवा चौथ की तिथि 9 अक्टूबर को रात 10:54 बजे से शुरू होकर 10 अक्टूबर शाम 7:38 बजे तक रहेगी। हालांकि, चंद्रमा के उदय का समय और तिथि का मेल करवा चौथ व्रत के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस बार चतुर्थी तिथि 9 अक्टूबर की देर रात से शुरू हो रही है, लेकिन उस दिन चंद्रमा का उदय तृतीया तिथि में होगा, जबकि 10 अक्टूबर को चंद्रमा का उदय चतुर्थी तिथि के बाद ही होगा। इसलिए, पारंपरिक गणना के अनुसार इस वर्ष करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर, यानी शुक्रवार को रखा जाएगा।

सुहागिन महिलाएं करवा चौथ पर न करें ये गलतियां

आश्विन माह के बाद शुरू होने वाला कार्तिक माह भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की आराधना के लिए विशेष माना गया है। वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस साल करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को रखा जाएगा। यह दिन हर सुहागिन महिला के लिए बेहद खास होता है। करवा चौथ का व्रत पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इस दिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को चांद को देखकर अपना व्रत पूरा करती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से देवी करवा की कृपा प्राप्त होती है।

करवा चौथ व्रत को विधिपूर्वक करने से पति-पत्नी के रिश्तों में मधुरता आती है और अखंड सुहाग की प्राप्ति होती है। करवा चौथ व्रत के दौरान नियम का पालन बेहद जरूरी है। इस दिन की गई छोटी सी गलती से भी आपका व्रत टूट सकता है।

करवा चौथ के दिन न करें ये 5 काम

अन्न या जल ग्रहण न करें : करवा चौथ का व्रत निर्जला रखा जाता है, इसलिए सूर्योदय से लेकर चांद निकलने तक कुछ भी ग्रहण न करें।

बाल न धोएं: करवा चौथ के दिन बाल धोना वर्जित होता है, इसलिए एक दिन पहले ही बाल धो लें।

व्रत बीच में न छोड़े: अगर एक बार आपके व्रत का संकल्प ले लिया तो उसके बाद इसे अधूरा न छोड़ें।

दिन में सोने से बचें: करवा चौथ के व्रत के दौरान दिन में सोना शुभ नहीं माना जाता।

इन रंगों के न पहने कपड़े: इस दिन काले, सफेद रंग के कपड़े न पहनें। इन रंगों को करवा चौथ के दिन अशुभ माना जाता है।

करवा चौथ के दिन क्या करें?

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और नए व शुभ रंग के कपड़े पहनें।

सरगी (सास द्वारा दिया गया आहार) का सेवन करें और फिर व्रत का संकल्प लें।

सुहाग का सामान और अन्न का दान करें।

घर के मंदिर की सफाई और सजावट करें।

चांद को देखकर व्रत का पारण करें।

करवा चौथ के दिन इन गलतियों से बचें

किसी से लड़ाई-झगड़ा न करें।

नकारात्मक बातें या विचार मन में न लाएं।

किसी के बारे में गलत न सोचें या उसका अपमान न करें।

झूठ बोलने और कटु वचन कहने से बचें।

नाखून या बाल काटना इस दिन अशुभ माना जाता है।

करवाचौथ व्रत के नियम, गर्भावस्था और मासिक धर्म के दौरान ऐसे रखें व्रत

हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। इस बार यह पर्व 10 अक्टूबर, शुक्रवार के दिन पड़ रहा है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इस व्रत के लिए हिंदू धर्म में कई प्रकार के नियम बनाए गए हैं, जिनका ध्यान रखना महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, करवा चौथ का व्रत बहुत कठिन होता है। ऐसे में यह सवाल जरूर उठता है कि गर्भावस्था में यह व्रत करना चाहिए या नहीं और इसके क्या नियम होते हैं। इसके अलावा, महिलाओं के लिए यह भी कहा जाता है कि मासिक धर्म के दौरान पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान नहीं करने चाहिए। तो ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर गर्भावस्था और पीरियड्स के लिए करवाचौथ व्रत के क्या नियम हैं।

मासिक धर्म में करवा चौथ व्रत कैसे करें

करवाचौथ के दिन सुहागिन महिलाओं द्वारा 16 श्रृंगार करके निर्जला व्रत करने का विधान होता है। इससे पति की आयु लंबी होती है और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन अगर करवाचौथ के समय मासिक धर्म यानी पीरियड्स चल रहे हों तो ऐसे में महिलाओं के मन में यह सवाल आता है कि व्रत रखना चाहिए या नहीं और इसके क्या नियम हैं। करवा चौथ साल में एक बार आता है, जिसकी तैयारी में महिलाएं कई दिनों पहले से ही लग जाती हैं। ऐसे में आपको इस व्रत को छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखें।

मासिक धर्म में करवाचौथ व्रत रखने के नियम

अगर करवाचौथ के समय मासिक धर्म चल रहे हों तब भी व्रत किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार, पीरियड्स में व्रत रखने से इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। चंद्रमा देखने तक व्रत सामान्यतौर पर जैसा रखा जाता है आप वैसे रख सकते हैं।

मासिक धर्म के दौरान करवा माता की पूजा-अर्चना करने से परहेज करना चाहिए क्योंकि, शास्त्रों में इसे निषेध माना गया है। ऐसे में आप पूजा के समय दूसरी सुहागिन महिला से पूजा करवा सकती हैं और आप दूर से बैठकर मानसिक तौर पर करवा माता की पूजा करें।

घर में महिला न होने पर पति भी नियमों का पालन करके करवाचौथ के दिन पूजा कर सकते हैं। इससे व्रती को व्रत और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

करवाचौथ के दिन व्रत के दौरान मासिक धर्म में किसी भी प्रकार की पूजा सामग्री स्पर्श नहीं करना चाहिए। लेकिन आप मंत्रों जाप कर सकते हैं।

चांद के निकलने के बाद विधि-पूर्वक चंद्रमा को अर्घ्य दें और छलनी से चांद के दर्शन करने के बाद व्रत का पारण किया जा सकता है। पीरियड्स के अलावा गर्भावस्था के दौरान भी करवाचौथ के व्रत में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

गर्भावस्था में करवा चौथ व्रत कैसे करें

करवाचौथ का त्योहार साल में एक बार आता है। ऐसे में सुहागिन महिलाएं इसे बीच में नहीं छोड़ना चाहती हैं। लेकिन गर्भावस्था के दौरान व्रत को लेकर कई सवाल मन में आते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान व्रत तो रखा जा सकता है लेकिन कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करनी चाहिए। इसके बाद, कथा का पाठ करके फलाहार, जल और पेय पदार्थ का सेवन कर सकती हैं। फिर, चांद निकलने पर छलनी से चांद के दर्शन करने के बाद व्रत का पारण करें। हालांकि, गर्भावस्था में व्रत रखने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए और स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर व्रत को करने से बचना चाहिए।

संपादकीय

कंगाली या बदलाव का चुनाव

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित कर दी हैं। नवंबर 6 और 11 को मतदान होगा और 14 नवंबर को जनादेश सार्वजनिक किया जाएगा। बिहार के लिए ये तारीखें बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि 7.43 करोड़ मतदाता तय कर सकेंगे कि किसकी सरकार बनेगी। बिहार देश और दक्षिण एशिया का सबसे गरीब राज्य है। साक्षरता दर में भी पिछड़ा है। प्रति व्यक्ति आय 32,227 रुपए है, जो राष्ट्रीय औसत की एक-तिहाई है। 1960 के दशक में बिहार देश की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में एक था और गुजरात, कर्नाटक सरीखे राज्यों से भी आगे था, लेकिन दशकों से बिहार पिछड़ता हुआ आज देश के सबसे निचले पायदान पर है। मतदाताओं के भीतर यह सवाल स्वाभाविक होना चाहिए कि नई सरकार उनकी आर्थिक स्थिति को संवारेगी अथवा बिहार कंगाल ही होता रहेगा? बेशक बाल कुपोषण हो या स्कूल में नामांकन की स्थिति हो अथवा शिशु मृत्यु दर हो या पानी, स्वच्छता और बिजली तक आम बिहारी की पहुंच हो, हर संदर्भ में बिहार पिछड़ा है। यह चुनौती सभी दलों और मतदाताओं के लिए है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आनन-फानन में लगभग सभी वर्गों में 'घुग्गे' बांटे हैं। वह 2005 से, भाजपा अथवा राजद के साथ, राज्य के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन इस बार ही याद आया है कि करोड़ों महिलाओं को 10,000 रुपए प्रति बांटे जाएं। अभी तक 1.21 करोड़ महिलाओं के खाते में यह राशि डाली जा चुकी है। इधर चुनाव जारी रहेगा और उधर महिलाओं के खातों में 10,000 रुपए डाले जाते रहेंगे। यह चुनाव की आदर्श आचार संहिता का मजाक है। तर्क है कि चुनाव की घोषणा से पहले कैबिनेट 'महिला रोजगार योजना' को स्वीकृति दे चुकी थी। बिहार में महिला मतदाता करीब 3.49 करोड़ हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सार्वजनिक मंच से उन्हें आग्रह कर चुके हैं कि चुनाव में हमारा ध्यान रखना। बीते कुछ चुनावों से देखा जा रहा है कि महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा अधिक मतदान करती हैं और यह नीतीश तथा भाजपा का ठोस वोट बैंक रहा है। लिहाजा महिलाओं की इस योजना को क्या माना जाए? कमोबेश यह सशक्तिकरण तो नहीं है। बहरहाल 3.61 लाख करोड़ रुपए के कर्ज वाले बिहार का अपना राजस्व 59,520 करोड़ रुपए है और मुफ्त घोषणाओं पर 37083 करोड़ रुपए खर्च होंगे। राज्य में करीब 95 लाख परिवार गरीबी-रेखा के नीचे हैं। मात्र 4 फीसदी लोगों की आय 50,000 रुपए या अधिक है। 34 फीसदी से ज्यादा घर ऐसे हैं, जो 6000 रुपए माहवार कमाने में भी अक्षम हैं। मात्र 6 फीसदी स्नातक हैं। राज्य में शराबबंदी लागू है, लेकिन शराब माफिया ने 50,000 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। इस संदर्भ में 14 लाख से अधिक मुकदमे लंबित या विचाराधीन हैं। दुपहिया रखने वालों की संख्या दयनीय है। यह बिहार की औसत तस्वीर है, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा-एनडीए और विपक्षी महागठबंधन ने चुनावी घोषणाएं की हैं कि बिजली मुफ्त देंगे। बेरोजगारी भत्ता युवाओं को देंगे। सामाजिक तौर पर पेंशन मुहैया कराएंगे। नए पंजीकृत वकीलों को भी 5000 रुपए माहवार वेतन-भत्ता देंगे। यकीनन बिहार में मुफ्त की बारिश है। जो बटोर सके, तो बटोर ले। जिस राज्य सरकार ने 44,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त कर्ज का बंदोबस्त करना शुरू किया है और लाखों करोड़ रुपए का कर्ज पहले से ही है। ऐसा बिहार अपनी गरीबी और पिछड़ेपन से कैसे उबरेगा? बेशक बिहार को केंद्र की मोदी सरकार का बहुत सहारा है। मोदी सरकार जनता दल-यू के 12 सांसदों के समर्थन के भरोसे है। इस बार जब देश का आम बजट पेश किया गया था, तो बिहार के लिए इतने आर्थिक आवंटन किए गए थे कि विपक्ष ने उसे 'बिहार का बजट' करार दिया था। महिलाओं वाली योजना का शुभारंभ भी प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। ऐसा कब तक चलेगा? बिहार की आर्थिक स्थिति कैसे संवरेगी? पलायन को हम महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं मानते, क्योंकि हर राज्य में पढने-लिखने के बाद लोग बाहर चले जाते हैं। ऐसा गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल आदि राज्यों में भी व्यापक स्तर पर होता रहा है। बिहार में जरूरत ईमानदारी और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की है। मुफ्त से कुछ वोट तो संभव हैं, लेकिन राज्य का आर्थिक उद्धार नहीं हो सकता। बिहारवासी सोचें और इस चुनाव को 'बदलाव' के तौर पर ग्रहण करें। बहरहाल, चुनाव संपन्न कराने को चुनाव आयोग को व्यापक प्रबंध करने होंगे। चुनाव में हिंसा की कोई घटना न हो, उसके लिए भी चुनाव आयोग तैयारी कर रहा है।

मतदाताओं के भीतर यह सवाल स्वाभाविक होना कि नई सरकार उनकी आर्थिक स्थिति को संवारेगी अथवा बिहार कंगाल ही होता रहेगा? बेशक बाल कुपोषण हो या स्कूल में नामांकन की स्थिति हो अथवा शिशु मृत्यु दर हो या पानी, स्वच्छता और बिजली तक आम बिहारी की पहुंच हो, हर संदर्भ में बिहार पिछड़ा है। यह चुनौती सभी दलों और मतदाताओं के लिए है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आनन-फानन में लगभग सभी वर्गों में 'घुग्गे' बांटे हैं। वह 2005 से, भाजपा अथवा राजद के साथ, राज्य के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन इस बार ही याद आया है कि करोड़ों महिलाओं को 10,000 रुपए प्रति बांटे जाएं। अभी तक 1.21 करोड़ महिलाओं के खाते में यह राशि डाली जा चुकी है। इधर चुनाव जारी रहेगा और उधर महिलाओं के खातों में 10,000 रुपए डाले जाते रहेंगे। यह चुनाव की आदर्श आचार संहिता का मजाक है। तर्क है कि चुनाव की घोषणा से पहले कैबिनेट 'महिला रोजगार योजना' को स्वीकृति दे चुकी थी। बिहार में महिला मतदाता करीब 3.49 करोड़ हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सार्वजनिक मंच से उन्हें आग्रह कर चुके हैं कि चुनाव में हमारा ध्यान रखना। बीते कुछ चुनावों से देखा जा रहा है कि महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा अधिक मतदान करती हैं और यह नीतीश तथा भाजपा का ठोस वोट बैंक रहा है। लिहाजा महिलाओं की इस योजना को क्या माना जाए? कमोबेश यह सशक्तिकरण तो नहीं है।

कुछ अलग

लेफ्ट आउटिए ध्यान दें...

इस अनुरोध के माध्यम से हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की हर रैंकिंग सूचियों से बाहर रहे किसी भी दर्जे के हर लेफ्ट आउट रचनाकार को सूचित किया जाता है कि बरसात के जाने के तुरंत बाद हर साल की तरह इस साल भी इनकी उनकी हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की रैंकिंग सूचियों के जारी होने के मौसम में जो रचनाकार जानबूझ कर बाहर कर दिए गए हों अथवा जिनका किसी भी रचनाकार रैंकिंग सूची में भूलवश नाम न आ पाया हो, और जिन्हें लगता हो इसके बाद अब कोई हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की रैंकिंग सूची नहीं निकलेगी, वे निराश मत हों। निराश होना रचनाकार का धर्म नहीं होता, रचनाकार की ओर से पाठकों का धर्म होता है। हे मेरे लेफ्ट आउट रचनाकार बंधुओ! सूची से बाहर रहों का दर्द मैं अच्छी तरह समझता हूं। दिखावे को चयन में पूरी स्वतंत्रता बरतने का दावा करने वाले चयनकर्ताओं के हाथ भीतर से बंधे होने के कारण मैं जिंदगी भर कभी इस सूची से बाहर होता रहा हूं तो कभी उस सूची से। इसी वजह लेफ्ट आउटियों की पीड़ा को दिल की गहराइयों से फील करते हुए इस साल से मैं भी लेफ्ट आउट रचनाकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की रैंकिंग सूची जारी करने जा रहा हूं।

गांव की सामाजिक सोच और तंग आर्थिक हालात ने उसके रास्ते में कई दीवारें खड़ी कर दीं

अपनी पहचान के लिए रोज संघर्ष करती है औरत

आरज़ू

लूणकरणसर तहसील का नाथवाना गांव, जहां रहने वाली 27 वर्षीय रेणु की कहानी आत्मनिर्भर होने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए रोज संघर्ष करती एक औरत की कहानी है। उसके चेहरे पर सादगी की झलक है, मगर आंखों में अनगिनत अधूरे सपने तैरते रहते हैं। वह अक्सर कहती है "मेरे पास धन नहीं है, पर सपनों की कमी कभी नहीं रही।" वह अपने संघर्ष की कहानी साझा करते हुए बताती है कि उसका जन्म एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। घर में खाने तक के लाले थे। जब उसका जन्म हुआ, तो पिता की आंखों में खुशी नहीं, बल्कि चिंता की लकीरें गहरी हो गईं। उन्हें डर था कि बेटी का लालन-पालन कैसे करेंगे? उन दिनों गांव में बेटी को बोझ समझा जाता था। तभी उसके नाना-नानी ने उसे अपने पास रख लिया। उन्होंने अपनी क्षमता से बढ़कर उसकी देखभाल की। रेणु छोटी उम्र से ही पढ़ाई में तेज थी। उसे किताबों में अपनी दुनिया नजर आती थी।

बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील का नाथवाना गांव, जहां रहने वाली 27 वर्षीय रेणु की कहानी आत्मनिर्भर होने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए रोज संघर्ष करती एक औरत की कहानी है। उसके चेहरे पर सादगी की झलक है, मगर आंखों में अनगिनत अधूरे सपने तैरते रहते हैं। वह अक्सर कहती है "मेरे पास धन नहीं है, पर सपनों की कमी कभी नहीं रही।" वह अपने संघर्ष की कहानी साझा करते हुए बताती है कि उसका जन्म एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। घर में खाने तक के लाले थे। जब उसका जन्म हुआ, तो पिता की आंखों में खुशी नहीं, बल्कि चिंता की लकीरें गहरी हो गईं। उन्हें डर था कि बेटी का लालन-पालन कैसे करेंगे? उन दिनों गांव में बेटी को बोझ समझा जाता था। तभी उसके नाना-नानी ने उसे अपने पास रख लिया। उन्होंने अपनी क्षमता से बढ़कर उसकी देखभाल की। रेणु छोटी उम्र से ही पढ़ाई में तेज थी। उसे किताबों में अपनी दुनिया नजर आती थी। पर गांव की सामाजिक सोच और तंग आर्थिक हालात ने उसके रास्ते में कई दीवारें खड़ी कर दीं। वह बताती है कि "मैं पढ़ना चाहती थी, पर किस्मत ने जल्दी बड़ा कर दिया।" महज पंद्रह वर्ष की उम्र में मेरा विवाह कर दिया गया। यह उस समय की सच्चाई थी, जब लड़कियों की पढ़ाई को जरूरी नहीं समझा जाता था। ससुराल में कदम रखते ही उसकी दुनिया बदल गई। वहाँ हर बात पर बंदिशें थीं। क्या पहनना है, कहाँ जाना है, किससे बात करनी है? हर चीज़ पर पहरा था। लेकिन रेणु का मन किसी कैद को मानने वाला नहीं था। उसे सिलाई का शौक था। वह अपने भीतर कुछ करने की आग महसूस करती थी। दिन के उजाले में, जब घर के सभी पुरुष खेत चले जाते थे तो वह एक पुरानी सिलाई मशीन पर कपड़े सिलने का अभ्यास करती थी। टुकड़ों से कपड़े जोड़ते हुए वह जैसे अपने सपनों को सीती जाती। समय के साथ उसने इतना अच्छा सीखा कि गांव की औरतें उसके पास अपने कपड़े सिलवाने आने लगीं। ससुराल वालों को यह सब पसंद नहीं था। वे कहते "घर की औरत बाहर का काम नहीं करती।" लेकिन रेणु जानती थी कि उसका हुनर उसकी पहचान बन सकता है। इसी बीच उसने

अपने मामा की मदद से चुपचाप मैट्रिक की परीक्षा दी। जब परिणाम आया, तो वह पास हो चुकी थी। उसे खुद पर यकीन हो चला था कि अगर हिम्मत की जाए तो हालात बदले जा सकते हैं। एक दिन उसने ससुराल में बताया कि वह बीकानेर में अपनी बुआ के घर कुछ महीनों के लिए जा रही है। सच्चाई यह थी कि वह वहां एक महीने के लिए ब्यूटी पार्लर का कोर्स करने गई थी। हर दिन वह नई तकनीकें सीखती, लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना सीखती और अपने भीतर आत्मविश्वास का एक नया रंग भरती। जब परीक्षा हुई, तो उसने सबसे अच्छा मेकअप करके टॉप किया। उसके प्रशिक्षकों ने कहा "तुम्हारे हाथों में कमाल है, रेणु! तुम चाहो तो आगे बढ़ सकती हो।" उस दिन उसने अपने भीतर एक नई उड़ान महसूस की। लेकिन गांव लौटने पर हकीकत की दीवार फिर सामने थी। ससुराल वालों को जब पता चला तो उन्होंने साफ साफ कह दिया कि "ब्यूटी पार्लर खोलने से औरत की इज्जत खराब होती है। हमारे घर की बहू ये सब काम नहीं करेगी।" उनके शब्दों में वही पुरानी सोच थी, जिसने अनगिनत औरतों के सपनों को दबा दिया। रेणु ने बहुत समझाने की कोशिश की। उसने कहा "मैं घर की इज्जत नहीं मिटाना चाहती, बस अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हूँ।" मगर उसके शब्दों की कीमत किसी ने नहीं समझी। उसके मन में फिर वही संघर्ष शुरू हो गया। उसे एहसास हुआ कि गांव की औरतों के लिए सपनों की उड़ान अक्सर परंपराओं की जंजीरों में बंध जाती है। यहाँ एक लड़की के सपने देखने से पहले ही उन्हें "मर्यादा" और "इज्जत" के नाम पर रोक दिया जाता है। फिर भी, रेणु ने हार नहीं मानी। उसने घर में एक छोटे से कोने में अपनी सिलाई मशीन रख ली। उसने गांव की लड़कियों को कपड़े सिलने का प्रशिक्षण देना शुरू किया। धीरे-धीरे उसके पास लड़कियाँ आने लगीं। वह उन्हें कहती "कौशल कोई पाप नहीं, मेहनत से ही इज्जत बनती है।" अब वह अपनी कमाई से घर के छोटे खर्च उठाने लगी है। उसके हाथों में हुनर है, आँखों में आत्मविश्वास और दिल में एक सपना है कि एक दिन उसका अपना ब्यूटी पार्लर होगा, जहाँ वह न सिर्फ खुद काम करेगी, बल्कि गांव की औरतों को भी रोजगार सिखाएगी। रेणु की यह कहानी किसी एक महिला की नहीं, बल्कि उन हज़ारों महिलाओं की आवाज़ है जो अपने सपनों को समाज की दीवारों में कैद देखकर भी चुप नहीं रहतीं। ग्रामीण इलाकों में अब भी कई महिलाएं हैं, जिनके लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता तक पहुँचना किसी पहाड़ चढ़ने जैसा है। यहाँ लड़कियों की परवरिश में बचपन से यह सिखाया जाता है कि घर की सीमा ही उनका संसार है पर वही सीमाएँ, कभी-कभी किसी रेणु जैसी लड़की के लिए चुनौती बन जाती हैं, जिसे वह पार करना चाहती है। गांवों में महिलाओं की सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उनके सपनों को "शौक" मान लिया जाता है, न कि "हक"। जब वे कुछ अलग करने की कोशिश करती हैं, तो समाज सवालों की बौछार करता है "लड़की होकर इतना क्यों सोचती है?" या "घर का नाम खराब मत कर"। ये वाक्य उनके रास्ते में बार-बार आते हैं। लेकिन धीरे-धीरे हालात बदल रहे हैं अब गांव की लड़कियाँ मोबाइल चलाना जानती हैं, इंटरनेट पर सीखना जानती हैं और अपनी पहचान खुद गढ़ने की कोशिश कर रही हैं। रेणु जैसी औरतें उन उम्मीदों की मिसाल हैं जो चुपचाप बदलाव की बुनियाद रखती हैं। उनके संघर्षों में कोई नारे नहीं, कोई भाषण नहीं, सिर्फ एक जिद होती है, अपनी पहचान खुद बनाने की। जब वह सुई से कपड़ा सीती है, तो जैसे अपनी जिंदगी के फटे हिस्सों को जोड़ती जाती है। उसका हर टांका इस बात का सबूत है कि हालात चाहे जैसे हों, औरत अगर ठान ले तो अपनी राह खुद बना सकती है। आज रेणु का सपना अभी अधूरा है, लेकिन उसकी कोशिशें जारी हैं। गांव की औरतें अब उससे सीखना चाहती हैं, अपनी बेटियों को उसकी तरह बनने की प्रेरणा देना चाहती हैं। शायद यही असली जीत है जब एक औरत की कहानी किसी और की हिम्मत बन जाती है। नाथवाना की यह कहानी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि बदलाव हमेशा बड़े शहरों से नहीं आता। कभी-कभी वह किसी मिट्टी के घर में, एक पुरानी सिलाई मशीन के पास बैठी किसी लड़की की आंखों में पलता है। वह लड़की, जो भले ही गरीब हो, लेकिन सपनों से अमीर है। रेणु जैसी महिलाएं हमें सिखाती हैं कि उम्मीद की डोर कभी टूटती नहीं बस उसे थामे रहना होता है, चाहे समाज कुछ भी कहे।

देश दुनिया से

समय लिखेगा समाज का भी अपराध

विश्वास नहीं होता कि आज के युग में भी समाज की ऊंच-नीच की सोच इतनी अमानवीय व घिनौनी हो सकती है कि 12 वर्ष का बालक आहत होकर अपना जीवन समाप्त कर लेता है। मीडिया में चल रही यह खबर व चर्चा यदि सत्य है, तो रूढ़ समाज का यह चेहरा मन को क्षुब्ध व हृदय को द्रवित करने वाला है जो भीतर तक झकझोर देता है। इतना झकझोर देता है कि यदि भगवान मुझे श्राप देने की ताकत अता करे, तो ऐसे समाज को एक बार नहीं, कई बार राष्ट्रकवि दिनकर जी की पंक्तियों का उद्घोष कर श्रापित करता रहूं- 'नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।' धिक्कार है ऐसे समाज पर जो ऊंच-नीच की ऐसी जंजीरों में जकड़ा है जो इनसानियत का गला घोंटने से नहीं कतराती। उस 12 वर्ष के मासूम को अभी यह भी अहसास नहीं हुआ होगा कि हमारे रूढ़ समाज में अनुसूचित जाति के क्या मायने होते हैं। उसे क्या मालूम था कि अनुसूचित जाति में जन्म लेना उसका ऐसा गुनाह बन जाएगा, जो उसने किया ही नहीं। चांद को फतह करने की बातें करने वाले समाज में ऊंच-नीच की दीवार कितनी घिनौनी है। उस बच्चे को गौशाला में डाल देना और उसे इतना प्रताड़ित करना कि आहत होकर वह खुद को खत्म कर ले, तो यह कानूनन अपराध की श्रेणी में ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति घोर पाप की श्रेणी में आता है। गजब की सोच ये कि बकरा लेकर उस बच्चे द्वारा छुआ घर शुद्ध हो जाएगा। इसी बीच कुल्लू में एक तहसीलदार के साथ देव शिविर के दौरान हुई घटना चर्चा व खबरों में है। आपको याद होगा 2019 में बंजार के थाटीबीड़ के फागली उत्सव में अंधविश्वास के चलते उपस्थित देव भक्तों ने एक अनुसूचित जाति के युवक व उसके दोस्तों की पिटाई कर दी। बात ये हुई कि देव कारकूनों द्वारा फेंके गए फूल इस युवक के हाथ में आ गए थे। पिटाई के बाद पिटे युवकों को जान बचाने के लिए फंट (दंड) के तौर पर 5100 रुपए देवता जी के मंदिर को देने पड़े। वर्ष 2019 में ही एक बेहद शर्मनाक घटना में हिमाचल के मंडी जिले में करीब 80 साल की एक दिवंगत पूर्व सैनिक की बुजुर्ग पत्नी को धर्म के ठेकेदारों ने गले में जूतों की माला पहनाकर और उसके चेहरे पर कालिख पोत कर सडक़ पर देवता के रथ के आगे घसीटा। क्रूरता की तमाम हदों को लांघते हुए बुजुर्ग महिला के केश भी काट डाले गए। ये घटनाएं केवल देवभूमि को कलंकित ही कर रही हैं। ये जाहिर करती हैं कि भले ही भौतिक रूप से हमारे समाज ने उन्नति की है, परंतु रूढ़िवादिता आज भी हमारी मानसिकता में घर बनाए हुए है। जब तक हम ऐसी दकियानूसी सोच के दायरों से बाहर

मीडिया में चल रही यह खबर व चर्चा यदि सत्य है, तो रूढ़ समाज का यह चेहरा मन को क्षुब्ध व हृदय को द्रवित करने वाला है जो भीतर तक झकझोर देता है। इतना झकझोर देता है कि यदि भगवान मुझे श्राप देने की ताकत अता करे, तो ऐसे समाज को एक बार नहीं, कई बार राष्ट्रकवि दिनकर जी की पंक्तियों का उद्घोष कर श्रापित करता रहूं- 'नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।' धिक्कार है ऐसे समाज पर जो ऊंच-नीच की ऐसी जंजीरों में जकड़ा है जो इनसानियत का गला घोंटने से नहीं कतराती। उस 12 वर्ष के मासूम को अभी यह भी अहसास नहीं हुआ होगा कि हमारे रूढ़ समाज में अनुसूचित जाति के क्या मायने होते हैं। उसे क्या मालूम था कि अनुसूचित जाति में जन्म लेना उसका ऐसा गुनाह बन जाएगा, जो उसने किया ही नहीं। चांद को फतह करने की बातें करने वाले समाज में ऊंच-नीच की दीवार कितनी घिनौनी है।

नहीं आएंगे, तब तक हम कभी लिंग के आधार पर सबरीमाला जैसी जगहों पर लड़ेंगे, कभी जाति के नाम पर किसी मंदिर में फूलों पर लड़ते रहेंगे और कभी छुआछूत के आधार पर कोई और आत्महत्या करने पर मजबूर होगा। ये बात समझना इतना मुश्किल नहीं है कि सभी इनसान ईश्वर या खुदा के अक्स हैं। तुलसी रचित रामायण में जब श्री रामचंद्र जी शबरी की कुटिया में पधारे, तो शबरी ने उनसे पूछा- केहि विधि स्तुति करौं तुम्हारी, अधम जाति मैं जड़मति भारी, अर्थात में नीच जाति की बुद्धिहीन आपकी किस तरह से स्तुति करूं। तब शबरी के प्रेमभाव को देख कर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी ने बड़े प्रेम से उसके अतिथि सत्कार को स्वीकार किया था और उसकी जाति की ओर ध्यान न देते हुए उसके द्वारा दिए गए फलों को भी खाया। यहां तक कि उन्होंने शबरी के प्रेमपूर्वक दिए जूठे बैरों को भी खा लिया था। उन्होंने शबरी को 'सिद्धासिद्ध' और 'तपोधना' कह कर सम्मानित भी किया था। शबरी का सम्मान कर प्रभु ने सारी मानवता को यह संदेश दिया है कि मनुष्य अपनी जाति, रंग व रूप से महान नहीं होता अपितु अपने कर्म से महान होता है। क्या कभी किसी ने देखा है कि सूर्य की किरणें किसी पर मद्धम और किसी पर तेज पड़ती हैं और वर्षा की बूंदें किसी को छोड़ कर किसी पर बरसती हैं। ये चांद, ये तारे, ये शाखें, ये परिंदे, ये नीला आकाश, ये हवा, ये पानी- कोई भी तो भेदभाव नहीं करते। चांद का कोई मजहब नहीं। ईद भी उसकी मनाई जाती है और करवा चौथ भी। जीओ, रिलायंस, वोडाफोन, बीएसएनएल, एयरटैल- कोई ऐसा नैटवर्क नहीं जो किसी वर्ग या जाति विशेष के लिए बढिया चलता है और किसी के लिये घटिया सिगनल देता है या किसी वर्ग या धर्म के लिए रुक जाता है। हमें न खुदा ने बांटा, न प्रकृति ने बांटा है, तो इनसान ने इनसान को क्यों बांट रखा है? इनसान की एक ही जाति है और वो है इनसानियत। इनसान का एक ही धर्म है और वो है प्रेम। कबीर जी कहते हैं- अव्वल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत दे सब बन्दे, एक नूर ते सब जग उपजया कौन भले कौ मंदे। उर्दू शायर इकबाल ने बहुत ख़ूब कहा है- मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना। सद्भाव सभ्यताओं को जोड़ता है और मजबूत राष्ट्र को बनाता है। जाति, वर्ण, रंग, धर्म कोई भी हो, वो एक दूसरे से न निम्न हैं न एक दूसरे से ऊपर। एक सभ्य समाज में किसी को हक नहीं कि वह जाति, धर्म और रंग के आधार पर किसी का हक छीनें या किसी को अपमानित करे। ये सभी धर्मों के उसूलों के विरुद्ध है। न धर्म टकराते हैं, न जाति, न रंग। इंद्रधनुष इसलिए सुंदर और दिलकश लगता है क्योंकि उसमें सात रंगों का अनूठा संगम है। हमारा संसार तभी सुंदर लगेगा अगर यहां विभिन्न जाति, रंग व धर्म के लोग भ्रातृभाव से रहें। हो सकता है समाज के ठेकेदारों को ये बात हजम न हो, परंतु ऐसी रूढ़िवादी सोच समाज में भ्रातृभाव नहीं, बल्कि वैमनस्य फैलाती है। बंटते-बंटते समाज कटता जाएगा। बंटा हुआ व कटा हुआ समाज कभी सशक्त नहीं, बल्कि क्षीण राष्ट्र का ही निर्माण कर सकता है।

आप का नजरिया

ठंड की कीलें

कल तक बरसात ने जिस पानी को जख्म बनाया था, आज वही बादल, सर्द हवाएं और बर्फ की झीनी चादर सी बनकर तन गए। फिर कहीं ठहर गया नीला आकाश, रुक गए सूरज के घोड़े और धूप की इज्जत पर डाके ऐसे कि किसान अपनी तैयार फसल के आंसू देखने लगा। कहीं सेब के अपने आर्थिक चरण पर मौसम ने बुरी खबर दे दी, तो सब्जियों के बीज धरती से पनाह मांगने लगे। यह मौसम इतना अच्छा तो नहीं कि रजाई तानकर सो जाएं या प्रदेश नई तैयारियों में पुराने पोशाक पहनकर सुरक्षित होने का भ्रम पाल ले। सर्दी की ये फुहारें भी कम कष्टप्रद नहीं, फिर कहीं ढहने लगा उम्मीदों का सफर। कबाइली इलाके समय से पहले और माकूल इंतजाम करने से महरूम, लुढक़ते तापमान को कोसें या शिद्दत से फिर जीवन को ठंड की कीलों में चुनें। अभी तो सूरज ने बारिश को अलविदा कह कर, एक आश्वासन दिया था। विश्वास खेत और बागीचों में लौट रहा था। कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में टमाटर ने विश्वास दिलाया था कि सारी सब्जी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास कि बादल अनुशासनहीनता पर उतर आए। कुल 15580.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अगर पेड़ ही पेड़ हैं, तो इनसान के घोंसले में सुकून क्यों नहीं। जिंदगी के विराम को तोडऩे के लिए हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य को खुशहाली का मौसम चाहिए। विडंबना यह कि अब मौसम और सुकून के बीच सारा संतुलन बिगड़ गया है। सुरक्षित जीवन की छतरियां एक-एक करके टूट रही हैं। टूट रहे हैं मुआवजे और केंद्र से राहत के पैगाम। आश्चर्य यह कि पर्वत के पिघलने पर भी देश का दिल नहीं पिघलता और अगर 1500 करोड़ की फौरी राहत की घोषणा होती भी है, तो उसका अवतार धरती पर नहीं उतरता। सराज की तहस-नहस सूरत में इल्जाम किसे दें, टूटे चूल्हे पे पक रही खिचड़ी का ईनाम किसे दें। हिमाचल का वजूद एक तरफ, लेकिन इसमें भी राजनीति को अपने अस्तित्व की चिंता है। अगर बाढ़ त्रासदी से अब सर्द त्रासदी तक के आरोपों को निचोड़ दें, तो सियासत की बाढ़ से प्रदेश को बचने की चुनौती है। अब राजनीति में यह सामर्थ्य नहीं कि ईमानदारी से प्रदेश के भविष्य के लिए दीर्घकालीन योजनाएं चुन पाएं। हर सरकार अपने पांच साल बचाने की कोशिश में कुछ सियासी परचम, कुछ पसंद और कुछ पैमाने चुन लेती है, जबकि समस्याएं दीर्घकालीन होती जा रही हैं। अगर अब बाढ़ें आ रही हैं तो यह मौजूदा वक्त का प्रकोप नहीं, पिछले कई दशकों का खोट है। क्या हम मौसम की चुनौतियों को पढ़ कर अपने विकास और भविष्य पर केंद्रित कुछ प्राथमिकताएं तय कर पाए। कहां घर, कहां खेत और कहां बागीचा बचेगा, क्या यह तय कर पाए। क्या हमारे कृषि-बागबानी विभाग तथा संबंधित विश्वविद्यालय मौसम से जूझते मंजर पर अपना अनुसंधान लिख पाए। कब तक हम मौसम की खबर में लिखते रहेंगे कि पारा दस या ग्यारह डिग्री गिर गया। कब तक अटन टनल की बर्फबारी हमारे परिदृश्य की बड़ी खबर होगी या हम खुद से पूछते रहेंगे आज कहां का सफर और कहां की सडक़ बंद रहेगी। शून्य होते तापमान में इनसान की शून्यता का इजहार होता है, हर बूंद का अपना इकरार भी होता है, लेकिन देश को इन परिस्थितियों में अपने इंसाफ का पैमाना भरना होगा, वरना पहाड़ी जीवन हमेशा मौसम के पिंजरे में यूं ही चीखता रहेगा।

सर्दी की ये फुहारें भी कम कष्टप्रद नहीं, फिर कहीं ढहने लगा उम्मीदों का सफर। कबाइली इलाके समय से पहले और माकूल इंतजाम करने से महरूम, लुढक़ते तापमान को कोसें या शिद्दत से फिर जीवन को ठंड की कीलों में चुनें। अभी तो सूरज ने बारिश को अलविदा कह कर, एक आश्वासन दिया था। विश्वास खेत और बागीचों में लौट रहा था। कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में टमाटर ने विश्वास दिलाया था कि सारी सब्जी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास कि बादल अनुशासनहीनता पर उतर आए। कुल 15580.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अगर पेड़ ही पेड़ हैं, तो इनसान के घोंसले में सुकून क्यों नहीं। जिंदगी के विराम को तोडऩे के लिए हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य को खुशहाली का मौसम चाहिए। विडंबना यह कि अब मौसम और सुकून के बीच सारा संतुलन बिगड़ गया है। सुरक्षित जीवन की छतरियां एक-एक करके टूट रही हैं। टूट रहे हैं मुआवजे और केंद्र से राहत के पैगाम। आश्चर्य यह कि पर्वत के पिघलने पर भी देश का दिल नहीं पिघलता और अगर 1500 करोड़ की फौरी राहत की घोषणा होती भी है, तो उसका अवतार धरती पर नहीं उतरता। सराज की तहस-नहस सूरत में इल्जाम किसे दें, टूटे चूल्हे पे पक रही खिचड़ी का ईनाम किसे दें।

दृष्टि कोण

निराशावाद का हल है गीता ज्ञान

आज कल मनोवैज्ञानिक इस बात को लेकर बहुत चिंतित हैं कि देश में हर उम्र के लोग और खास तौर पर हमारी युवा पीढ़ी निराशावाद का शिकार हो रहे हैं। मनुष्य क्यों निराशावादी हो जाता है, यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है। क्या उसके जीवन की परिस्थितियां उसको निराशावादी बना देती हैं या फिर इसके पीछे अन्य कारण हैं। सबसे पहले देखें कि एक निराशावादी व्यक्ति की पहचान क्या होती है। मनोवैज्ञानिक इसके कुछ लक्षण बताते हैं। निराशावादी को हर काम मुश्किल लगता है। कोई भी काम शुरू करने से पहले ही निराशावादी खुद को असफल मान लेते हैं। निराशावादी को दुनिया बहुत खराब और दुश्मन लगती है। उनकी बातों में कभी किसी की तारीफ नहीं होती, ये दूसरों की असफलताओं पर बहुत चर्चा करते हैं। आप इनको कितने भी अच्छे अवसर दे दो, खुश होने के, ये उसमें भी कुछ बुरा ढूंढ लेते हैं। इनके अंदर एक भय हमेशा रहता है। ये जब भी बात करते हैं तो उन बातों में आपको दुख, भय, हार, जीवन के प्रति निराशा, अपनों के लिए शिकायतें ही मिलेंगी, निराशावादी हमेशा सुरक्षित रहना और आराम करना पसंद करते हैं। इनको कुछ भी करने का मन नहीं करता, और आलस इनकी दिनचर्या को खराब करने लगता है। ये मानसिक रूप से कमजोर होते हैं और इनको हर काम कठिन लगता है। इनमें दृढ़ संकल्प की कमी होती है। क्या आपमें भी ऐसा होता है? निराशावाद क्यों पैदा होता है? मनोविज्ञानी बताते हैं कि जब-जब व्यक्ति झूठी आशा करेगा, निराशा हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति किस्मत के भरोसे जिएगा, उसे निराशा हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति दूसरों के सहारे जिएगा, उसे निराशा

हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति हर मुसीबत में हाथ फैलाएगा, उसे निराशा हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति सोच का दायरा सीमित रखेगा, उसे निराशा हाथ लगेगी। इन चीजों को दूर करना जरूरी है। निराशावाद का उपयुक्त जवाब आशावाद है। निराशावादी व्यक्ति हर कदम पर निराश होने की वजह खोज सकता है, और हर आशावादी व्यक्ति बड़ी से बड़ी मुसीबत में, नाउम्मीदी में भी उम्मीद की किरण खोज सकता है। एक आशावादी इनसान अपनी आशाओं के साथ सोता है और नई आशाओं के साथ सुबह जगता है क्योंकि उसे अपनी बहुत सारी आशाओं को पूरी होने की उम्मीद है। दूसरी तरफ निराशावादी इनसान अपने आप को एक जगह स्थिर कर अपना सब कुछ खत्म कर बैठता है, उसे किसी से कोई उम्मीद नहीं है। आशावादी इनसान अपनी आशाओं के अनुसार कुछ न कुछ (कर्म) करता हुआ रहता है। उसकी कुछ आशा पूरी होती जाती हैं और कुछ नई आशाओं का आगमन होता जाता है। कुल मिलाकर ऐसा व्यक्ति आगे बढ़ता हुआ रहता है लेकिन निराशावादी इनसान कुछ भी (कर्म) नहीं करता है, क्योंकि उसे उम्मीद ही नहीं है और जो इनसान कुछ भी नहीं करने की सोचता है, आगे बढऩा तो दूर, विपरीत दिशा में गतिमान रहता है। एक निराशावादी को हर अवसर में कठिनाई दिखाई देती है और एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है। गीता ज्ञान निराशावाद को आशावाद में बदलने का अचूक अस्त्र है। गीता, कुरुक्षेत्र युद्ध शुरू होने से पहले भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच होने वाला पथप्रदर्शक वार्तालाप है। भगवान कृष्ण की शिक्षाओं ने जीवन के बारे में अर्जुन के दृष्टिकोण को बदलने में मदद की। जब इनसान को चारों तरफ हताशा और निराशा नजर आती है, तो उसे श्रीमद्भगवद्गीता पढऩे की सलाह दी जाती है। गीता में जीवन का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। जो इनसान इसे अच्छी तरह से पढक़र अपने जीवन में अनुसरण करता है, उसे किसी भी प्रकार का दुख-दर्द नहीं सताता है। गीता के उपदेश जितने प्रासंगिक महाभारत काल में थे, उतने ही आज भी हैं। यह इनसान के मार्गदर्शक का काम करता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भा–गीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द–गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ–बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जी–वनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार–ही–प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिला–कर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली–भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं– लेकिन अपने साथी को छो–टी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 अक्टूबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 10:56 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 08:03 तक
योग : वज्र रात्रि 09:32 तक
करण : वणिज दोपहर 12:39 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 01:29 तक
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:58 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 05:50 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कार्तिक मासे दीप–दानम् ,
भद्रा दोपहर 12:38 से रात्रि 10:55 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गुजरात और राजस्थान मिलकर सशक्त औद्योगिक कॉरिडोर का कर रहे निर्माण : भजनलाल

सूरत/जयपुर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धियां राज्य के लोगों, विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि (सूरत) के साथ ही अपनी मातृभूमि (राजस्थान) के विकास में भी योगदान दें। शर्मा बुधवार को गुजरात के सूरत में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुजरात और राजस्थान का संबंध केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों राज्यों के बीच रत्न एवं आभूषण, फार्मा, वस्त्र उद्योग और राज्य में प्रस्तावित पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के साथ साथ सांस्कृतिक, सामाजिक सहयोग की भी अपार संभावनाएं हैं। राजस्थान को

मिलकर बनाएं 'जेम्स एण्ड ज्वेलरी हब'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरत और राजस्थान उद्यमिता, सृजनशीलता और धैर्य की साझा भावना से जुड़े हैं। सूरत हीरे की कटाई और सिंथेटिक टेक्सटाइल्स के लिए विश्व प्रसिद्ध है, वहीं राजस्थान रंगीन पत्थरों, कुंदन, मीनाकारी, वस्त्र और रत्नों के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर राजस्थान को विश्व का 'जेम्स एंड ज्वेलरी हब' बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। शर्मा ने 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस में प्रवासी राजस्थानियों को बड़ी संख्या में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि देश के बड़े उद्योगपतियों में प्रवासी राजस्थानी शामिल हैं, जो हमारे गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विज्ञान, व्यवसाय, कला, खेल, साहित्य, सिनेमा, संगीत और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में दिसम्बर में पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी की शुरुआत करने जा रही है। इसके साथ ही हमारी सरकार निवेशकों को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और डेटा सेंटर्स स्थापित करने में हर संभव सहयोग देगी। उन्होंने उद्यमियों और निवेशकों को आईटी, फार्मा, टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी, ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, पर्यटन और खनन जैसे क्षेत्रों में निवेश करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों के साथ संबंध मजबूत करने के लिए एक संस्थागत ढांचा तैयार किया है। वर्तमान में राजस्थान फाउंडेशन के 26 चैप्टर्स देश और विदेश में सक्रिय हैं। ये चैप्टर्स प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ सार्थक संवाद, सहयोग और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक समर्पित विभाग भी स्थापित करने जा रही है। इस पहल का उद्देश्य राजस्थान के वैश्विक प्रवासी समुदाय को राज्य के विकास में सहभागी बनाना और 'विकसित राजस्थान 2047' के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। राज्य सरकार के प्रयासों से राजस्थान देश के सबसे अधिक निवेश–अनुकूल और प्रगतिशील राज्यों में शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 7 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य की निवेश–अनुकूल नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने 20 से अधिक नई नीतियां लागू तथा संशोधित की हैं, जिससे एक प्रगतिशील व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स) 2024 के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 1400 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी निवेशकों को दी गई है, जिससे निवेश के नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पहलों ने राजस्थान में उद्योग स्थापित करना और निवेश करना न केवल पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है, बल्कि नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के अनेक नए द्वार भी खोले हैं।

बिलौना कला में एक ही रात दो मकानों में चोरी

लालसोट, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। उपखंड क्षेत्र के बिलौना कला ग्राम की पातलवास्या ढाणी में मंगलवार रात अज्ञात चोरों ने एक ही मकान में रामभजन मीणा तथा चतुर्भुज मीणा के कमरों के ताले तोड़ कर लाखों रुपयों के सामन की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित परिवार के पुण्या तथा राकेश ने जानकारी देते बताया कि अलग–अलग कमरों में ताले तोड़कर करीब 8 लाख रुपये के सामान की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बुधवार सुबह लोगों को कमरा बंद मिला तो शक होने पर आसपास के लोगों ने आवाज लगाई। परिवार के सदस्यों ने बाहर से कुंडी खोली, तब जाकर चोरी का पता चला।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित पुन्या ने बताया कि वे लोग बाहर के कमरे में सो रहे थे। रात में चोरों ने कमरे के बाहर कुंडी लगा दी और अंदर घुसकर ताले तोड़ दिए। घर से करीब 70 हजार नकद और सोने–चांदी के जेवरात सहित लगभग ₹5 लाख का सामान चोरी हो गया। इसमें 500 ग्राम चांदी, सोने की चूड़ियां, चैन, अंगूठी, मंगलसूत्र आदि शामिल हैं।

वहीं, दूसरे पीड़ित राकेश मीणा ने बताया कि उनके मकान में भी चोरों ने ताले तोड़कर ₹60 हजार नकद और सोने की चेन, चूड़ियां व हार चोरी कर लिया। करीब ₹4 लाख का नुकसान हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही मंडावरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने चोरी की बढ़ती वारदातों पर चिंता जताते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई और चोरी का माल शीघ्र बरामद करने की मांग की है।

पुलिस के रघुवीर सिंह ने जानकारी देते बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची है पीड़ितों ने सोनेचादी के आभूषण तथा नकदी चोरी की जानकारी दी है। अभी तक पीड़ितों ने पुलिस में मामला दर्ज नहीं कराया है ।

ममता हत्याकांड का 12 घंटे में खुलासा : भतीजे ने ही की थी चाची की निर्मम हत्या

बाड़मेर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस थाना सेड़वा हल्का क्षेत्र के गांव भंवार में 6 अक्टूबर को हुई एक महिला की निर्मम हत्या के मामले में बाड़मेर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह जघन्य अपराध मृतका के भतीजे ने ही अंजाम दिया था। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि 06 अक्टूबर की शाम करीब 5:50 बजे पुलिस थाना सेड़वा को सूचना मिली कि भंवार की सुथारों की ढाणी में ममता पत्नी बींजराम सुथार (40) की लहूलुहान अवस्था में संदिग्ध मौत हो गई है।

सूचना मिलते ही एसपी मीना स्वयं तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और तत्काल एफएसएल, एमओबी और डॉग स्क्वायड की टीमों को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए। वारदात की गंभीरता को देखते हुए सीओ चौहटन मदन सिंह के नेतृत्व में सेड़वा, धनाउ, बाखासर और डीएसटी की

विशेष टीमों का गठन किया गया।

पुलिस की विशेष टीमों ने आधुनिक और पारंपरिक पुलिसिंग, तकनीकी आधार और गहन पूछताछ का सहारा लेते हुए जाँच शुरू की जांच में मृतका के निकट पड़ोसी या रिश्तेदार पर शक गहराया। अंततः मृतक के रिश्ते में भतीजे मदन लाल पुत्र आम्बा राम सुथार (24) निवासी भंवार की गतिविधियां संदिग्ध पाए जाने पर उससे सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में मदनलाल ने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

आरोपी मदनलाल ने बताया कि घटना वाले दिन वह डिश सही करने के बहाने ममता के घर गया महिला को घर में अकेला पाकर उसने जबरदस्ती अवैध संबंध बनाने की कोशिश की महिला ने इसका कड़ा विरोध किया और जोर से चिल्लाने लगी। इस पर आवेश में आकर मदनलाल ने कमरे में रखे क्रिकेट बैट से ममता के सिर पर कई वार किए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

आरोपी ने घटना के बाद खून से सने कपड़े बदले और पुलिस की कार्रवाई के दौरान भी ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पर मौजूद रहकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यूथ कांग्रेस ने निकाला 'आई लव अंबेडकर' मार्च

गुरुग्राम, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश यूथ कांग्रेस की ओर से गुरुग्राम के भीम नगर चौक से 'आई लव अंबेडकर' पैदल मार्च निकाला गया। मार्च शहर के द्रोणाचार्य राजकीय कालेज पर संपन्न हुआ। मार्च के माध्यम से पार्टी ने भाजपा सरकार के शासन में दलितों पर हो रहे हमलों और देश के संविधान के साथ हो रहे खिलवाड़ के खिलाफ अपनी गहरी चिंता और रोष व्यक्त किया। यह मार्च हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया के नेतृत्व में निकला गया। मार्च के दौरान हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने युवाओं और आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में संविधान की मूल भावना और समाज में समानता की स्थापना को गंभीर खतरा है। निशित कटारिया ने कहा कि केवल दलित समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सुरक्षा और न्यायपालिका भी खतरे में हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि हाल ही में देश के मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले ने इस बात को और स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र और संविधान पर प्रत्यक्ष खतरा मंडरा रहा है। मार्च के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व यूथ कांग्रेस के हरियाणा प्रभारी सत्यवान गहलोत ने युवाओं और आमजन को प्रेरित किया कि वे संविधान और समाज में समानता की रक्षा के लिए सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग ही समाज में बदलाव लाने की सबसे बड़ी ताकत है और इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आना होगा।

यूथ कांग्रेस की हरियाणा सह प्रभारी प्रियंका चांडिलिया व मीमांसा आर्य ने अपने संबोधन में भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केवल सत्ता पर कब्जा करने की राजनीति में संविधान और न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसी तरह संविधान और न्यायपालिका पर हमले जारी रहे तो लोकतंत्र की नींव हिल सकती है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने सुनीं जनसमस्याएं

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के चंडीगढ़ स्थित आवास पर आज बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी–अपनी समस्याएं व शिकायतें उनके समक्ष रखीं। उन्होंने हर व्यक्ति की बात गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रदेशभर से आए लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं, सरकारी योजनाओं के लाभ, बिजली–पानी की व्यवस्था, शिक्षा, रोजगार और स्थानीय विकास कार्यों से संबंधित अपनी शिकायतें रखीं। स्वास्थ्य मंत्री ने धैर्यपूर्वक सभी की समस्याएं सुनीं और आश्वासन दिया कि उनका समाधान शीघ्र किया जाएगा। इस मौके पर आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक तक योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुँचे। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर और जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सरल ढंग से मिलना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जनसुनवाई सरकार और जनता के बीच संवाद को मजबूत करती है तथा आम लोगों की वास्तविक समस्याओं की पहचान कर उन्हें हल करने का अवसर देती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार निरंतर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करती रहेगी।

68वीं राष्ट्रमंडल संसदीय संघ कांफ्रेंस में हरियाणा विधानसभा का प्रतिनिधित्व

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की 68वीं कांफ्रेंस का भव्य उद्घाटन मंगलवार देर शाम हुआ। उद्घाटन सत्र में बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मॉटली तथा हाउस ऑफ असेंबली के स्पीकर आर्थर ई. होल्डर ने सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। गौरतलब है कि भारत का प्रतिनिधिमंडल लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में सम्मेलन में भाग ले रहा है, जिसमें हरियाणा के शिष्टमंडल का नेतृत्व विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण कर रहे हैं। इस दौरान बारबाडोस का राष्ट्रीय गान, प्रार्थना और 'सेलिब्रेशन ऑफ रिदम्स' के माध्यम से स्थानीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की गई। बारबाडोस की राष्ट्रपति डेम सैंड्रा मेसन ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में हरियाणा विधान सभा का शिष्टमंडल सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के नेतृत्व में इस शिष्टमंडल में विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा, विधायक योगेंद्र राणा, विधान सभा सचिव राजीव प्रसाद तथा दो वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यह सम्मेलन राष्ट्रमंडल देशों के लोकतांत्रिक संस्थानों की मजबूती की दिशा में बड़ा प्रयास है। इस सम्मेलन में सभी प्रतिभागियों को समुचित मार्गदर्शन मिल रहा है, जिसका सभी संसदीय संस्थानों को लाभ होगा।

जापान की डाइकिन कंपनी करेगी हरियाणा में 1000 करोड़ का निवेश

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार और जापान की प्रसिद्ध कंपनी डाइकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बीच बुधवार को ओसाका में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत डाइकिन कंपनी हरियाणा में 1000 करोड़ रुपये के निवेश से एक नया रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर स्थापित करेगी। युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विदेशी निवेश को आकर्षित करने और हरियाणा में वैश्विक औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान दौरे पर है। इस दौरान आज मुख्यमंत्री की उपस्थिति में ओसाका स्थित डाइकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आरएंडडी सेंटर में एमओयू किया गया। एमओयू पर हरियाणा की ओर से उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल और डाइकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड की ओर से शोगो एंडो उप प्रबंध निदेशक ने हस्ताक्षर किए।

प्रतिनिधिमंडल में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. यश गर्ग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। एमओयू के अंतर्गत डाइकिन कंपनी हरियाणा में नवाचार एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक नया रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर स्थापित करेगी। यह नया केंद्र अत्याधुनिक तकनीकों के विकास और सतत औद्योगिक समाधानों पर केंद्रित होगा। इसके माध्यम से हरियाणा को वैश्विक स्तर पर अनुसंधान

एवं नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य में नवाचार, अनुसंधान और उन्नत विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। डाइकिन का यह निवेश न केवल रोजगार सृजन करेगा बल्कि हरियाणा को वैश्विक प्रौद्योगिकी नेटवर्क से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस साझेदारी से न केवल राज्य की औद्योगिक क्षमता को मजबूती मिलेगी, बल्कि हरियाणा को एक ग्लोबल इनोवेशन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में भी मदद मिलेगी। डाइकिन के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में स्थापित होने वाला यह आरएंडडी सेंटर कंपनी का एक प्रमुख अनुसंधान केंद्र होगा। इससे हरियाणा और जापान के बीच द्विपक्षीय संबंधों और व्यापारिक गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

सपा प्रमुख के रामपुर जाने पर राजभर ने किया कटाक्ष

आजम-शिवपाल खेल न करें इसी डर से गए अखिलेश

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। 23 महीने जेल में बंद रहने के दौरान पूर्व मंत्री आजम खां से एक बार भी मिलने नहीं गए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की रामपुर यात्रा पर सियासत गरमा गई है। दोनों नेताओं की बुधवार को हुई मुलाकात पर भाजपा और सहयोगी दल के नेताओं ने सपा अध्यक्ष पर तीखा हमला बोला है। पंचायती राज मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि दरअसल अखिलेश को यह डर सता रहा था कि चाचा शिवपाल और आजम खां मिलकर कहीं उनके खिलाफ कोई खेल न कर दें। सपा अध्यक्ष को यह भी डर है कि दोनों मिलकर सपा को तोड़ न दें। आजम खां से मिलने के लिए अखिलेश के रामपुर पहुंचने पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा कि 23 महीने तक जेल में मिलने से परहेज करने वाले अखिलेश का आजम के दरवाजे जाना राजनीतिक मजबूरी है।

उन्होंने कहा इससे यह भी साफ हो गया है कि आजम की हनक अभी बरकरार है। अखिलेश का उनके दरवाजे तक जाना इसका सबूत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आजम की शर्त थी कि अखिलेश उनकी देहरी पर आएं।

वहीं, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि 23 महीने तक जेल में रहे आज़म की सुध नहीं लिया और अब 'घड़ियालू आंसू' बहाने रामपुर पहुंचे हैं। यह उनकी मुस्लिम वोटबैंक को साधने की सियासी मजबूरी है। जेपीएस ने कहा कि सपा अध्यक्ष ने रामपुर में आज़म का विकल्प खड़ा कर उनकी राजनीति खत्म करने की कोशिश की। अखिलेश को आज़म से लगाव नहीं है, बल्कि उनकी एकमात्र चिंता वोटबैंक है।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि अगर अखिलेश को आज़म की चिंता होती, तो जमानत के तुरंत बाद मिलने जाते। अब वोटबैंक खिसकने का डर उन्हें रामपुर खींच ले गया। वहीं, राज्यमंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने कहा कि अखिलेश का रामपुर जाना महज मुसलमानों को गुमराह करने की सियासी चाल है। दानिश ने दावा किया कि अखिलेश और आज़म के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। आज़म खान जेल में वर्षों रहे, लेकिन अखिलेश कभी उनसे मिलने नहीं गए। अब आगे बिहार और फिर यूपी के विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए अखिलेश मुसलमानों को गुमराह करने के लिए यह ढोंग कर रहे हैं।

देव दीपावली से पहले काशी में हेलिकॉप्टर सेवा, नमो घाट से होगी उड़ान

आसमान से दिखेंगे घाट

वाराणसी, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। काशी के घाटों, मंदिरों और गंगा आरती का नजारा अब आसमान से भी देखने को मिलेगा। देव दीपावली से पहले वाराणसी में पर्यटकों, श्रद्धालुओं के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो जाएगी। सर्वे, सुरक्षा सहित परीक्षण के दूसरे काम पूरे हो गए हैं।

हेलिकॉप्टर सेवा शुरू करने वाली कंपनी के अफसरों ने मंजूरी के लिए बाबतपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी से संपर्क कर सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। इस सेवा के तहत श्रद्धालु और पर्यटक 7-8 मिनट की हवाई यात्रा में काशी के प्रमुख स्थलों के अद्भुत दर्शन कर सकेंगे।

कंपनी के एक अफसर के अनुसार नमो घाट पर बने हेलिपैड से उड़ान शुरू की जाएगी। यहां से तीन सीटर और छह-सीटर हेलिकॉप्टर उड़ान भरेंगे। करीब 7-8 मिनट की इस यात्रा में पर्यटक काशी के हवाई दर्शन कराएंगे। नमो घाट से श्री काशी विश्वनाथ धाम, मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र सहित सभी घाट, गोदौलिया क्षेत्र, चौक, काल भैरव मंदिर और रामनगर पुल दिखाए जाएंगे।

हेलिपैड के बाद एचटी लाइन सहित कुछ अन्य दिक्कतें थीं जिसे दूर कर लिया गया है। हेलिकॉप्टर संचालन का प्रस्ताव स्मार्ट सिटी, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग को दिया गया था। हरी झंडी मिलने के बाद इस दिशा में काम शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि हेलिकॉप्टर सेवा का किराया अभी नहीं तय किया गया है लेकिन बुकिंग ऑनलाइन ही होगी। इसी सप्ताह विभागीय अफसरों के साथ बैठक होगी। इसमें किराया तय कर उसकी घोषणा की जाएगी।

पर्यटन विभाग से जुड़े एक अफसर ने कहा कि यह पहल वाराणसी को 'स्काई टूरिज्म' के नए केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगी। इससे स्थानीय रोजगार और पर्यटन कारोबार को बड़ा लाभ मिलेगा।

मरकस वाली मस्जिद के पास जोरदार धमाका, आठ लोग घायल

कानपुर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। बुधवार शाम करीब 7:30 बजे मूलगंज थाना क्षेत्र के मिश्री बाजार में मरकस वाली मस्जिद के पास तेज धमाका होने से हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि 500 मीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी। अचानक हुए विस्फोट से बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए सड़क पर दौड़ पड़े।

धमाके की तीव्रता से आसपास की कई दुकानों और घरों की दीवारों में दरारें आ गईं। घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया है। धमाके की सूचना पर मूलगंज समेत कई थानों का फोर्स और बम स्क्वायड टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इलाके को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने कहा कि फॉरेंसिक टीम और बम डिस्पोजल स्क्वायड जांच कर रहे हैं, रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि धमाका कैसे हुआ।

मुजफ्फरनगर में बड़ी ठगी का भंडाफोड़

5000 लोगों से ठग लिए 123 करोड़ रुपये, तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर , 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। थाना पुरकाजी पुलिस ने ब्यूटी प्रोडेक्ट्स फर्म में निवेश के नाम पर ढाई गुना लाभ देने का लालच देकर पांच हजार लोगों से 123 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सामान व संपत्ति बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के ज्वालापुर में स्थित कार्यालय को सील किया है।

एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने पुलिस लाइन सभागार में बताया कि पुरकाजी के गांव खेड़की निवासी बीकॉम की शिक्षा प्राप्त अमित कुमार गौतम ने सेनेमी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड फर्म बनाकर लोगों से ठगी की। वह पहले एक कंपनी में काम करता था। वहां से नौकरी छोड़ने के बाद ढाई साल में उसने फर्म बनाकर पैसा जमा करने पर ढाई गुना लाभ होना बताकर लगभग पांच हजार लोगों की चेन बनाकर करोड़ों रुपये जमा कराए।

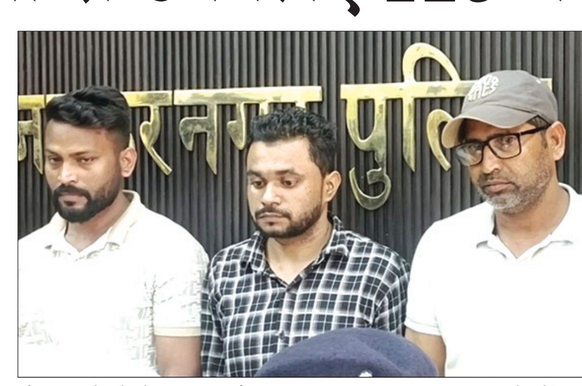

फर्म संचालक अमित कुमार व उसके साथी पुरकाजी के झोझगान निवासी डॉक्टर शादाब व सरफराज को पकड़ा गया। उसके खाते में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा ट्रांजेक्शन होना पाया है। उसके खिलाफ सिविल लाइन थाना व पुरकाजी थाने में तीन मुकदमे दर्ज हैं। इसके खिलाफ लगभग सौ लोगों ने शिकायत की है, जिन्हें मुकदमे में शामिल किया जा रहा है। आरोपियों के अन्य साथियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रेसवार्ता में सीओ सदर रवि शंकर मिश्रा व पुरकाजी थाना प्रभारी जयवीर भाटी भी मौजूद रहे।

अमित कुमार गौतम ने पुलिस को बताया कि उसने पत्नी वंदना के साथ मिलकर सेनेमी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड फर्म खोली थी। इसमें लोगों से 16 महीनों में पैसे ढाई गुना करने का लालच देकर करोड़ों रुपये जमा कराए। विश्वास के लिए उन्हें एक एग्रीमेंट साइन कर दिया गया। फर्म में रुपये जमा करने वाले को बताया गया कि यदि वह अन्य लोगों को फर्म से जोड़ते हैं तो उन्हें अतिरिक्त लाभ दिया जाएगा।

उनकी फर्म में सरफराज ने 17 करोड़ जमा किए थे। इसी तरह डॉक्टर शादाब ने कई करोड़ रुपये जमा किए।

उन्होंने अन्य लोगों के रुपये भी फर्म में जमा कराए तो दोनों को कंपनी में साझेदार बना लिया गया। कुल मिलाकर फर्म में 123 करोड़ से अधिक रुपये जमा कराए गए, जिससे संचालकों ने विभिन्न स्थानों पर संपत्ति खरीदी।

सेनेमी फर्म के नाम से कई मार्ट बनाए गए, जिनमें सेनेमी ब्रांड के नाम से ब्यूटी प्रोडेक्ट्स व अन्य घरेलू सामान बनवाकर बेचा गया।

आरोपियों ने ज्वालापुर हरिद्वार में एक मकान किराये पर लेकर एक वेयर हाउस बनाया था। विश्वास बनाये रखने के लिए लोगों को कुछ धनराशि वापस की गई, लेकिन बाद में देनदारी अधिक होने पर सभी ऑफिस, मार्ट व वेयर हाउस बंद कर दिए गए।

थाना पुरकाजी पुलिस ने ज्वालापुर हरिद्वार स्थित वेयर हाउस तथा आरोपी सरफराज के घर से सेनेमी ब्रांड के ब्यूटी प्रोडेक्ट्स एवं ऑफिस का सामान, फर्नीचर, एक लग्जरी कार बरामद की। ज्वालापुर में कार्यालय सील किया है। आरोपियों ने देहरादून आदि में प्लाट व मकान खरीदे हैं। उनका पता किया जा रहा है।

भूस्वामी को उच्चतम बाजार मूल्य पर मुआवजा पाने का अधिकार : हाईकोर्ट

प्रयागराज , 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अधिग्रहीत भूमि के लिए भूस्वामी उच्चतम बाजार मूल्य पर मुआवजा पाने का अधिकारी है। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण के एवज में मिलने वाले मुआवजे की राशि को 26624 रुपया प्रति बीघा से बढ़ाकर 3 लाख 41 हजार 2 सौ 40 रुपये प्रति बिस्वा कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने रूप नारायण और अन्य की अपील पर दिया है।

मिर्जापुर के नटवां गांव निवासी अपीलकर्ता रूप नारायण की छह बीघा 2 बिस्वा भूमि का उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के 220 केवी सब-स्टेशन के निर्माण के लिए अधिग्रहीत किया गया। कलेक्टर ने 28 सितंबर 1993 को 26,624 रुपया प्रति बीघा की दर से मुआवजा निर्धारित किया। साथ ही भूमि पर बने एक कुएं के लिए 3,076 रुपये, घर के लिए 13,600 रुपये और तीन आम व एक आंवला पेड़ के लिए 10,680 रुपये का मुआ-वजा तय किया था।

भूस्वामी ने इसे कम मानते हुए विशेष न्यायाधीश मिर्जापुर कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि विशेष न्यायालय ने 08 अगस्त 2007 के आदेश से मुआवजे को बरकरार रखा। भूस्वामी ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि भूस्वामी उच्चतम बाजार मूल्य को दर्शाने वाले बिक्री विलेख के आधार पर मुआवजा पाने का हकदार है।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद मेहरावल खेवाजी ट्रस्ट और मनोहर एवं अन्य में स्थापित सिद्धांत को दोहराया कि भूस्वामी अधिग्रहण के समय के आस-पास हुए विक्रय में दर्शाए गए उच्चतम मूल्य को पाने का हकदार है। न्यायालय ने अधिग्रहण के समय 34,125 रुपये प्रति बिस्वा की दर से चार बिस्सा बेची गई जमीन के विक्रय विलेख का संज्ञान लिया।

न्यायालय ने हॉरमल बनाम हरियाणा राज्य के मामले में दिए गए निर्णय का हवाला दिया कि जहां भूमि का लेनदेन छोटे क्षेत्र का है, वहां बड़े क्षेत्र के लिए मुआवजा निर्धारित करने के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत की कटौती की जा सकती है। ऐसे में कोर्ट ने अधिग्रहित भूमि का बड़ा क्षेत्र होने के चलते वास्तविक बाजार मूल्य 17,062.50 रुपया प्रति बिस्वा निर्धारित किया। इसके साथ ही कोर्ट ने अपील को स्वीकार करते हुए भूस्वामियों को अधिग्रहित भूमि के लिए 17,062.50 प्रति बिस्वा की दर से बढ़ा हुआ मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

सोनभद्र में झूठी आन के लिए हत्या

बहन ने प्रेमी संग भागकर रचाई शादी

भाइयों ने दोनों को मारकर जंगल में फेंका

सोनभद्र, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोनभद्र में झूठी आन के लिए हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घर से भागकर प्रेमी के साथ शादी रचाने से नाराज बिहार के पटना निवासी पांच भाइयों ने मिलकर बहन और उसके पति की साजिश के तहत हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों के शव को सोनभद्र के जंगलों में अलग-अलग स्थानों पर फेंक कर फरार हो गए थे। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन की तलाश कर की जा रही है। इस पूरे मामले में यूपी के अलावा गुजरात पुलिस भी छानबीन में जुटी थी। बता दें कि हाथीनाला थाना क्षेत्र के खोखा जंगल में गत 24 सितंबर को एक महिला का शव बरामद हुआ था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसके सिर में चोट के गहरे निशान मिले। हत्या का केस दर्ज कर पुलिस महिला की शिनाख्त में जुटी थी। इसी बीच गत छह अक्टूबर को हाथीनाला से आगे दुद्धी के रजखड़ घाटी के जंगल में एक युवक के शव का अवशेष (कंकाल) बरामद हुआ। शव को जंगली पशुओं ने नोच खाया था। हड्डियों के अवशेष ही बरामद हुए। डीएनए जांच में यह शव पटना जिले के नौबतपुर निवासी दुक्खन साव के होने की पुष्टि हुई। वहीं हाथीनाला से बरामद शव की पहचान उसकी पत्नी मुन्नी देवी के रूप में हुई। पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो पता चला कि दुक्खन के अपहरण का केस गुजरात में दर्ज है और वहां की पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

सोनभद्र एसपी अभिषेक वर्मा ने बुधवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि यह प्रकरण झूठी आन के लिए हत्या का है। दुक्खन गांव की ही मुन्नी को घर से भगाकर गुजरात ले गया था, जहां दोनों ने शादी कर ली थी। इस घटना से मुन्नी के घर वाले काफी क्षुब्ध थे। इसे अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर उन्होंने दोनों की हत्या की साजिश रची। इसी के तहत मुन्नी के एक भाई मुन्ना ने दोनों को धूमधाम से शादी कराने का झांसा देकर घर बुलाया।

अब नमो घाट पर सात अर्चक रोजाना उतारेंगे मां गंगा की आरती

हर दिन पहुंच रहे हजारों श्रद्धालु

वाराणसी, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। काशी की विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती का विस्तार अब नमो घाट पर हो गया है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से नमो घाट पर भी गंगा आरती का दैनिक आयोजन शुरू हो गया है। नियमित रूप से शाम को 6:45 बजे मां गंगा की आरती की शुरूआत हो रही है। रोजाना तीन हजार से अधिक श्रद्धालु गंगा आरती में शामिल हो रहे हैं।

नमो घाट पर सात अर्चकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती शुरू की।

आरती के दौरान घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण हर-हर गंगे के जयघोष से गूंज उठा।

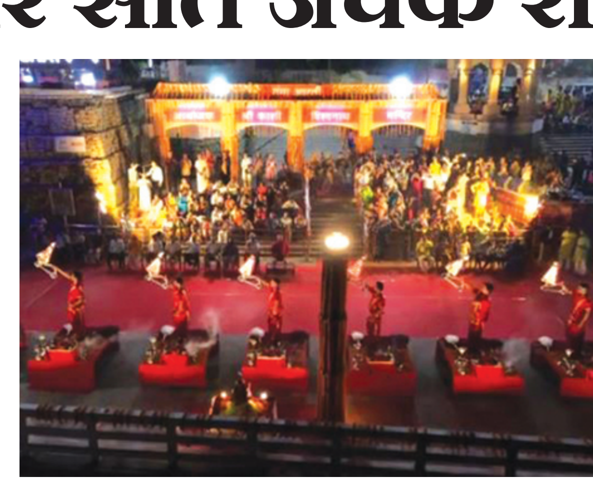

अब प्रतिदिन नमो घाट पर सांयकाल निर्धारित समय पर सात आचार्यों द्वारा मां गंगा की नित्य आरती की जाएगी।

इस आयोजन का उद्देश्य गंगा आरती की परंपरा को अधिक व्यापक बनाना और श्रद्धालुओं को नए घाट पर भी दिव्य आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है।

विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने बताया कि नमो घाट पर आरती की शुरुआत से अब भक्तों को दशाश्वमेध के साथ एक और भव्य स्थल पर आरती का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को देखते हुए घाट परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की है।

घाट की सीढ़ियों और निकटवर्ती क्षेत्रों में स्टील की बैरिकेडिंग लगाई गई है ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही, जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीम को सतर्क रखा गया है।

नमो घाट पर पहली बार दैनिक गंगा आरती देखने पहुंचे लोगों ने बताया कि यहां की सजावट और भव्य आयोजन ने पूरे वातावरण को अलौकिक बना दिया। गंगा के तट पर प्रकाशमय सजावट, वैदिक ध्वनियां और शंखनाद से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

स्थानीय लोगों का मानना है कि इस नई परंपरा से वाराणसी के धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। प्रशासन ने अपील की है कि श्रद्धालु आरती के समय निर्धारित मार्गों से ही प्रवेश करें और यातायात व्यवस्था में सहयोग दें, ताकि आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

शंघाई मास्टर्स 2025 : थकान और चोट से जूझते हुए जोकोविच क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

शंघाई,08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

नोवाक जोकोविच ने थकान और टखने की चोट के बावजूद जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए मंगलवार को स्पेन के जौमे मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

इस जीत के साथ 38 वर्षीय सर्बियाई स्टार टूर्नामेंट में रिकॉर्ड पांचवां खिताब जीतने की दिशा में आगे बढ़ते रहे हैं, जबकि कई शीर्ष वरीय खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके हैं।

मैच के निर्णायक सेट में जोकोविच कुछ समय के लिए बेहद थके हुए और चोटिल नज़र आए, जिससे लगा कि वे मुकाबला पूरा नहीं कर पाएंगे। लेकिन उन्होंने हिम्मत जुटाई और तीसरे सेट में अपने प्रतिद्वंद्वी को दो बार तोड़ते हुए जीत दर्ज की।

मैच के बाद जोकोविच ने चीनी दर्शकों से कहा, थैंक यू, थैंक यू, आई लव यू !, और कोर्ट से लगभग तुरंत बाहर चले गए।

24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार शुरुआत की थी और चौथे गेम में ब्रेक हासिल किया, लेकिन जल्द ही उन्हें मेडिकल ब्रेक लेना पड़ा जब नेट की ओर दौड़ते समय उनका बायां टखना फिसल गया। फिजियो के उपचार के बाद उन्होंने मैच जारी रखा और पांचवां गेम होल्ड किया।

दूसरे सेट के दौरान उन्होंने फिर से उपचार लिया और थकान के लक्षण स्पष्ट दिखाई दिए। 41वीं रैंक वाले मुनार ने दूसरे सेट के 12वें गेम में जोकोविच की गलती का फायदा उठाते हुए सेट अपने नाम कर लिया।

जोकोविच उस समय कोर्ट पर गिर पड़े और कुछ क्षण तक वहीं पड़े रहे, लेकिन अपनी टीम की मदद से दोबारा उठे। तीसरे सेट में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पहले और सातवें गेम में ब्रेक हासिल किया और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। जोकोविच अब टूर्नामेंट में बचे हुए सबसे उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं।

न्यूज ब्रीफ

विलियमसन की वापसी का फैसला उनपर ही छोड़ दिया : कोच वाल्टर

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं। उनकी वापसी को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। अब इसी को लेकर टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि विलियमसन को कब वापसी करने है ये उनके ऊपर ही छोड़ दिया गया है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के साथ कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया हुआ है। इसमें वह अपनी मर्जी से किसी भी सीरीज के लिए उपलब्ध रह सकते हैं, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टी20 सीरीज से वह बाहर रहे थे। वह जिम्बाब्वे दौरे पर भी नहीं गए थे और इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट और द हंड्रेड लीग में व्यस्त थे। न्यूजीलैंड का घरेलू सत्र शुरू हो गया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज है और फिर वेस्टइंडीज की टीम तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। विलियमसन को लेकर वाल्टर ने कहा, उनके के साथ, हम अभी भी बात कर रहे हैं और पता कर रहे हैं कि वह गर्मियों के सत्र के लिए उपलब्ध हैं या नहीं। हम उसे उनके योजना पर बात कर रहे हैं। कोच ने आगे कहा, हम उन सभी खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं जो कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हैं और खेल से दूरी बनाये हुए हैं। केन उनमें से एक हैं जिनसे हम बात करना चाह रहे हैं। अब देखना है कि वह कब तक तैयार होते हैं।

पृथ्वी शॉ फिर विवादों में, अभ्यास मैच में मुशीर को बल्ला लेकर मारने दौड़े

पुणे। भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे बल्लेबाज बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का विवादों से पुराना नाता रहा है।

हाल में मुम्बई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेल रहे पृथ्वी यहां एक अभ्यास मैच में अपने पुराने साथियों से भिड़ गये। महाराष्ट्र और मुम्बई के बीच खेले गए एक अभ्यास मैच में पृथ्वी मुंबई टीम के मुशीर खान को मारने तक दौड़ गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मैच में पृथ्वी शतक लगाने के बाद मुशीर की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने 220 गेंदों पर 181 रन बनाये थे। जैसे ही वह मैदान से बाहर आये। मुम्बई के कुछ खिलाड़ियों ने उनसे अपशब्द कहे। इस पर पृथ्वी भी भड़क गये और मुशीर की ओर बल्ला लेकर आगे बढ़े। तब अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत किया। पृथ्वी की पहले सिद्धेश लाड के साथ हुई थी। इसके बाद ये मामला बढ़ गया। पृथ्वी पहले भी कई बार विवादों में रहे है और इससे उनका करियर भी खतरे में पड़ा है। अब जबकि वह पटरी पर आते नजर आये तो एक बार फिर नये विवाद में फंस गये। पृथ्वी ने भारतीय टीम की ओर से पांच टेस्ट, छह एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेला है। भारतीय टीम से बाहर होने के बाद घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन गिरा है। इसी कारण उन्हें रणजी ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद ही वह मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेलने लगे थे। इसके बाद से ही उनका प्रदर्शन कुछ सुधारा है। उन्होंने अभ्यास मैच में शतक लगाया जिससे उनकी टीम पहले दिन 400 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही।

इसी माह रणजी सत्र से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज

ऋषभ पंत इसी माह से खेल के मैदान पर उतर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए मलेशिया रवाना

कप्तान रोहित की अगुवाई में टीम 11 से 18 अक्टूबर तक खेलेगी मुकाबले

बेंगलूरू,08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम मंगलवार शाम केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलुरु से मलेशिया के लिए रवाना हो गई, जहां 11 से 18 अक्टूबर 2025 तक सुल्तान ऑफ जोहोर कप का 13वां संस्करण खेला जाएगा। भारत ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीता था और इस बार टीम का लक्ष्य एक कदम आगे बढ़ते हुए फाइनल में स्थान बनाना है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण से सजी यह टीम शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 11 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ करेगी, जिसके बाद 12 अक्टूबर को न्यूजीलैंड, 14 अक्टूबर को पाकिस्तान, 15 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया और 17 अक्टूबर को मेज़बान मलेशिया से भिड़ेगी। लीग चरण के बाद शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल में आमने-सामने होंगी। रवाना होने से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित ने कहा, हम सुल्तान ऑफ जोहोर कप में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। यह टूर्नामेंट खास है क्योंकि इसमें दुनिया की सबसे मजबूत जूनियर टीमें हिस्सा लेती हैं। पिछले साल हम ब्रॉन्ज मेडल लेकर लौटे थे, लेकिन इस बार हमारा लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर फाइनल तक पहुंचना है। टीम का माहौल बेहद सकारात्मक है और हर खिलाड़ी देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देने को तैयार है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने बेंगलुरु में अपने ट्रेनिंग कैंप में बहुत मेहनत की है — खासकर स्पीड, स्ट्रक्चर और फिनिशिंग पर ध्यान दिया है। कोचिंग स्टाफ ने हमें अच्छी तरह तैयार किया है और टीम में एकजुटता की भावना मजबूत हुई है। हमें पता है कि हर मैच कठिन होगा, लेकिन हम इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारा पहला लक्ष्य ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ अच्छा आगाज करना और वहां से लय बनाना है।

आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अभिषेक सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। इसमें अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को पुरुष वर्ग जबकि स्मृति मंधाना को महिला वर्ग में जगह मिली है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक को हाल ही में एशिया कप में सबसे अधिक रन बनाने के कारण आईसीसी की सूची में जगह मिली। अभिषेक ने एशिया में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन शतक लगाये। वह टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी रहे। वहीं स्पिनर कुलदीप ने एशिया में सबसे अधिक विकेट लिए। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट लिए। वहीं जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। वहीं महिला वर्ग में मंधाना ने सितंबर में चार एकदिवसीय मैचों में ही 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज एक अर्धशतक और दो दशक लगाये। महिला वर्ग में मंधाना के अलावा पाकिस्तान की सिदरा अमीन और दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ेगा : फिंच

सिडनी,08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

रोहित शर्मा की जगह पर नये कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच की प्रतिक्रिया सामने आयी है। फिंच का कहना है कि ये सीरीज रोमांचक रहेगी पर इसमें भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ सकता है। फिंच के अनुसार देखने पर दोनो ही टीमें बराबरी पर नजर आती हैं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान होने के कारण हावी रहेगी। फिंच का कहना है कि इस दौरे में सभी की नजरें विराट कोहली को एक बार फिर खेलते हुए देखने पर रहेंगी।

फिंच ने कहा, यह एक अच्छी सीरीज होगी। भारत के खिलाफ हमेशा ही रोमांचक मुकाबला होता है और मुझे लगता है कि विराट की वापसी से उनके खेल में और निखार आएगा। कागज पर यह मुकाबला हालांकि बहुत ही बराबरी का है लेकिन मैं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से सीरीज जीत सकता है।

फिंच ने हाल में टेस्ट प्रारुप में गिल की कप्तानी की प्रशंसा की। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि गिल को रोहित और विराट का भी सहयोग मिलेगा जो उन्हें इंग्लैंड दौरे पर नहीं मिल पाया था। फिंच ने कहा. शुभमन ने पहले ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाई है, इसलिए मुझे भरोसा है कि यह कोई अलग नहीं होगा। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, खासकर सफेद गेंद के फॉर्मेट में और जिस तरह से उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी की। उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। ये भारतीय टीम लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है कि वह अगले कदम के लिए तैयार हैं और सभी तीन फॉर्मेट को भविष्य में संभाल सकते हैं।

इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उनके पास सलाह के लिए ज्यादा विकल्प नहीं थे पर इसके बाद भी शुभमन ने अपने बल पर ही शानदार काम किया पर इसक बार रोहित और कोहली के होने से वह और अधिक बेहतर तरीके से कप्तानी कर पायेंगे। वह जानते हैं कि टीम को कैसे आगे ले जाना है।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग दिसंबर में शुरु होगी, पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के शामिल होने की संभावना

कोलंबो। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरर‍राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस लीग में पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के भी शामिल होने की उम्मीद है हालांकि ये पता नहीं चला है कि कौन से क्रिकेटर इसमें खेलेंगे। अगर इसमें भारतीय क्रिकेटर खेलते हैं तो लीग का आकर्षण और बढ़ जाएगा।' 'इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

स्पेन के अनुभवी डिफेंडर जोर्डी आल्बा सीज़न के अंत में पेशेवर फुटबॉल से लेंगे संन्यास

मियामी,08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

बार्सिलोना और स्पेन की राष्ट्रीय टीम के अनुभवी डिफेंडर जोर्डी आल्बा ने घोषणा की है कि वह मौजूदा सत्र के अंत में पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेंगे।

स्पेनिश लेफ्ट-बैक आल्बा 2023 से मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी के लिए खेल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए 14 गोल और 38 असिस्ट दर्ज किए हैं। उनके योगदान से इंटर मियामी ने लीग्स कप और सपोर्टर्स' शील्ड जैसे खिताब अपने नाम किए।

आल्बा ने क्लब की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, यह एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है, जिस पर मैं लंबे समय से विचार कर रहा था। मुझे लगता है कि अब सही समय है एक नया व्यक्तिगत अध्याय शुरू करने का और अपने परिवार के साथ समय बिताने का, इतने सालों की पेशेवर फुटबॉल की मांगों के बाद।

उन्होंने आगे कहा, मैं इंटर मियामी में अपने समय से बेहद खुश हूं और प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूं। टीम की सफलताओं का हिस्सा बनना और क्लब की प्रगति के साथ जुड़ना मेरे लिए सम्मान की बात है। अब मेरा लक्ष्य है कि मैं सीज़न को सर्वश्रेष्ठ तरीके से समाप्त करूं और प्लेऑफ़ में टीम को अपना सर्वस्व दूं।

आल्बा ने अपने करियर की शुरुआत वलेंसिया से की थी और इसके बाद बार्सिलोना के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। बार्सिलोना के साथ उन्होंने छह ला लीगा खिताब, कई घरेलू कप, यूईएफए चैंपियंस लीग और फीफा क्लब विश्व कप जीते।

स्पेन की राष्ट्रीय टीम के लिए उन्होंने 2012 यूईएफए यूरोपीय चैम्पियनशिप और 2022-23 यूईएफए नेशंस लीग खिताब जीता था।

जोर्डी आल्बा का करियर संक्षेप में:

क्लब: बार्सिलोना, वलेंसिया, इंटर मियामी।

प्रमुख उपलब्धियां: 6 ला लीगा, 1 चैंपियंस लीग, 1 फीफा क्लब विश्व कप।

अंतरराष्ट्रीय खिताब: यूरो 2012, नेशंस लीग 2022-23।

विराट और रोहित को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए शायद ही टीम में जगह मिले : गावस्कर

मुम्बई,08 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलने की संभावनाएं काफी कम हैं। वहीं गावस्कर ने रोहित की जगह पर शुभमन गिल को भी कप्तान बनाये जाने का समर्थन किया है। गावस्कर के अनुसार भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कमान दिया जाना सही है।

रोहित और विराट दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप को अलविदा कह दिया है और केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं। दोनो ही 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं। गावस्कर का कहना है कि इन दोनो को ही कई कारणों से टीम में जगह मिलना संभव नजर नहीं आता। दोनो की ही उम्र बढ़ रही है जिससे फिटनेस पर भी प्रभाव पड़ता है। इन दोनो को हालांकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रखा गया है पर ये लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। गावस्कर ने कहा, मैं चयन समिति से यहां सहमत हूं क्योंकि हमें विश्वकप की ओर देखने की जरूरत है। हमें एक युवा कप्तान की जरूरत है क्योंकि हमें नहीं पता कि रोहित विश्व कप खेलने के लिए फिट होंगे भी या नहीं। गावस्कर ने कहा, रोहित और विराट एकदिवसीय ही खेल रहे हैं। वहीं अगर अगर कार्यक्रम देखें तो पायेंगे कि भारत टेस्ट और टी20 के मुकाबले बहुत कम एकदिवसीय खेलेगा। ऐसे में इन दोनो को ही अभ्यास का पर्याप्त अवसर नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप से पहले हम करीब 20 ओडीआई खेलेंगे और विश्व कप ही हमारा लक्ष्य है। हम जो भी मैच खेलेंगे और उनमें हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ियों को विश्वकप से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।

सिर्फ 60 मिनट में दुनिया के किसी भी जगह होगी सामान की डिलीवर

दुनिया का पहला स्पेस डिलीवरी वीइकल तैयार

नई दिल्ली,08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

क्विक कॉमर्स कंपनियों ने वर्तमान में धूम मचा रखी है। कई ऐसी कंपनियां हैं, जो 10 से 15 मिनट में आपके घर सामान डिलीवर कर देती है। वहीं कुछ ऐसी कंपनियां भी है, जो एक से दो दिन में एक शहर से दूसरे शहर सामान पहुंचाती हैं। इसके बाद इंटरनेशनल पार्सल की डिलीवरी में 5 से 15 दिनों का वक्त लगता है। लेकिन यदि कोई सिर्फ एक घंटे में दुनिया के किसी कोने में सामान पहुंचा दे। तब ये लॉजिस्टिक की दुनिया में किसी क्रांति से कम नहीं होगा। अमेरिकी कंपनी इन्वेर्सिओन ये सर्विस लेकर आई है। एरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में काम करनी वाली इन्वेर्सिओन ने दुनिया का पहला स्पेस डिलीवरी वीइकल तैयार किया है। ये वीइकल अंतरिक्ष के रास्ते पृथ्वी के किसी भी शहर में सिर्फ 60 मिनट में डिलीवरी कर सकता है। ये काम कंपनी का आर्क वीइकल करता है। आर्क एक री-इंट्री वीइकल है। यानी ये अंतरिक्ष में जाकर दोबारा पृथ्वी के वायुमंडल में लौट सकता है। आर्क वीइकल 8 फीट लंबा और 4 फीट चौड़ा स्पेसक्राफ्ट की तरह है। एक बार में ये 227 किलोग्राम तक का सामान ले जा सकता है। यानी आप इस पर 227 किलोग्राम तक का कोई सामान लोड कर सकते है। इसके बाद आर्क वीइकल धरती से 1000 किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष में जाएगा। वहां से वीइकल उड़ान भरेगा और डिलीवरी पॉइंट पर पहुंचने के बाद वापस धरती पर लौट आएगा। वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद ये पैराशूट की मदद से लैंड करेगा। आर्क वीइकल 25 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। जानकारों के अनुसार स्पेस डिलीवरी वीइकल का इस्तेमाल कई तरीकों से हो सकता है। युद्ध के दौरान ये काफी मददगार साबित हो सकता है। आर्क वीइकल स्पेस में रुक भी सकता है। कंपनी के अनुसार ये स्पेस डिलीवरी वीइकल 5 साल तक अंतरिक्ष में रुक सकता है, जो इसे युद्ध में बड़ा मददगार बनाता है। कंपनी का दावा है कि ये ऑटोनोमस स्पेसक्राफ्ट रियूज किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी जल्द होगा लॉन्च

नईदिल्ली। भारत में सैमसंग 10 अक्टूबर को अपना नया मिड-बजट स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी लॉन्च करने जा रहा है। गैलेक्सी एम17 5जी का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 50 एमपी ओआईएस पल कैमरा सेटअप है, जो तस्वीरों और वीडियोज़ को ब्लर और शेक-फ्री बनाता है। यह फोन खास तौर पर उन यूज़र्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो हर समय कनेक्टेड और एक्टिव रहते हैं। फोन का 7.5 एमएम अल्ट्रा-स्लिम डिज़ाइन इसे न केवल स्टाइलिश बनाता है, बल्कि हैंड में भी हल्का महसूस होता है। सैमसंग ने इस बार अपनी एम-सीरीज़ में पहली बार एआई इंटीग्रेशन जोड़ा है। इसमें दो खास फीचर्स सर्कल टू सर्च विथ गूगल और जेमिनी लाइव शामिल हैं। ये यूज़र्स को स्मार्ट और रियल-टाइम अनुभव देते हैं। सर्कल टू सर्च फीचर से स्क्रीन पर किसी भी ऑब्जेक्ट को सर्कल करते ही गूगल सर्च किया जा सकेगा, वहीं जेमिनी लाइव यूज़र्स को लाइव एआई चैटिंग की सुविधा देगा। सैमसंग का यह नया फोन उन यूज़र्स के लिए खास साबित हो सकता है जो बेहतर कैमरा, स्मार्ट परफॉर्मेंस और प्रीमियम डिज़ाइन की तलाश में हैं वह भी एक किफायती दाम पर। फोन मूनलाइट सिल्वर और साफिरे ब्लैक जैसे दो आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा। इसमें 6.7-इंच सुपर अमोलेड डिस्प्ले, गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन और आईपी54 रेटिंग दी गई है, जो इसे धूल और पानी के छींटों से सुरक्षित बनाती है।

बाइक राइडर का सबसे एडवांस वैरिएंट लॉन्च

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय बाइक राइडर का टीवीएस मोटर ने अब तक का सबसे एडवांस वैरिएंट लॉन्च कर दिया है। इसे युवाओं के स्पोर्टी और टेक-सेवी लाइफस्टाइल को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। कंपनी का दावा है कि नई राइडर में कई ऐसे फीचर्स दिए गए हैं जो इस सेगमेंट में पहली बार देखने को मिल रहे हैं। नई राइडर दो वेरिएंट्स में पेश की गई है टीएफटी डीडी जिसकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 95,600 है और एसएक्ससी डीडी, जिसकी कीमत रुपए 93,800 रखी गई है। बाइक में 125सीसी, 3-वॉल्व एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है जो 11.75 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें आईजीओ असिस्ट, बूस्ट मोड और ग्लाइड थ्राट टैक्नालॉजी (जीटीटी) जैसी स्मार्ट टेक्नोलॉजी दी गई हैं जो राइडिंग को और स्मूद और फ्यूल-इफिशिएंट बनाती हैं। डिजाइन के मामले में बाइक को स्पोर्टी रेड अलॉय व्हील्स, वाइड टायर्स और मेटालिक सिल्वर फिनिश के साथ और भी आकर्षक बनाया गया है। राइडर में दो डिस्प्ले ऑप्शन दिए गए हैं टीएफटी डिस्प्ले (99 प्लस फीचर्स) और रिवर्स एलसीडी क्लस्टर (85प्लस फीचर्स)। टीवीएस का कहना है कि यह नई रैदर परफॉर्मेंस, टेक्नोलॉजी और सुरक्षा का शानदार मिश्रण पेश करती है और इस महीने से देशभर के डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी। कनेक्टिविटी के लिए इसमें ब्लूटूथ, वॉइस असिस्ट, कॉल/नोटिफिकेशन मैनेजमेंट और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसे फीचर्स भी शामिल हैं।

ट्रायंफ स्पीड 400 और स्पीड टी 4 की कीमतों में कटौती

नई दिल्ली । ट्रायंफ मोटरसाइकिल्स कंपनी ने अपनी दो पॉपुलर बाइक्स स्पीड 400 और स्पीड टी 4 की कीमतों में रुपए 16,797 से रुपए 17,000 तक की कटौती की है। कीमतों में कटौती के बाद बाइक स्पीड 400 अब रुपए 2,33,754 में (पहले रुपए 2,50,551 थी) और स्पीड टी 4 रुपए 1,92,539 में (पहले रुपए 2,06,738 थी) मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब सरकार ने 350सीसी से अधिक इंजन वाली बाइक्स पर जीएसटी बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया है। जहां अन्य ब्रांड्स कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं, वहीं ट्रायंफ और उसके पार्टनर बजाज ऑटो ने ग्राहकों का बोझ खुद उठाने का फैसला किया है।

टाटा ग्रुप में चल रहे विवाद को लेकर अब सरकार ने दिया दखल, बैठक की

टाटा ट्रस्ट में गवर्नेंस की गड़बड़ियों और विवाद सुलझाना है मकसद

नई दिल्ली,08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टाटा ग्रुप में चल रहे विवाद को लेकर अब सरकार को दखल देना पड़ा है। टाटा ट्रस्ट जो टाटा सन्स में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखता है, उसके अंदर का टकराव अब सरकार तक पहुंच गया है। मंगलवार शाम को नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से टाटा सन्स और टाटा ट्रस्ट के आला अधिकारियों ने मुलाकात की। बैठक में टाटा सन्स को कंट्रोल करने और खुद को सुपर बोर्ड की तरह पेश करने की कोशिश कर रहे कुछ ट्रस्टीज पर चर्चा की गई। यह बैठक 10 अक्टूबर को होने वाली टाटा ट्रस्ट की बोर्ड की बैठक से पहले हुई है। इसी बीच, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से यह दिशा-निर्देश आने की उम्मीद है कि क्या टाटा सन्स को अब स्टॉक मार्केट में लिस्ट होना चाहिए या नहीं। जो इस समय समूह के अंदर एक बड़ा विवाद बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने टाटा समूह में बढ़ते संकट को देखते हुए यह आपात बैठक बुलाई। बैठक का उद्देश्य टाटा ट्रस्ट के अंदर कथित गवर्नेंस की गड़बड़ियों पर चर्चा करना और विवाद सुलझाना था। बैठक में टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा, टाटा सन्स के नामित डायरेक्टर और टाटा ट्रस्ट के वाइस-चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और वरिष्ठ वकील व ट्रस्टी डेरियस खंभाटा मौजूद थे।

सूत्रों के मुताबिक टाटा ट्रस्ट के अंदर मतभेद रतन टाटा के अक्टूबर 2024 में निधन के बाद सामने आए थे। हाल ही में दोराजी टाटा ट्रस्ट (जो एक प्रमुख शेयरहोल्डिंग ट्रस्ट है) के सात में से चार ट्रस्टी एक गुट में हैं और बाकी तीन दूसरे गुट में बंट गए हैं। बता दें विवाद की शुरुआत तब हुई जब ट्रस्टीज के वोट के जरिए टाटा ट्रस्ट्स के नामित डायरेक्टर विजय सिंह को टाटा सन्स के बोर्ड से हटा दिया गया। उनके हटाए जाने का कारण बताया कि वे 75 साल के हो चुके हैं। विजय सिंह जो पहले रक्षा सचिव रह चुके हैं, वह टाटा ट्रस्ट के वाइस-चेयरमैन भी हैं। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी मेहली मिस्त्री को विजय सिंह की विदाई का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

देश को डिजिटल क्रांति में अग्रणी बनाए रखने के लिए रिलायंस जियो तत्पर: आकाश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी ने बुधवार को कहा कि उनकी कंपनी भारत को डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रखने के लिए तत्पर हैं। आज हमने सेमीकंडक्टर से लेकर धोखाधड़ी प्रबंधन तक पूरी वैल्यू चेन देखी और हम भारत को डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रखने के लिए तत्पर हैं। रिलायंस जियो के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी 2025) के 9वें संस्करण पर अपने संबोधन में यह बात कही। आकाश अंबानी ने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस में प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की पूरी मूल्य श्रृंखला सेमीकंडक्टर से लेकर धोखाधड़ी प्रबंधन समाधानों और आगामी 6-जी तक भारत की प्रगति को रेखांकित करती है। उनकी कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रहे। आज आईएमसी के लिए एक शानदार क्षण है और एक देश के रूप में हम आगे बढ़ते हुए जो हासिल कर पाए हैं, वह भी एक उपलब्धि है। हम आज के स्टार्टअप्स को मूल्य श्रृंखला में नवाचार करते हुए देख पाए। प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के शासन का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक क्रांतिकारी युग रहा है और हम उनके जैसा नेतृत्व पाकर भाग्यशाली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले 25 वर्षों से भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमें उनके जैसा नेता मिला है।

आरबीआई आने वाले दिनों में कर सकता हैं ब्याज दरों में कटौती

नई दिल्ली,07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) महंगाई दर के निम्न स्तरों पर होने के चलते आने वाले महीनों में एक और बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। यह जानकारी जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। संकलित आंकड़ों में कहा गया है कि हालांकि, अक्टूबर एमपीसी में आरबीआई ने अब तक रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है, फिर भी विकास को समर्थन देने के लिए इसमें और ढील देने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी दरों में कमी और त्यौहारी सीजन में खर्च चालू तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इन कारकों से उपभोग को मजबूती मिलेगी और वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई एमपीसी ने अक्टूबर में जीएसटी के आर्थिक प्रभाव और टैरिफ के असर को देखने को लिए पॉलिसी के रुख को न्यूट्रल रखते हुए रेपो रेट को यथावत रखा है।आरबीआई ने वित्त वर्ष 26 के लिए विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया है, जो कि पहले 6.5 प्रतिशत था। इसके साथ महंगाई दर के अनुमान को 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हवाई यात्री यातायात, बंदरगाह माल ढुलाई और रेल माल ढुलाई जैसे उच्च आवृत्ति संकेतकों में नरमी के संकेत मिले हैं, जो गति में थोड़ी मंदी का संकेत देते हैं। हालांकि, डीजल की खपत, सरकारी खर्च और बैंक ऋण वृद्धि में सुधार दर्ज किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दूसरे एयरपोर्ट से ...

उपलब्धि साबित होगी। मुंबई की पहली और एकमात्र पूर्णतः भूमिगत मेट्रो लाइन है। यह परियोजना मुंबई महानगर क्षेत्र में आवागमन को नए सिरे से परिभाषित करेगी तथा लाखों निवासियों के लिए एक तीव्र, अधिक कुशल और आधुनिक परिवहन समाधान प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री मेट्रो, मोनोरेल, उपनगरीय रेलवे और बस पीटीओ के 11 सार्वजनिक परिवहन ऑपरेटरों (पीटीओ) के लिए एकीकृत कॉमन मोबिलिटी ऐप मुंबई वन का भी शुभारंभ किया। इनमें मुंबई मेट्रो लाइन 2ए और 7, मुंबई मेट्रो लाइन 3, मुंबई मेट्रो लाइन 1, मुंबई मोनोरेल, नवी मुंबई मेट्रो, मुंबई उपनगरीय रेलवे, बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट), ठाणे नगर परिवहन, मीरा भयंदर नगर परिवहन, कल्याण डोंबिवली नगर परिवहन और नवी मुंबई नगर परिवहन शामिल हैं।

प्रधानमंत्री महाराष्ट्र में कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग की एक अग्रणी पहल, अल्पकालिक रोजगार योग्यता कार्यक्रम (एसटीईपी) का भी उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 400 सरकारी आईटीआई और 150 सरकारी तकनीकी उच्च विद्यालयों में शुरू किया जाएगा और यह रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक बड़ी पहल होगी। एसटीईपी के तहत 2,500 नए प्रशिक्षण बैच स्थापित किए जाएंगे, जिनमें महिलाओं के लिए 364 विशेष बैच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में 408 बैच शामिल हैं।

तेलंगाना हाईकोर्ट में...

उन्होंने तर्क दिया कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद रोक लगाने से चुनावी प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब होगा और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने अदालत से कहा कि सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए।

हालांकि, याचिकाकर्ताओं की ओर से यह तर्क दिया गया है कि बीसी आरक्षण के लिए जारी किए गए जीओ में कुछ कानूनी कमियां हैं और इसे संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप नहीं बनाया गया है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि जीओ की वैधता की जांच करने तक चुनाव प्रक्रिया को रोका जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यदि बाद में यह जीओ असंवैधानिक पाया जाता है, तो पूरी चुनाव प्रक्रिया को फिर से दोहराना पड़ सकता है, जिससे राज्य के संसाधनों की बर्बादी होगी।

अब सभी की निगाहें गुरुवार दोपहर 2:15 बजे होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं। इस सुनवाई में दोनों पक्षों को अपनी विस्तृत दलीलें प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। हाईकोर्ट इन दलीलों को सुनने के बाद ही इस संवेदनशील मुद्दे पर अपना निर्णय देगा। यह निर्णय न केवल आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए बल्कि भविष्य में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। राज्य भर में राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और बीसी समुदायों के बीच इस मामले को लेकर गहरी दिलचस्पी है।

विधायक मुरारी गौतम...

उन्होंने कहा, राजद अगर नेतृत्व की बात करती है, तो बड़ा दिल दिखाना चाहिए। राजद को 100 से नीचे सीटें लेनी चाहिए, बाकी कांग्रेस को मिलनी चाहिए या अन्य सहयोगियों को। कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है, उसे ज्यादा से ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए, खासकर सीमांचल में।

पप्पू यादव ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस के बिना इंडिया गठबंधन का कोई वजूद ही नहीं है। उन्होंने सीमांचल और कोसी क्षेत्र में कांग्रेस को अधिक सीटें देने की मांग की। साथ ही, जन न्याय दल (जजपा) के संस्थापक प्रशांत किशोर पर कटाक्ष करते हुए बोले, वह ना तो तीन में हैं, ना तेरह में। वे इंतजार कर रहे हैं कि दूसरे दलों से नेता आएं, तो उन्हें टिकट दें।

एनडीए पर निशाना साधते हुए पप्पू ने कहा, एनडीए में ही फूट है। बीजेपी न चिराग पासवान को तवज्जो दे रही है, न जदयू को। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी प्रहार किया, चुनाव आयोग भाजपा को पिछले दरवाजे से सत्ता तक पहुंचाना चाहता है। पप्पू ने महागठबंधन से अपील की कि सीट बंटवारा 48 घंटों में तय हो।

ये घटनाक्रम बिहार चुनाव को और रोचक बना रहे हैं। महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर विवाद बढ़ रहा है, जबकि एनडीए में भी चिराग पासवान और जदयू के बीच तनाव की खबरें हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कांग्रेस को लगातार झटके मिलने से महागठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठ रहे हैं। बिहार की 243 सीटों पर दो चरणों में होने वाले चुनाव (पहला चरण 6 नवंबर) के लिए दोनों गठबंधन जल्द ही उम्मीदवारों की लिस्ट फाइनल करेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, हम मजबूत हैं, ये व्यक्तिगत फैसले हैं। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता ने मुरारी और अजय की संभावित जॉइनिंग पर चुप्पी साधी है।

सभी कफ सिरप...

योग्यता प्रणाली है और वे केवल विश्वसनीय अनुमोदित विक्रेताओं से कच्चे माल, जिसमें एक्सीसिएंट्स शामिल हैं, का उपयोग करते हैं।

4 अक्टूबर को, तमिलनाडु खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने घोषणा की कि विनिर्माण सुविधा से एकत्र किए गए कफ सिरप के नमूने मिलावटी थे, एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी को तुरंत उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया गया था।

राज्य सरकार ने 1 अक्टूबर से प्रभावी रूप से मकोल्ड्रिफफ कफ सिरप की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया और बाजार से दवा के मौजूदा स्टॉक को हटाने का आदेश दिया।

अमेरिका का ...

कम करने का दबाव बनाने की कोशिश की थी। इसका मकसद था कि भारत जैसे प्रमुख खरीदारों को रूसी तेल से दूर किया जाए। लेकिन अमेरिका ने चीन-जो रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है-के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे इस नीति पर सवाल उठे। भारत ने तुरंत जवाब दिया कि रूसी तेल की खरीदारी बेहतर कीमतों के लिए है, और यह ऊर्जा सुरक्षा का मामला है। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, हम अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के तहत अधिक अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों की खरीद बढ़ाने को तैयार हैं, लेकिन रूसी तेल पर निर्भरता तत्काल कम नहीं हो सकती। रिपोर्ट के अनुसार, यह टैरिफ दांव उल्टा पड़ सकता है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को प्राथमिकता दे रहा है।

रूसी छूट और अमेरिकी वार्ता में देरी के बीच भारत के सरकारी तेल रिफाइनरियां विविधीकरण की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। ब्लूमबर्ग के सूत्रों के हवाले से खबर है कि 2026 के लिए मिडिल ईस्ट (सऊदी अरब, यूए ई) और अफ्रीका (नाइजीरिया, अंगोला) की नेशनल ऑयल कंपनियों के साथ लंबी अवधि के अनुबंधों पर बातचीत शुरू हो गई है। रिफाइनरियां उन आपूर्तिकर्ताओं को प्राथमिकता दे रही हैं जो मात्रा में लचीलापन प्रदान कर सकें, ताकि भविष्य में कोई एक स्रोत पर निर्भरता न रहे।

एक एनर्जी एनालिस्ट ने कहा, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। रूसी तेल सस्ता है, लेकिन वैश्विक अस्थिरता को देखते हुए मल्टी-सोर्सिंग जरूरी है। रॉयटर्स के अनुसार, रूसी तेल की उपलब्धता बाजार में पर्याप्त है, जिससे भारतीय रिफाइनरियां बिना रुकावट के खरीदारी जारी रख सकती हैं।यह घटनाक्रम अमेरिका-रूस तनाव को और गहरा सकता है, जहां ट्रंप की ममैक्सिमम प्रेशरफ नीति पुतिन की आर्थिक चालबाजी के आगे कमजोर साबित हो रही है। भारत के लिए यह फायदेमंद है, क्योंकि सस्ता रूसी तेल ईंधन कीमतों को नियंत्रित रख सकता है और महंगाई पर ब्रेक लगा सकता है। हालांकि, लंबे समय में अमेरिकी दबाव बढ़ सकता है, जिससे भारत को कूटनीतिक संतुलन बनाना पड़ेगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, हम ऊर्जा सुरक्षा और किफायती आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी विकल्पों पर नजर रखे हुए हैं। बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर छूट बनी रही, तो नवंबर-दिसंबर में रूसी तेल आयात 2 एमबीपीडी को पार कर सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 09 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि में निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) की नियुक्ति

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री पडविट्टान बाबू ने 7 अक्टूबर 2025 से मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) के रूप में पदभार ग्रहण किया है।

श्री पडविट्टान बाबू एक अनुभवी धातुकर्म अभियंता हैं, जिन्हें विशेष धातुओं और मिश्रधातुओं – जैसे विशेष इस्पात, सुपर–अलॉय तथा टाइटेनियम मिश्रधातु – के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का गहन अनुभव प्राप्त है।

उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई से धातुकर्म अभियंत्रण में स्नातक उपाधि तथा डॉ. बी. आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद से एम.बी.ए. की उपाधि अर्जित की है।

उन्होंने वर्ष 1997 में मिधानि में अपने करियर की शुरुआत की और विपणन, उत्पादन, तथा रणनीतिक योजना जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। विपणन क्षेत्र में उन्होंने नए बाज़ार विकसित करने, निर्यात को पुनर्जीवित करने, ग्राहक संबंधों को सुदृढ़ बनाने तथा एयरोस्पेस, रक्षा, ऊर्जा और औद्योगिक अनुप्रयोगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अग्रणी ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्पादन प्रबंधन, प्रक्रिया आश्वासन और व्यवसाय विकास के क्षेत्र में उनकी दक्षता ने विशेष धातुओं और मिश्रधातुओं के क्षेत्र में मिधानि की प्रगति एवं विस्तार में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

तीन दिवसीय हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ ने शादी–ब्याह के मौसम को ध्यान में रखते हुए तीन दिवसीय ब्राइड्स प्रदर्शनी का आयोजन आगामी 10 अक्तूबर से हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी नोवोटेल में किया जाएगा।

हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी में देश भर के डिज़ाइनर अपने नए कलेक्शन के साथ भाग लेंगे।

प्रदर्शनी में विवाह उत्सवों से जुड़े परिधानों एवं आभूषणों के अलावा वर–वधु के लिए विभिन्न प्रकार की उपयोगी सामग्री के स्टॉल स्थापित किए जाएँगे। आयोजकों ने बताया कि विशेषकर आभूषणों के लिए देश भर के प्रमुख फैशन डिज़ाइ–नरों को आमंत्रित किया गया है।हाईलाइफ प्रदर्शनी का आयोजन 10 से 12 अक्तूबर तक होगा। यह अपनी तरह की सबसे बड़ी ब्राइडल फैशन प्रदर्शनी होगी, जिसमें दुल्हनों के परिधान, आभूषण, विशेष अवसरों पर उपयोगी डिज़ाइनर वस्त्र, साड़ियाँ एवं अन्य सामग्री का व्यापक कलेक्शन उपलब्ध होगा।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नित्य अन्नदान सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि के पावन अवसर पर नित्य अन्नदान (अल्पाहार) सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा प्रातः 7:31 बजे बेगमबाजार के पास गौशाला, पुल की माता और पब्लिक गार्डन, पिलर-- 1265, नामपल्ली, हैदराबाद में संपन्न हुई।

।।ॐ श्री अन्नपूर्णा देव्यै नमः ।। के मंत्रोच्चारण के साथ शुरू हुई इस सेवा में राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

इस पुण्य कार्य में राधे राधे ग्रुप के निम्नलिखित सदस्यों ने अपना योगदान दिया: जिनमें– सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगतराम गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश गुप्ता, अशोक गुप्ता जी, गोपाल गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, ई–जगन चंपापेट, श्याम सुंदर अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, रितेश गुप्ता, राजेश सर योगा, अनिल भाई, भगवान भाई, गोविंद राम जी, लता गोयल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गी, आशीष एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

हिंदू धर्म में अन्नदान को सर्वोत्तम दान माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि अन्नदानं परं दानं अर्थात अन्नदान सबसे बड़ा दान है। भूखे को भोजन कराना मां अन्नपूर्णा की सेवा के समान माना जाता है। राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से की जाने वाली यह सेवा समाज के वंचित वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है।

श्री सहस्त्रफना पार्श्वनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ रसूलपुरा में प. पू. भावरत्नाश्रीजी आदि ठाणा – 8 की निश्रा में आसोज मास की ओली का पारणा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। संघ की तरफ से सभी तपस्वियों और लाभार्थी परिवारों का बहुमान किया गया। रसूलपुरा जैन संघ के अध्यक्ष, मंत्री, ट्रस्ट मंडल एवं सभी सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे और तपस्वियों को सुख–साता पूछा।

सिखवाल ब्राह्मण समाज हैदराबाद के तड़बा तिवाड़ी परिवार के अति ऋषभ तिवाड़ी ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से तेलंगाना सरकार के आबाकारी विभाग में असिस्टेंट सुप्रीडेंट पद प्राप्त कर सिखवाल समाज का मान बढ़ाया है। ऋषभ तिवाड़ी के दादा रूपनारायण तिवाड़ी (लल्लू भाई) का सपना उनके पौत्र ने साकार किया, जिससे परिवार और समाज में हर्ष की लहर है।इस उपलब्धि के अवसर पर विप्र फाउंडेशन जोन 16 तेलंगाना द्वारा ऋषभ एवं श्रीनिवास तिवाड़ी का शॉल व माला से सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में जोन 16 के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, महासचिव रामदेव नागला, परमेश्वरी देवी ओझा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नाबार्ड के आठ दिवसीय ग्रामीण भारत महोत्सव का शुभारंभ

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रामीण भारत महोत्सव, नाबार्ड की एक पहल, भारत की ग्रामीण रचनात्मकता, शिल्पकारिता और उद्यमशीलता का एक जीवंत उत्सव है। यह राष्ट्रीय प्रदर्शनी–सह–बिक्री कार्यक्रम देश भर से मास्टर कारी–गरों, बुनकरों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और ग्रामीण उद्यमियों को एक साथ लाता है, जो भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता के सार को प्रदर्शित करता है।

विरासत को अवसर के साथ मिलाते हुए, ग्रामीण भारत महोत्सव एक गतिशील मंच प्रदान करता है जहां परंपरा आधुनिक बाजारों से मिलती है। यह ग्रामीण उत्पादकों को सशक्त बनाता है, सतत आजीविका को बढ़ावा देता है, और क्षेत्रों में कारीगरों और विवेकशील ग्राहकों के बीच सार्थक संबंध बनाता है।

नाबार्ड के तेलंगाना क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद द्वारा इस ग्रामीण भारत महोत्सव के 12वें संस्करण का उद्घाटन श्रीमती हरिचंदना दासरी, आईएएस, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, हैदराबाद द्वारा 8 अक्टूबर 2025 को कम्मा संघम, अमीरपेट,

हैदराबाद में आयोजित एक रंगारंग समारोह में किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा एक विशेष भौगोलिक संकेत (जीआई) पैवेलियन का भी उद्घाटन किया गया।

देश भर से कारीगरों और उद्यमियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 53 स्टॉल स्थापित किए गए हैं, जिनमें 44 असाधारण उत्पाद बिक्री के लिए पेश किए जा रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक अपने संबंधित राज्य की शिल्पकारिता और पहचान का अनूठा प्रतिनिधित्व करता है।श्री आर. गणपति, महाप्रबंधक, नाबार्ड ने श्रीमती हरिचंदना दासरी, आईएएस और अन्य उच्च स्तरीय गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीमती हरिचंदना, आईएएस, कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, हैदराबाद जिला ने ग्रामीण भारत की प्रतिभा को उजागर करने में मंच प्रदान करने में नाबार्ड की भूमिका की सराहना की। उन्होंने यह उम्मीद साझा की कि नाबार्ड और नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए एक–दूसरे के साथ समन्वय में काम कर सकते हैं।

उन्होंने वास्तविक कारीगरों के उत्पादों की पहचान करने के लिए मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नाबार्ड को ऐसी पहचान के लिए ग्रामीण टैग विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कौशल विकास में बैंकरों की भूमिका की सराहना की और आशा व्यक्त की कि इसी तरह की पहल पूरे देश में आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय ग्रामीण कारीगरों के उत्पादों की भारी मांग है जिसका लाभ उठाया जाना चाहिए।श्री बी. उदय भास्कर ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत हमेशा से विविध कलात्मकता की भूमि रहा है, और हमारे गांव संस्कृति और शिल्पकारिता के जीवित संग्रहालय हैं, जिनमें से प्रत्येक की एक कहानी, एक विरासत और एक पहचान है। उन्होंने आगे कहा कि नाबार्ड, भारत की प्रमुख विकास वित्तीय संस्था के रूप में, उनकी पहचान और विशिष्टता को प्रोत्साहित करने और संरक्षित करने में सबसे आगे रहा है।

चार दशकों से अधिक समय से, नाबार्ड ने कौशल विकास, वित्तीय सहायता और बाजार संपर्क प्रदान करके हजारों कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव नाबार्ड के मिशन की दिशा में एक और कदम है।

मुख्य अतिथि के हाथों एक उत्पाद कैटलॉग जारी किया गया, जिसमें महोत्सव में बिक्री के लिए रखे गए अधिकांश उत्कृष्ट उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

महोत्सव में प्रमुख वक्ताओं में श्री चिन्मय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक; श्री एस. राधाकृष्णन, सीजीएम, भारतीय स्टेट बैंक; श्रीमती मालिनी दिवाकला, निदेशक, एनआईएफटी शामिल थे।

समारोह का समापन नाबार्ड की उप महाप्रबंधक श्रीमती दीप्ति सुनील द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आज से

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाी ब्यूरो)।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग एवं भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय भाषाओं की अंतःसंवादिता: साहित्य, संस्कृति और समाज विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 9–10 अक्टूबर, 2025 को मानविकी संकाय के ऑडिटोरियम में आयोजित की जा रही है। यह संगोष्ठी भारतीय उपमहाद्वीप की भाषाई, सांस्कृतिक और सामाजिक विविधताओं को लेकर उनकी अंतःसंपर्क और समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 9 अक्टूबर को प्रातः 10:30 बजे प्रो. बी.जे. राव, कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय के द्वारा किया जाएगा। बीज व्याख्यान प्रो. मोहन, कुलपति, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, सिक्किम प्रस्तुत करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. पुलिकोंडा सुब्बा चारी (द्रविड विश्वविद्यालय) और अध्यक्षता प्रो. एम.टी. अन्सारी (मानविकी संकाय) द्वारा की जाएगी।

इस संगोष्ठी में देशभर के प्रतिष्ठित विद्वान, शिक्षाविद्, शोधार्थी और लेखक भाग लेंगे। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. माणिक्याम्बा 'मणि', प्रो. शशि मुदीराज, प्रो. प्रभाशंकर प्रेमी, प्रो. चंद्रशेखर रेड्डी, प्रो. सुनीता मंजनबैल, डॉ. पद्मावती, डॉ. एम. सुधा सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहेंगे।9 अक्टूबर को सायं 5 बजे सरोजिनी नायडू स्कूल ऑफ थिएटर आर्टस एंड कम्युनिकेशन के संगीत विभाग के सौजन्य से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

दूसरे दिन प्रमुख वक्ताओं में प्रो. एम. श्यामराव, प्रो. श्यामराव राठौड़, प्रो. आंजनेयुलु, प्रो. विद्यानंद आर्य, डॉ. डी नागेश्वर राव, डॉ. अमरनाथ प्रजापति सहित अनेक भाषाविद्, विद्वान और शोधार्थी एवं विद्यार्थी सहभागिता करेंगे।

समापन सत्र में प्रो. आर.एस. सर्राजु (भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली), प्रो. के.एल. वर्मा (कुलपति, छत्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय, नवी मुंबई) एवं डॉ. कमल कुमारी (अनुवादक) विशिष्ट अतिथि होंगे।इस अवसर पर बैंक ऑफ़ बडोदा, आंचलिक कार्यालय, हैदराबाद की ओर से 'बैंक ऑफ़ बडोदा मेधावी छात्र पुरस्कार' तथा हिंदी प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

यह संगोष्ठी भारतीय भाषाओं की विविधता, उनकी साहित्यिक और सांस्कृतिक भूमिकाओं को समझने तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

बिहार महिला शक्ति का माता की चौकी और गरबा नृत्य का आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद की इकाई बिहार महिला शक्ति द्वारा सोमवार, 6 अक्टूबर 2025 को बिहार भवन में धूमधाम से माता की चौकी और गरबा नृत्य का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य दशहरा पर्व के अवसर पर भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखना था।कार्यक्रम की शुरुआत माता दुर्गा की पूजा और आरती से हुई, जहां महिलाओं ने टीका लगाया एवं रक्षा सूत्र बांधे। विभिन्न लोक भाषाओं मैथिली, भोजपुरी, हिंदी में भजन गाकर सभी महिलाएं भक्ति में डूबी रहीं। इसके बाद भोग और प्रसाद वितरण हुआ।कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में महिलाएं डांडिया और गरबा नृत्य में रचनात्मकता एवं उत्साह के साथ भागीं। ऋद्धी गुप्ता द्वारा क्लासिकल एकल नृत्य ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रेखा सिंह, महासचिव डॉक्टर आशा मिश्र समेत अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

इस आयोजन में हजारों महिलाओं ने भागीदारी की और समापन के बाद सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। सभी सदस्यों ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

सीडीएफडी में हिंदी पखवाड़ा 2025 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र (सीडीएफडी) में दिनांक 14 से 30 सितंबर 2025 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान हिंदी राजभाषा सलाहकार वी. संतोषी दीपिका ने कार्यशाला में उपस्थित सभी का स्वागत किया। हिंदी पखवाड़े के अवसर पर हिंदी भाषी और हिन्दीतर भाषी स्टाफ के लिए निबंध लेखन, टिप्पण/आलेखन, अनुवाद, वाग्मिता, जस्ट-ए-मिनट और हिंदी अंताक्षरी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनांक 7 अक्टूबर 2025 को हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. उल्लास कोलथुर सीताराम, मुख्य अतिथि श्री चि.वें.सुब्बाराव, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी श्री जी. रवींदर, प्रमुख प्रशासन और हिंदी संपर्क अधिकारी बी. येसुदासु सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

निदेशक प्रो. उल्लास जी ने अपने संबोधन में तेलंगाना के यादाद्री जिले में आयोजित विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए विज्ञान को सामान्य जनता और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने पर बल दिया। मुख्य अतिथि श्री चि.वें.सुब्बाराव ने राजभाषा के महत्व एवं कार्यान्वयन पर विस्तृत चर्चा की और विभिन्न केंद्रीय संस्थानों में हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा और हिंदी माह का आयोजन वर्ष भर किया जाने का उल्लेख किया।

हिंदी संपर्क अधिकारी बी. येसुदासु ने समापन समारोह में उपस्थित सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा सलाहकार वी. संतोषी दीपिका ने किया।

यह कार्यक्रम हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और उसके प्रति संस्थान के कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

साहित्यवड दिवाली पत्रिका का हैदराबाद में विमोचन

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले आठ वर्षों से मराठी साहित्यिक गतिविधियों में लोकप्रिय मराठी साहित्य कट्टा द्वारा पाँचवाँ साहित्यवड दिवाली पत्रिका का शानदार विमोचन हाल ही में हैदराबाद के नल्लागंडला क्षेत्र में अपर्णा साइबरज़ोन के क्लब हाउस में संपन्न हुआ। इस दिवाली अंक का विमोचन राष्ट्रीय पोषण संस्थान की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने किया और अपने संस्थान के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

समारोह में लेखक और कवियों द्वारा पत्रिका में शामिल कुछ रचनाओं को प्रस्तुत किया गया। इसमें विद्या देवधर के वंदे मातरम लेख का पाठ, अवधूत कुलकर्णी और कांचन जतकर द्वारा कविता पाठ, मेघा देशपांडे द्वारा डॉ. नयना जोशी के मारुति चित्तमपल्ली पर आधारित लेख का पाठ, पुष्कर कुलकर्णी, संदीप केलकर, अदिति खांडेकर के लेख और आरती कोडग की कहानी शामिल थीं। इस डिजिटल दिवाली अंक का मुखपृष्ठ रश्मी नेमिवंत द्वारा तैयार किया गया है।संपादकीय अभिलाषा कुलकर्णी द्वारा रचित है। इस अंक में कविताएँ, कहानियाँ, साक्षात्कार, रेखाचित्र, लेख और यात्रा वृत्तांत आदि शामिल हैं।अरुण डवलेकर, पुष्कर कुलकर्णी, प्रवीण कावडकर, वेंकटेश कुलकर्णी, अभिलाषा कुलकर्णी, अवधूत कुलकर्णी, प्रीति पांडे, आरती कोडग, उज्ज्वला धर्म, तृप्ती आगाशे, प्रिया जोशी, अपर्णा कुलकर्णी और कविता वारके ने इस साहित्यिक अंक की तैयारी और विमोचन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

रतन नवल टाटा की प्रथम पुण्यतिथि पर सम्मेलन का आयोजन आज

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना नागरिक परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजनारायण मुदिराज और मानद सचिव श्री बंदरी दयानंद यादव ने बताया कि भारत के महान उद्य-ोगपति, समाजसेवी और पद्म भूषण तथा पद्म विभूषण से सम्मानित रतन नवल टाटा की प्रथम पुण्यतिथि 9 अक्टूबर को सुबह 11 बजे मैदीपटनम स्थित सेंट एन्स महिला महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में मनाई जाएगी।

इस अवसर पर तेलुगु, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में स्कूल और कॉलेज स्तर पर निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम में तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. इतिकला पुरुषोत्तम, उस्मानिया विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर श्री ए. पैट्रिक, सेंट एन्स महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सिस्टर विजया रानी, एसडीएसएमसी ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष श्री बंडारू दयानंद यादव, वाणिज्य विभागाध्यक्ष श्रीमती महिता दवाला, उच्च न्यायालय के प्रख्यात अधिवक्ता मोहम्मद अत्तार शरीफ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

रतन नवल टाटा का निधन 9 अक्टूबर 2024 को हुआ था। वे भारतीय उद्योग जगत के प्रेरक व्यक्तित्व, दूरदर्शी और समाजसेवी थे। उनकी पुण्यतिथि पर यह आयोजन उनके जीवन और कार्यों को सम्मानित करने तथा युवाओं को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

केंद्रीय रेशम बोर्ड ने किया नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए 100 दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण का उद्घाटन

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय रेशम बोर्ड के 117 नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए बुधवार को व्यापक प्रदर्शन और कौशल विकास प्रदान करने के लिए कई चरणों में संरचित 100 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ।42 दिन के प्रेरण प्रशिक्षण का पहला चरण यहां डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में आयोजित किया जाएगा, जो बुनियादी, प्रशासनिक, वित्तीय और व्यवहारिक मॉड्यूल पर केंद्रित है।इसके बाद चरण-खख होगा, जिसमें चयनित सीएसबी आर एंड डी संस्थानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है, और चरण खखख और खत, जो गैर-शहतूत रेशम पालन प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कार्यक्रम का समापन चरण-त के साथ होगा, जो कोकून के बाद के क्षेत्र और रेशम उद्योगों में अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को देश भर में शहतूत और वन्य रेशम क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं का क्षेत्र-स्तरीय प्रदर्शन प्राप्त होगा।

व्यापक पाठ्यक्रमप्रशिक्षण पाठ्यक्रम को तकनीकी, प्रशासनिक, वित्तीय और व्यवहारिक दक्षताओं और क्षेत्र प्रदर्शन को शामिल करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है, जिसका उद्देश्य नए वैज्ञानिकों के पेशेवर कौशल सेट को बढ़ाना और उन्हें कच्चे रेशम उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के केंद्रीय रेशम बोर्ड के मिशन में प्रभावी ढंग से योगदान करने में सक्षम बनाना है।

इक्रीसेट में मूंगफली प्रजनन से मजबूत उपज लाभ : आनुवंशिक लाभ मूल्यांकन से खुलासा

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। खाद्य, पोषण और खाद्य तेल सुरक्षा के केंद्र में मूंगफली के साथ, अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीअ-ारआईएसएटी) ने अपने मूंगफली प्रजनन कार्यक्रम में रियलाइज्ड जेनेटिक गेन (आरजीजी) को मापकर फसल सुधार में एक नया मानक स्थापित किया है।हाल ही में प्रकाशित अपने अध्ययन 'क्वांटिफाइज यील्ड गेन्स' में, आईसीआरआईएसएटी ने समय के साथ मूंगफली प्रजनन में स्थिर उपज सुधार की पुष्टि की, जबकि तेज प्रगति के लिए प्रजनन रणनीतियों को परिष्कृत करने के अवसरों की भी पहचान की। पिछले 2 दशकों में हासिल किए गए महत्वपूर्ण लाभ दर्शाते हैं कि कैसे आनुवंशिक प्रगति उच्च खेत उपज में बदल रही है, राष्ट्रीय और वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूत कर रही है।

हमारे प्रजनन प्रयासों के लाभों को मापना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सफलता प्राप्त किस्मों को विकसित करना। यह अध्ययन मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो हमें भविष्य के लिए तैयार किस्मों को प्रदान करने के लिए अपनी मूंगफली प्रजनन रणनीतियों को पुन: उन्मुख करने में मदद करता है, आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ हिमांशु पाठक ने कहा।

240 से अधिक सुधरी किस्मों का विकास

1976 से, आईसीआरआईएसएटी के मूंगफली प्रजनन कार्यक्रम ने 39 देशों में 240 से अधिक सुधरी किस्में जारी की हैं, जिससे एशिया और अफ्रीका में लाखों किसान परिवारों को लाभ हुआ है। विशेष रूप से, आईसीआरआईएसएटी ने भारत में एनएआरएस साझेदारों के साथ मिलकर पहली उच्च ओलिक एसिड किस्में, आईसीजीवी 15083 (गिरनार 4) और आईसीजीवी 15090 (गिरनार 5) जारी कीं।

अध्ययन ने आईसीआरआईएसएटी-नस्ल मूंगफली के दो प्रमुख बाजार प्रकारों -- स्पैनिश बंच और वर्जीनिया बंच -- पर ध्यान केंद्रित किया और उन्हें तीन प्रमुख उपज-संबंधित लक्षणों के लिए मूल्यांकन किया: फली उपज, शेलिंग प्रतिशत और बीज वजन।

1988 से आईसीआरआईएसएटी-नस्ल मूंगफली किस्मों के परीक्षण करते हुए, तीन से चार बढ़ते मौसमों को कवर करते हुए दो साल की अवधि में आयोजित, शोध आईसीआरआईएसएटी के प्रजनन प्रयासों के माध्यम से हासिल की गई स्थिर आनुवंशिक प्रगति को उजागर करता है।

अध्ययन ने मध्यम-अवधि की किस्मों में लगभग 27 किलोग्राम/हेक्टेयर और देर से पकने वाली किस्मों में 25 किलोग्राम/हेक्टेयर की वार्षिक उपज लाभ दर्ज किया, जो उत्पादकता पर मूंगफली प्रजनन कार्यक्रम के सुसंगत प्रभाव का स्पष्ट प्रमाण है।

यह अध्ययन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह फसल प्रजनन में निरंतर निवेश के मूल्य को प्रदर्शित करता है। उपज में प्रत्येक प्रतिशत वृद्धि अर्थव्यवस्था में जोड़े गए लाखों डॉलर में बदल जाती है, और अधिक महत्वपूर्ण रूप से, इसका मतलब है मेज पर अधिक भोजन और छोटे किसानों के लिए उच्च आय, आईसीआरआईएसएटी के उप महानिदेशक - अनुसंधान और नवाचार, डॉ स्टैनफोर्ड ब्लेड ने कहा।

अध्ययन ने शेलिंग प्रतिशत लक्षण में भिन्नताएं भी पाईं, जो उस क्षेत्र में प्रजनन रणनीतियों को परिष्कृत करने के अवसरों की ओर इशारा करती हैं। आईसीआरओीएसएटी में प्रमुख वैज्ञानिक - मूंगफली प्रजनन, डॉ जनिला पासुपुलेटी ने नोट किया कि जबकि परिणाम पिछले दो दशकों में एक सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाते हैं, प्रजनन में कंप्यूटेड टोमोग्राफी और जीनोमिक चयन जैसे उन्नत उपकरणों को एकीकृत करने की निरंतर आवश्यकता है।

आगे देखते हुए, आईसीआरओीएसएटी का मूंगफली प्रजनन कार्यक्रम जीनोमिक चयन, आधुनिक फेनोटाइपिंग, डेटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग को मिलाकर डेटा-संचालित प्रजनन दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। इस एकीकृत रणनीति का उद्देश्य 'सफलता मूंगफली किस्मों' के विकास को तेज करना है जो न केवल उच्च उपज देने वाली हैं बल्कि पोषण की दृष्टि से बेहतर, कीटों, बीमारियों और सूखे के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध वाली हैं।

रियलाइज्ड जेनेटिक गेन फॉर यील्ड एंड यील्ड एट्रिब्यूट्स इन ग्राउंडनट ब्रीडिंग एट आईसीअ-ारओीएसएटी फ्रॉम एन ईआरए ट्रायल शीर्षक वाले अध्ययन को फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस में प्रकाशित किया गया था। शोध को सीजीआईएआर रिसर्च प्रोग्राम ऑन ग्रेन लेग्यूम्स एंड ड्राईलैंड सीरियल्स (सीआरपी-जीएलडीसी) और ओपेक फंड फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (ओएफआईडी), ऑस्ट्रिया द्वारा समर्थित किया गया था।

वैज्ञानिक पशु परीक्षण के विकल्प तलाशने के लिए हैदराबाद में एकत्रित हुए

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैज्ञानिक प्रयोगों में पशुओं के उपयोग के विकल्प खोजने के उद्देश्य से तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज सीएसआईआर-कोशिकीय और आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सीसीएमबी), हैदराबाद में शुरू हुआ।एसएएई-आई 2025 सम्मेलन शीर्षक वाले इस कार्यक्रम का आयोजन सोसाइटी फॉर अल्टरनेटिव्स टू एनिमल एक्सपेरिमेंट्स-इंडिया (एसएएई-आई) और सीएसआईआर-सीसीएमबी द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है और यह 10 अक्टूबर तक जारी रहेगा।सम्मेलन में देश भर के विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संगठनों और उद्योगों से 180 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया है। यह पशु अनुसंधान में 3आर के वैश्विक सिद्धांत - प्रतिस्थापन, कमी और परिशोधन - के अनुरूप विचारों को साझा करने और नवाचारों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।कार्यक्रम में मुख्य भाषण, मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियां और इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं, जो ऑर्गेनॉइड मॉडल, इन विट्रो सिस्टम, कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान, विषविज्ञान और नैतिक अनुसंधान नवाचारों जैसे विविध क्षेत्रों को कवर करते हैं।मानवीय विज्ञान को वैश्विक गति मिल रही हैइस पहल के बारे में बोलते हुए, सीएसआईआर-सीसीएमबी के प्रधान वैज्ञानिक डॉ बोकारा किरण कुमार और मुख्य वैज्ञानिक डॉ मोहम्मद इदरीस ने जोर देकर कहा कि मानवीय विज्ञान को वैश्विक गति मिल रही है।पशु प्रयोगों के विकल्पों की खोज वैज्ञानिक सटीकता बनाए रखते हुए पशुओं के उपयोग को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। ऑर्गेनॉइड और स्टेम-सेल-आधारित मॉडल, इन विट्रो सिस्टम, कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन और एआई-संचालित भविष्यवाणी विषविज्ञान जैसे आधुनिक दृष्टिकोण जैव चिकित्सा अनुसंधान को बदल रहे हैं, उन्होंने कहा।उन्होंने आगे कहा कि इस कार्यक्रम की मेजबानी करके, सीएसआईआर-सीसीएमबी नैतिक वैज्ञानिक प्रथाओं को कायम रखते हुए अत्याधुनिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

छह तेलंगाना जिलों में 12 अक्टूबर को विशेष पल्स पोलियो अभियान

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पोलियो वायरस के पुनः उभरने को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के हिस्से के रूप में 12 अक्टूबर को तेलंगाना के छह जिलों - हैदराबाद, रंगा रेड्डी, मेडचल, संगारेड्डी, हनमकोंडा और वारंगल जिले के शहरी क्षेत्रों - में एक विशेष पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस विशेष अभियान के लिए भारत भर में 290 जिलों की पहचान की है, जो उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां उन देशों से लोगों की बार-बार आवाजाही होती है जहां पोलियो के मामले अभी भी रिपोर्ट किए जा रहे हैं, जैसे बांग्लादेश और पाकिस्तान। तेलंगाना में छह जिलों को शामिल करना इसी सावधानी रणनीति का पालन करता है।स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान इन जिलों में पांच वर्ष से कम उम्र के अनुमानित 17,56,789 बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन दी जाएगी।व्यापक व्यवस्थाएं की गईंस्वास्थ्य विभाग ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नवजात शिशुओं से लेकर पांच वर्ष के बच्चों तक, हर पात्र बच्चे को टीकाकरण मिले।अधिकारियों ने याद दिलाया कि तेलंगाना में अंतिम पोलियो मामला 2007 में रिपोर्ट किया गया था, और भारत में अंतिम मामला 2011 में। तब से, देश पोलियो-मुक्त बना हुआ है, लेकिन पड़ोसी देशों में रिपोर्ट किए गए मामलों के कारण निरंतर सतर्कता आवश्यक है।स्वास्थ्य विभाग ने माता-पिता से अपील की है कि वे अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों का टीकाकरण हो, जो भारत की पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

नितिज्ञा हरकारा प्रोफेशनल्स कांग्रेस की तेलंगाना आईटी डोमेन प्रमुख नियुक्त

हैदराबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय प्रोफेशनल्स कांग्रेस (एआईपीसी) ने नितिज्ञा हरकारा को प्रोफेशनल्स कांग्रेस के लिए तेलंगाना आईटी डोमेन का प्रमुख नियुक्त किया है। एक अत्यधिक अनुभवी आईटी पेशेवर और प्रमाणित प्रोजेक्ट मैनेजर, नितिज्ञा अपने साथ सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रबंधन में 14 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता लेकर आई हैं।

उन्हें उनके नेतृत्व, रणनीतिक योजना और जटिल परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक तथा बजट के भीतर पूरा करने की क्षमता के लिए जाना जाता है।

नितिज्ञा सामुदायिक सेवा में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं, उन्होंने रेनोवो हॉस्पिटल्स के डॉ. नागेश के सहयोग से 50 से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया है। उनके काम ने स्वयंसेवकों को जुटाने और स्वास्थ्य सेवा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने में मदद की है।

इसके अतिरिक्त, वह वर्ल्ड तेलुगु आईटी काउंसिल (डब्ल्यूटीआईटीसी) की महिला सचिव सदस्य और तेलंगाना आईटी एसोसिएशन (टीआईटीए) की महिला सचिव सदस्य के रूप में तकनीकी समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाती हैं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

वधू चाहिए
हैदराबाद, लंगर हाउस निवासी 37 वर्षीय उच्च शिक्षित, सुन्दर, सुशील व संपन्न परिवार के इकलौते युवक को हिन्दी भाषी, शुद्ध शाकाहारी, मध्यम वर्गीय परिवार की (तलाकशुदा भी चलेगी) वधू की आवश्यकता है। संपर्क करें- 9701813435 / 7799578717.

CHANGE OF NAME
I, No.15824541N Hav Manjeet Singh of, Aoc Records, Secunderabad, TS that my mother name is changed from PREM WATI DEVI to PREM

CHANGE OF NAME
I, No.6947239P Hav Lagamanna Mamagoudra of Aoc record, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father name is changed from LAXMAN to LAXMAN BANAPPA MAMAGOUDRA and also my mother name is changed from AKKAVYA to AKKAVVA MAMAGOUDRA

CHANGE OF NAME
I, SHANTHA Spouse of Service No.01365590M Ex.Naik S KOMARIAH, Resident of H.No.1-15/73/1, Machanapalli, Jammikunta, Karimnagar-505122, Telangana have changed my name from SHANTHA to SAMUDRALA SHANTHA vide affidavit dt:8-10-2025 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Prakash Nagar, Begumpet, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SUBADRA Spouse of Service No. 1359452P ESM NAIK (TS) ANUGU MANOHAR REDDY, Resident of H.No.4-9-51/P 11, 12/F 101, 102, AMR Sunshine Homes, Pragathi Nagar, P.O:Hayathnagar, Ranga Reddy Dist-501505, Telangana have changed my name from SUBADRA to ANUGU SUBADRA vide affidavit dt:08-10-2025 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Prakash Nagar, Begumpet, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, GEETA SUJATA Spouse of Service No. 644034L Ex.Sergeant JAMPALA SAMBASIVA RAO, Residing at B 1501, One City, KPHB 5th Phase, KPHB Colony, JNTU Post, Kukatpally, Hyderabad-500085, Medchal Malkajgiri Dist, Telangana have changed my name from GEETA SUJATA to JAMPALA GEETHA SUJATHA vide affidavit dt:7-10-2025 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, VARALAKASMI, is legally dependent Mother of Service No. 14672901W, Rank: HAV, Name: UMAPATI KOMATURU, Unit: EME RECORDS, SECUNDERABAD, residing at VILL:ANTHARAKUDDA, PO:ANTHARAKUDDA, TEH:PALASA, DIST:SRIKAKULAM, STATE:ANDHRA PRADESH, PIN: 532222, I have Changed my name from VARALAKASMI to KOMATURU VARALAKSHMI, My Date of Birth is 01-01-1962, Affidavit Singed by Advocate And Notary P DAYAVATHI, LLM date 08/10/2025

CHANGE OF NAME
I, K MADHAVI, is legally Wedded Wife of Service No. 14672901W, Rank: HAV, Name: UMAPATI KOMATURU, Unit: EME RECORDS, Secunderabad, residing at VILL: ANTHARAKUDDA, PO:ANTHARAKUDDA, TEH:PALASA, DIST: SRIKAKULAM, STATE: ANDHRA PRADESH, PIN: 532222, I have Changed my name from K MADHAVI to KOMATURU MADHAVI, That my date of birth is 01-01-1989, Affidavit Singed by Advocate And Notary P DAYAVATHI, LLM date 08/10/2025

CHANGE OF NAME
I, SHILA DEVI is legally Mother of service No 14662871W, Rank-HAV, Name-Rajesh Kumar Gupta R/o Vill-Gaddi Mohalla, Panchgarhi Bazar,PO & PS-Katrasgarh,District-Dhanbad, PIN-828113, State-Jharkhand, have changed my name from SHILA DEVI to SHEELA DEVI add in my Son service documents vide affidavit date 07 Oct 2025 Before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, KASUNDRA GANGA RAM BHAI is legally Father of service No 17015731K Rank-HAV, Name- Kasundra Vijaykumar Gangarambhai R/o Pitru Krupa,4-Rushikesh Society, Opp Shiv Shakti Society, University Road, Teh-Rajkot, District-Rajkot,PIN-360005,State-Gujarat, have changed my name from KASUNDRA GANGA RAM BHAI to KASUNDRA GANGARAMBHAI AJARAMARBHAI and also date of birth changed from 20/02/1968 to 20/02/1958 add in my Son service documents vide affidavit date 03 Sep 2025 Before Notary J M Kuvadiya Advocate Rajkot.

CHANGE OF NAME
I, LEELA BEN is legally Mother of service No 17015731K Rank-HAV, Name- Kasundra Vijaykumar Gangarambhai R/o Pitru Krupa, 4-Rushikesh Society,Opp Shiv Shakti Society, University Road, Teh-Rajkot, District-Rajkot,PIN-360005, State-Gujarat, have changed my name from LEELA BEN to KASUNDRA LEELABEN GANGARAMBHAI add in my Son service documents vide affidavit date 03 Sep 2025 Before Notary J M Kuvadiya Advocate Rajkot.

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक मानकों के साथ शिक्षित किया जाना चाहिए : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) दीपक तिवारी ने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक कदम उठा रही है और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। बुधवार को उन्होंने जिले के आसिफाबाद मंडल के चिर्राकुंटा और रिंगन गुड़ा गाँवों में मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालयों का दौरा किया और एफएलएन, एआई, एएक्सएल कार्यक्रमों की प्रगति का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शैक्षिक मानकों का पालन करते हुए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से छात्रों को मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता में दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शैक्षणिक उत्कृष्टता और कक्षा में प्रौद्योगिकी के उपयोग में कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की और शिक्षकों को कई सुझाव दिए।

कई छात्रों का चयन लर्निंग आउटकम टेस्ट के लिए किया गया और उनके सीखने के परिणामों का परीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन योजना में विद्यार्थियों को मेनू के अनुसार समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन का स्वाद चखा और स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों पर कई सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को प्राथमिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए और अधिक समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए और सरकारी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करके विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में सुधार लाने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए और प्रत्येक विद्यार्थी को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में मंडल शिक्षा विभाग के अधिकारियों और विद्यालय के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

जिला अपर कलेक्टर ने विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा के माध्यम से छात्रों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट क्लासरूम जैसी सुविधाओं का उपयोग करके छात्रों को 21वीं सदी की शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। तिवारी ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे नवीनतम शिक्षण विधियों को अपनाएं और छात्रों में रचनात्मकता एवं समस्या समाधान कौशल विकसित करें।

दौरे के दौरान जिला अपर कलेक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि शिक्षा में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभिभावक-शिक्षक बैठकों का नियमित आयोजन किया जाना चाहिए ताकि बच्चों की प्रगति पर नजर रखी जा सके। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समितियों को भी सक्रिय रूप से कार्य करने और स्कूलों के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

तिवारी ने विद्यालयों में पेयजल, शौचालय, खेल के मैदान और पुस्तकालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में ही छात्र बेहतर तरीके से सीख सकते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी कमी को तुरंत दूर किया जाए और छात्रों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

मतगणना केंद्र पर पूरी व्यवस्था की जाए

आसिफाबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। द्वितीय आम पंचायत चुनाव के संदर्भ में, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने निर्देश दिए कि मतगणना केंद्र पर पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बुधवार को जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) डेविड, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला और जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लक्ष्मीनारायण ने जिले के कागजनगर कस्बे में शासकीय डिग्री कॉलेज और शासकीय जूनियर कॉलेज में स्थापित एमपीटीसी और जेडपीटीसी सीटों के लिए मतगणना केंद्र का दौरा किया। उन्होंने मतगणना कक्षों और स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि चूँकि सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के सभी मंडलों की एमपीटीसी और जेडपीटीसी सीटों के लिए मतगणना कार्यक्रम शासकीय डिग्री और जूनियर कॉलेजों में आयोजित किया जा रहा है, इसलिए इसे राज्य निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार सख्ती से संचालित किया जाना चाहिए। स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्षों में आवश्यक व्यवस्थाएँ की जानी चाहिए ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और सुरक्षित रहे।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में एमपीटीसी और जेडपीटीसी सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में होंगे और चुनाव के बाद मतपेटियों को पूरी सुरक्षा के साथ मतगणना केंद्रों में सुरक्षित रखा जाएगा। मतगणना की व्यवस्थाओं में कोई समस्या न आए, इसके लिए अधिकारी प्रत्येक मतदान केंद्र का दौरा करें और आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मतदाता बिना किसी परेशानी के शांतिपूर्वक अपना मतदान कर सकें।

भूभारती आवेदनों का शीघ्र समाधान किया जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि भूमि संबंधी मुद्दों के शीघ्र समाधान हेतु सरकार द्वारा आयोजित भूभारती राजस्व सम्मेलनों में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण करने के लिए अधिकारी आवश्यक कदम उठाएँ। बुधवार को जिले के कागजनगर कस्बे में स्थित उपजिलाधिकारी कार्यालय में भूभारती आवेदनों के समाधान हेतु संभाग के मंडल तहसीलदारों, जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) डेविड और उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि भूभारती ग्राम सभाओं में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का अभिलेखों से सत्यापन किया जाए और क्षेत्र स्तर पर गहन जाँच की जाए। इसके साथ ही, नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाम, पिता का नाम, उपनाम, क्षेत्रफल, उत्तराधिकार पट्टा परिवर्तन और डिजिटल हस्ताक्षर से संबंधित प्राप्त आवेदनों की जाँच कर जल्द से जल्द समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी मैदानी स्तर पर जाकर यह सुनिश्चित करें कि आवेदक संबंधित भूमि पर वास्तविक रूप से खेती कर रहा है और आवेदनों का निस्तारण बिना किसी लंबित समस्या के निर्धारित समय सीमा में किया जाए। बैठक के दौरान मंडलवार लंबित आवेदनों के विवरण की समीक्षा भी की गई।इस कार्यक्रम में जिले के सभी तहसीलदारों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया।

छात्रावास के छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान की जाए : खुशबू गुप्ता

आसिफाबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
उटनूर समग्र आदिवासी विकास संगठन की परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने कहा कि सरकारी कल्याण छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को बेहतर और गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। बुधवार को उन्होंने कुम्हारभीम आसिफाबाद ज़िला मुख्यालय स्थित आदिवासी आश्रम विद्यालयों (बालिका, बालक) और कागजनगर आदिवासी आश्रम विद्यालयों (बालिका, बालक) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा, चिकित्सा एवं भोजन की व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा संबंधित जानकारी ली।

इस अवसर पर परियोजना अधिकारी ने कहा कि छात्रों को विषय के अनुसार समझने योग्य तरीके से शिक्षा प्रदान की जाए तथा मेन्यू के अनुसार प्रतिदिन पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि बारिश के मौसम में मच्छरों से फैलने वाली डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए एहतियाती कदम उठाए जाएँ। साथ ही, छात्रावास परिसर में वर्षा का पानी जमा न होने पाए, इसके लिए नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने रसोई, स्टोर रूम, पेयजल और शौचालयों को प्रतिदिन स्वच्छ रखने पर भी विशेष जोर दिया।इसके बाद, उन्होंने कक्षा में विद्यार्थियों को पाठ पढ़ाया और विषयवार प्रश्न पूछकर उनकी सीखने की क्षमता का परीक्षण किया। शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रत्येक विद्यार्थी के लिए पढ़ना और लिखना अनिवार्य होना चाहिए। इस दौरान शिक्षकों द्वारा मासिक धर्म के दौरान स्टाफ रूम में समय व्यतीत करने और समय पालन में लापरवाही पर रोष व्यक्त करते हुए संबंधित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यालय के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एसीबी ने रिश्वत लेते डीसीए के दो अधिकारियों और एक निजी कर्मचारी को किया गिरफ्तार

मंचेरियाल, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार रात औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) के दो अधिकारियों और एक निजी कर्मचारी को एक मेडिकल दुकान के मालिक से रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में सहायक निदेशक मरियाला श्रीनिवासुलु, ड्रग्स इंस्पेक्टर कार्तिक भारद्वाज, और निजी कर्मचारी पुल्लुरी रामू शामिल हैं।एसीबी डीएसपी विजय कुमार के अनुसार, सहायक निदेशक और निरीक्षक ने कस्बे की डॉक्टर्स स्ट्रीट स्थित एक मेडिकल दुकान से वार्षिक निरीक्षण रिपोर्ट जारी

करने के लिए 20,000 की रिश्वत मांगी थी। जब दुकान मालिक ने रिश्वत देने से इनकार किया, तो उसने एसीबी से संपर्क किया। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया और मंगलवार रात को कार्रवाई करते हुए अधिकारियों को पकड़ लिया।अधिकारियों ने खुद पैसे लेने के बजाय रामू को पैसे लेने के लिए भेजा। एसीबी टीम ने विजेता अस्पताल के सामने शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए रामू को गिरफ्तार कर लिया। रामू के कबूलनामे के आधार पर एसीबी ने सहायक निदेशक श्रीनिवासुलु और इंस्पेक्टर कार्तिक भारद्वाज को चैतन्यपुरी स्थित उनके कार्यालय से हिरासत में ले लिया।

निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए सराहनीय कदम

बीएनआरकेएस ने घायल मजदूर लच्छन्ना को आर्थिक सहायता प्रदान की

मंचेरियल, 08 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मंचेरियल जिले के वेमनपल्ली संगम क्षेत्र में निर्माण श्रमिक संघ (बीएनआरकेएस) ने एक घायल मजदूर को वित्तीय सहायता प्रदान कर मानवता का अनुपम उदाहरण पेश किया है। गोरलापल्ली गांव के निवासी लच्छन्ना सुतारी (मिस्त्री), जिनका काम पर जाते समय पैर टूट गया था, को संगठन ने 10,000 रुपये की आर्थिक मदद दी। यह सहायता श्रमिक बंधुओं के कल्याण के प्रति संघ की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।लच्छन्ना सुतारी एक अनुभवी निर्माण मिस्त्री हैं, जो दैनिक मजदूरी पर निर्भर हैं। हाल ही में काम पर जाते समय एक दुर्घटना में उनका पैर बुरी तरह चोटिल हो गया, जिससे उनका इलाज और परिवार का भरण-पोषण प्रभावित हो गया। इस कठिनाई को भांपते हुए बीएनआरकेएस मंचेरियल जिला वेमनपल्ली संगम ने तुरंत कार्रवाई की। संगठन के नेताओं ने लच्छन्ना के घर पहुंचकर न केवल सहायता राशि सौंपी, बल्कि उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के उपाय सुझाए।सहायता वितरण कार्यक्रम वेमनपल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय श्रमिक समुदाय ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संगठन के अधिकारियों ने कहा कि यह सहायता बीएनआरकेएस की नियमित कल्याण योजना का हिस्सा है, जो दुर्घटना, बीमारी या अन्य संकटों में मजदूरों की मदद करती है।

कार्तिक मास में मंदिरों में पूज्य अर्चना जारी

मदनूर, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्थानिक भक्तों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक मास के अंतर्गत प्रत्येक दिन प्रातःकाल पांच बजे के समय भक्तजन स्थानिक बालाजी मंदिर से भगवान के नाम स्मरण के साथ भजन, शंखनाद और प्रभात फेरी के रूप में विभिन्न मंदिरों के दर्शन कर आरती कर रहे हैं।

भक्तों ने बताया कि मदनूर मंडल केंद्र में सैकड़ों वर्षों से यह प्रभात फेरी परंपरा निरंतर रूप से चल रही है। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागी बनकर अपने जीवन को धन्य कर रहे हैं।

यह कार्यक्रम पूरे एक माह तक, अर्थात् कार्तिक पूर्णिमा तक, प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा। इस दौरान भक्त प्रातःकाल सभी मंदिरों में जाकर भजन-कीर्तन के साथ प्रदक्षिणा और आरती करेंगे।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर गैरेथ विन्न ओवेन ने दी प्रसिद्ध फोटोजर्नलिस्ट को बधाई

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ऑस्ट्रेलिया की राजकीय संस्था, रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी, यूके द्वारा सम्मानित अंतरराष्ट्रीय स्तर के विख्यात फोटोजर्नलिस्ट मोहम्मद शमसुद्दीन को ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर, गैरेथ विन्न ओवेन ने बधाई दी।

1853 में स्थापित रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी विश्व की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित फोटोग्राफी संस्था है, जिसे फोटोग्राफिक उत्कृष्टता और कलात्मक उपलब्धि का मानक माना जाता है। मोहम्मद शमसुद्दीन को दिया गया एपीआरएस सम्मान इस सोसाइटी की रॉयल विरासत को दर्शाता है, जिसका आरंभ महारानी विक्टोरिया और राजकुमार अल्बर्ट के संरक्षण से हुआ था, और वर्तमान में प्रिंसेस ऑफ वेल्स इसकी संरक्षक हैं। लंदन के विक्टोरिया और अल्बर्ट म्यूजियम का भी इस संस्था के साथ ऐतिहासिक संबंध है।

मुलाकात के दौरान, गैरेथ विन्न ओवेन ने मोहम्मद शमसुद्दीन की अंतरराष्ट्रीय खेल फोटोग्राफी में की गई उत्कृष्ट उपलब्धियों की प्रशंसा की और उन्हें हैदराबाद, तेलंगाना से इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित एकमात्र फोटोजर्नलिस्ट के रूप में अपने कार्य की अनूठी पहचान के लिए बधाई दी।

गलत साइड ड्राइविंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई

-पहले सप्ताह में 10,652 चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने अक्टूबर के पहले सप्ताह में 10,652 वाहनों के चालकों के खिलाफ गलत दिशा में ड्राइविंग करने पर मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई शहर के मार्गों को सुरक्षित बनाने और सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जान माल की हानि को कम करने के लिए की जा रही विशेष ड्राइव के अंतर्गत की गई।हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त आयुक्त डी. जोएल डेविस ने बताया कि गलत साइड ड्राइविंग केवल यातायात जाम का कारण नहीं बनती बल्कि यह स्वयं चालक और अन्य रास्ते उपयोगकर्ताओं के जीवन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है।

अबिद रसूल ने कांग्रेस सरकार पर मुसलमानों के प्रति धोखाधड़ी का आरोप लगाया

-कब्रिस्तान भूमि आवंटन को लेकर जताई नाराजगी

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अबिद रसूल खान ने सत्ताधारी कांग्रेस सरकार पर जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के मुसलमानों की भावनाओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मुसलमान लंबे समय से कब्रिस्तान के लिए भूमि की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने समुदाय को खुश करने के इरादे से बिना उचित जांच के 2,500 वर्ग गज की जमीन मस्जिद गैराबाद, शेखपेट मंडल में वक्फ बोर्ड के आदेश द्वारा एक अनधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर से आवंटित की।

रसूल ने कहा कि मोहम्मद सफियुल्लाह नामक अधिकारी को ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार नहीं है और आवंटन से पहले कोई उचित तैयारियां नहीं की गईं क्योंकि यह जमीन रक्षा प्रतिष्ठानों की है और इसे सेना ने कब्ज़ा कर रखा है। शेखपेट में असफलता को छुपाने के लिए सरकार ने एर्रागड्डा में 7,500 वर्ग गज की दूसरी वक्फ भूमि भी आवंटित की, जिस पर स्थानीय निवासियों विशेषकर गैर-मुस्लिम समुदाय ने सुरक्षा सम्बन्धी आपत्तियां जताईं।

रसूल ने कहा कि यदि सरकार सच में मुस्लिम समुदाय की मदद करना चाहती तो स्थानीय लोगों द्वारा चिन्हित और अधिकारियों को सौंपे गए तीन सरकारी जमीनों में से कोई एक आवंटित करती।

उन्होंने चुनावों के लिए राज्यपाल कोटे के तहत चडउ उम्मीदवारों के चयन पर भी कांग्रेस पर असमान व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने मोहम्मद अज़हरुद्दीन को जुबली हिल्स चुनाव में प्रचार करने और अपनी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर नहीं दिया। इसके बजाय, कांग्रेस ने उन्हें चडउ घोषित किया, यह जानते हुए कि तेलंगाना के राज्यपाल इसे मंजूरी नहीं देंगे, क्योंकि अज़हरुद्दीन एक राजनेता हैं और स्पोर्ट्स कोटे के तहत योग्य नहीं हैं।

रसूल ने कांग्रेस सरकार से मांग की कि वह मुस्लिम अल्पसंख्यकों को सशक्त बनाने के लिए निष्पक्ष और पारदर्शितापूर्ण तरीके से काम करे, खासतौर पर राहुल गांधी और पार्टी द्वारा जारी की गई मुस्लिम घोषणा के अनुसार।

बीजेपी मेदक सांसद एम. रघुनंदन राव, जो बीजेपी के उपचुनाव अभियान प्रभारी भी हैं, पहले आरोप लगा चुके हैं कि राज्य सरकार ने चुनाव कोड लागू होने के कुछ घंटे पहले यह आदेश जारी किया, जिसको उन्होंने जुबली हिल्स उपचुनाव में एक खास समुदाय के वोट पाने के लिए मनुहार राजनीति कहा।

जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव

राजनीतिक दलों से आदर्श आचार संहिता का पालन करने का आग्रह

–आचार संहिता का उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। (वार्ता) जिला चुनाव अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने राजनीतिक दलों और उनके प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे केंद्रीय चुनाव आयोग (सीईसी) के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके।

बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित एक बैठक में, कर्णन ने उपस्थित लोगों को पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से चुनाव कार्यक्रम और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने याद दिलाया कि 6 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी और निर्वाचन क्षेत्र के भीतर सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से पोस्टर और बैनर हटाने का काम बिना किसी देरी के शुरू कर दिया गया था। कर्णन ने राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार के मानदंडों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि एमसीसी के किसी भी उल्लंघन पर आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति पर राजनीतिक विज्ञापन प्रतिबंधित हैं, और निजी संपत्ति पर प्रचार सामग्री के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अनधिकृत विज्ञापनों को, भले ही उन्हें फिर से लगा दिया जाए, फिर से हटा दिया जाएगा और इसकी लागत जिम्मेदार पक्ष से वसूली जाएगी।

जिला चुनाव अधिकारी ने यह भी बताया कि रिटर्निंग ऑफिसर का कार्यालय शेखपेट तहसीलदार कार्यालय में स्थापित किया गया है, जहां 13 अक्टूबर से नामांकन स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि सीईसी के दिशानिर्देशों के अनुरूप नामांकन प्रक्रिया के दौरान कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे।

कर्णन ने आगे घोषणा की कि मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी, और मतदाताओं के लिए अपने फोन को सुरक्षित रूप से रखने के लिए जमा काउंटर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राजनीतिक दलों को अपने उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा मीडिया में करना होगा, जिसमें उनके चयन के कारणों की व्याख्या भी करनी होगी।

इस उपचुनाव में राज्य में पहली बार होने वाली एक नई पहल पर प्रकाश डालते हुए कर्णन ने कहा कि मतदाताओं की स्पष्टता बढ़ाने के लिए जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान ईवीएम पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें छापी जाएंगी।

बैठक को संबोधित करते हुए हैदराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल ने आश्वासन दिया कि पुलिस विभाग शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरा सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने पार्टियों से प्रचार गतिविधियों को जिम्मेदारी से और जनता को असुविधा पहुँचाए बिना आयोजित करने का आग्रह किया।

कर्णन ने स्पष्ट किया कि चूँकि जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र राज्य की राजधानी और जीएचएमसी सीमा के भीतर आता है, इसलिए आदर्श आचार संहिता विशेष रूप से इसी निर्वाचन क्षेत्र पर लागू होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्वाचन क्षेत्र के भीतर या बाहर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए नकदी, शराब या प्रलोभन बांटते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस बैठक में अतिरिक्त चुनाव आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, डीसीपी अपूर्वा राव, रिटर्निंग ऑफिसर पी. साईराम और प्रमुख राजनीतिक दलों - कांग्रेस, भाजपा, बीआरएस, एआईएमआईएम, सीपीआई(एम), बसपा, आप और टीडीपी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तेलंगाना जुबली हिल्स उपचुनाव: सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नवीन यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने आज रात 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए वी. नवीन यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया।एक विज्ञप्ति में, एआईसीसी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधानसभा के आगामी उपचुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नवीन यादव की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के प्रभारी एआईसीसी और टीपीसीसी अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड के साथ मिलकर मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान कई सर्वेक्षण रिपोर्टों की समीक्षा करने के बाद जुबली हिल्स विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी नवीन के नाम को मंजूरी दी। मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने पहले ही मगंटि सुनीता को जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया था। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए मगंटि सुनीता गोपीनाथ को पार्टी की उम्मीदवार के रूप में घोषित किया था, जो उनके पति मगंटि गोपीनाथ की मृत्यु के कारण आवश्यक हो गया था।सूत्रों के अनुसार, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), जो अब तक उपचुनाव पर मौन है, 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स उपचुनाव में भाग नहीं लेने की संभावना है। जुबली हिल्स उपचुनाव से दूर रहने के एआईएमआईएम के कदम को अल्पसंख्यक वोटों के विभाजन को रोकने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार सुनिश्चित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।हालांकि, भाजपा ने अभी तक उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार को अंतिम रूप नहीं दिया है।जुबली हिल्स विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का उपचुनाव 11 नवंबर को आयोजित किया जाएगा और परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन क्षेत्र में कुल 3.99 लाख मतदाता हैं, जिनमें 2.07 लाख पुरुष और 1.91 लाख महिला मतदाता शामिल हैं।सत्तारूढ़ कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बीआरएस विधायक मगंटि गोपीनाथ के असामयिक निधन के कारण खाली हुई सीट पर नजर रखे हुए हैं।

केटीआर ने किया मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर कड़ा प्रहार

–गैर भरणा किराया न देने के कारण गुरुकुल स्कूलों की बंदिशों पर नाराजगी जताई

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा प्रहार करते हुए तेलंगाना की प्रतिष्ठित वेलफेयर गुरुकुल शैक्षिक संस्थाओं को बंद किए जाने की धमकी को कहा कि ये स्कूल जो कभी पूरे देश के लिए आदर्श माने जाते थे, भवनों के किराए का भुगतान न किए जाने के कारण बंद होने की कगार पर हैं।

केटीआर ने इसे एक शर्मनाक और निर्दयी कृत्य बताया और कहा कि लाखों गरीब छात्रों के जीवन को बदलने वाले गुरुकुल स्कूलों को बंद करना राज्य की शासन व्यवस्था का एक काला अध्याय है। उन्होंने मुख्यमंत्री, जो शिक्षा विभाग भी संभालते हैं, पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लगभग एक वर्ष से किराया बकाया है।

केटीआर ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी की इस कार्रवाई की नाकामी पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा स्थापित इस वेलफेयर मॉडल को तोड़ने की एक साजिश का हिस्सा है ताकि उनके शासन की विरासत मिटाई जा सके। उन्होंने कहा, जब मुख्यमंत्री करोड़ों रुपये पर विराजमान हैं, तब गरीब छात्रों के सपनों के भवन बंद किए जा रहे हैं। यह न केवल अक्षमता बल्कि जानबूझकर क्रूरता भी है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की बुनियादी बकाया राशि तक न चुकाने से वित्तीय और प्रशासनिक अनुशासन पूरी तरह ढह चुका है। केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर फीस प्रतिपूर्ति बकाया रोकने का भी आरोप लगाया, जिससे हजारों छात्र अनिश्चितता की स्थिति में आ गए हैं। रेवंत रेड्डी न केवल खजाने को दिवालिया कर रहे हैं, बल्कि हमारी युवाओं के भविष्य को भी दिवालिया कर रहे हैं, उन्होंने कहा।

उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना के गुरुकुल प्रणाली ने पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर उच्च जाति के छात्रों को विश्व स्तरीय आवासीय शिक्षा प्रदान की है। यह बराबरी और सशक्तिकरण का प्रतीक बन गया है। केटीआर ने चेतावनी दी, यदि कांग्रेस सरकार इस समावेशी शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने की हिम्मत करती है, तो बीआरएस चुप नहीं बैठेगा।

केटीआर ने सरकार से सभी बकाया किराया जारी करने की मांग की ताकि छात्रों की शिक्षा और गरिमा की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा, यदि कांग्रेस इस छात्र विरोधी रवैये को जारी रखती है और गुरुकुल स्कूलों को बंद रहने देती है, तो हम छात्रों और अभिभावकों के साथ मिलकर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे और इस अहंकारी सरकार को सबक सिखाएंगे।

उन्होंने रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने दो वर्षों में तेलंगाना को 2.5 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में धकेला है जबकि बुनियादी भुगतान तक नहीं किए गए हैं। उन्होंने सार्वजनिक व्यय में पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा, तेलंगाना के लोग जल्द ही रेवंत रेड्डी को इस विश्वासघात के लिए जवाबदेह ठहराएंगे।

तेलंगाना डीसीए ने जारी किया सार्वजनिक अलर्ट

दो खांसी की सिरप में पाया गया विषैला डाइएथाइलीन ग्लाइकोल, बिक्री पर पाबंदी

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन ने दो खांसी की सिरपों को लेकर सार्वजनिक अलर्ट जारी किया है, जिनमें डाइएथाइलीन ग्लाइकोल नामक अत्यंत विषैला पदार्थ पाया गया है, जो गंभीर स्वास्थ्य खतरों का कारण बन सकता है।

मध्य प्रदेश सरकार के ड्रग टेस्टिंग लैब के रिपोर्ट के आधार पर, रिलाइफ खांसी की सिरप (जिसमें अम्ब्रोक्सोल हाइड्रोक्लोराइड, गुयाफेनेसिन, टरब्यूटालिन सल्फेट और मेंथॉल शामिल हैं), जो गुजरात की कंपनी द्वारा निर्मित है, और खांसी की सिरप (जिसमें ब्रोमहेक्सिन हाइड्रोक्लोराइड, टरब्यूटालिन सल्फेट, गुयाफेनेसिन और मेंथॉल शामिल हैं), जो अहमदाबाद की एक कंपनी द्वारा बनाई गई है, को मानव उपयोग के लिए असुरक्षित घोषित किया गया है।

दोनों सिरप की बचे हुई बॅच दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही हैं।

डीसीए ने जनता से अनुरोध किया है कि यदि उनके पास ये खांसी की सिरप हैं तो वे उनका तुरंत उपयोग बंद करें और बिना देरी के निकटतम ड्रग्स कंट्रोल अधिकारि को इसकी सूचना दें। जनता डीसीए से सीधे टोल-फ्री नंबर 1800-599-6969 पर सम्पर्क भी कर सकती है, जो सभी कार्य दिवसों में सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यरत रहता है।

तेलंगाना के सभी ड्रग इंस्पेक्टरों और सहायक निदेशकों को निर्देशित किया गया है कि वे रिटेलर्स, थोक विक्रेताओं, वितरकों और अस्पतालों को सतर्क करें कि वे उक्त सिरप की उपलब्ध स्टॉक को तत्काल फ्रीज कर दें और किसी भी हालत में इसे बेचना या वितरित न करें।

डीसीए ने कड़े प्रवर्तन उपाय शुरू कर दिए हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य के खतरे को रोकने के लिए स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। निदेशक जनरल शाहनवाज कासिम ने कहा कि प्रशासन जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है और लोगों से अत्यंत सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि डाइएथाइलीन ग्लाइकोल के सम्पर्क में आने से गंभीर विषाक्तता हो सकती है जो स्वास्थ्य के लिए घातक है।

कांग्रेस मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और अद्लूरी लक्ष्मण के बीच सुलह

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अद्लूरी लक्ष्मण कुमार के बीच चल रही कूटनीतिक खटपट बुधवार को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (ढझउउ) अध्यक्ष और चङउ महेश कुमार गौड़ के आवास पर हुई सुलह बैठक के बाद सौहार्दपूर्ण ढंग से समाप्त हुई।

यह बैठक वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिसमें परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री अद्लूरी लक्ष्मण कुमार के बीच हुए गलतफहमी का समाधान हुआ। दोनों ने कांग्रेस पार्टी के आदर्शों और अपनी एकता की पुनः पुष्टि की।

बैठक में मंत्री वकाटी श्रीहारी और विधायक मक्कन सिंह राज ठाकुर, कव्वमपल्ली सत्यनारायण, शिवसेना रेड्डी, संपथ कुमार, अनिल और विनय कुमार सहित अन्य ने भाग लिया।

सुलह के बाद मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय की मुखर समर्थक रही है और वे तथा मंत्री लक्ष्मण कुमार कमजोर वर्गों के कल्याण के प्रति समान प्रतिबद्धता रखते हैं। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी में जन्मा और बड़ा हुआ हूं। मेरा उद्देश्य पार्टी को मजबूत करना है। मैंने वह कुछ नहीं कहा जो समाचार पत्रों में लिखा गया। मैं लक्ष्मण से हुई किसी भी तकलीफ़ के लिए हार्दिक माफी मांगता हूं। हम दोनों करीमनगर में साथ बड़े हुए हैं और हमारे बीच ऐसी गलतफहमियों के लिए कोई जगह नहीं। उन्होंने जोर दिया कि कांग्रेस ने कभी विभाजन या अपमान की संस्कृति नहीं सिखाई और व्यक्तिगत मुद्दों को सामाजिक न्याय की बड़ी उद्देश्य से ऊपर नहीं उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और झउउ प्रमुख महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में हम 42 प्रतिशत आरक्षण के लिए प्रयासरत हैं और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करेंगे।

ढझउउ प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने इस घटना को परिवार का मामला बताते हुए इसे सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की सराहना की और दोनों मंत्रियों की एकता को कांग्रेस पार्टी के लिए मजबूती बताया। उन्होंने कहा, पोन्नम प्रभाकर और अद्लूरी लक्ष्मण दोनोंक्ष्इ से उठे परिश्रमी नेता हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि इस गलतफहमी से प्रभावित न हों। कांग्रेस पार्टी सभी समुदायों का प्रतिनिधित्व करती है और सामाजिक न्याय के लिए दृढ़ता से खड़ी है।

महेश गौड़ ने मंत्रियों और पार्टी प्रतिनिधियों को सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार व्यवहार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मलु भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में सरकार ने पारदर्शी जाति सर्वेक्षण करवाया है तथा बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले तीन महत्वपूर्ण कानून लागू किए हैं।सभा का समापन दोनों मंत्रियों ने अपने सौहार्द और कांग्रेस पार्टी की एकता एवं प्रगति के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए किया।

तेलंगाना सरकार ने आरटीसी सुधारों का बचाव किया

–चलो बस भवन आह्वान के राजनीतिक शोषण की आलोचना की

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (यूएनआई): तेलंगाना परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आज आरटीसी में राज्य सरकार के सुधारों का जोरदार बचाव किया और चलो बस भवन आह्वान का शोषण करने का प्रयास कर रही राजनीतिक पार्टियों की आलोचना की।गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने आरटीसी को बदलने और कर्मचारी कल्याण सुनिश्चित करने में सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार ने पदभार संभालने के 48 घंटे के भीतर महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शुरू की, और तब से, महिला यात्रियों ने बिना किसी लागत के 250 करोड़ बार यात्रा की है।हम तीन मुख्य एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करते हुए आरटीसी को घाटे से लाभ की ओर ला रहे हैं-यात्री आराम, संगठनात्मक सुरक्षा और कर्मचारी कल्याण, उन्होंने कहा।2,800 इलेक्ट्रिक बसों की योजनाउन्होंने बताया कि प्रदूषण कम करने के लिए हैदराबाद में 2,800 इलेक्ट्रिक बसें लाई जाएंगी, जिसमें ईवी बेड़े का समर्थन करने के लिए चार्जिंग स्टेशन और उच्च-तनाव बिजली लाइनें स्थापित की जा रही हैं। वर्तमान में 265 इलेक्ट्रिक बसें परिचालन में हैं, और अगले तीन महीनों में 275 और जोड़ी जाएंगी।मंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर बस खरीद की उपेक्षा, नियुक्तियां करने में विफलता और 2019 में 55 दिनों की हड़ताल सहित कर्मचारी विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए आरटीसी को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने बीआरएस नेताओं की आलोचना करते हुए चलो बस भवन आह्वान को राजनीतिक रंग देने के प्रयास के लिए कहा, जिन्होंने एक दशक तक कर्मचारियों पर लौह मुट्ठी थोपी, उन्हें अब ऐसे विरोध प्रदर्शन करने का कोई अधिकार नहीं है।किराए में कोई वृद्धि नहींपोन्नम प्रभाकर ने यह भी जोर दिया कि वर्तमान सरकार के गठन के बाद से किराए में वृद्धि नहीं की गई है, इलेक्ट्रिक बसों के लिए हरित शुल्क से संबंधित मामूली संशोधनों को छोड़कर।

भाजपा जुबली हिल्स उपचुनाव उम्मीदवार पर अंतिम निर्णय के करीब

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी जुबली हिल्स विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के चयन के अंतिम चरण में प्रवेश कर चुकी है।पार्टी के राज्य नेतृत्व ने एक व्यापक चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत परामर्श करने के लिए तीन सदस्यीय समिति नियुक्त की थी।पूर्व विधायक धर्मा राव, पूर्व सांसद पोथुगंती रामुलु और वरिष्ठ नेता और अधिवक्ता कोमला अंजनेयुलु की समिति ने अपनी रिपोर्ट पूरी कर ली है और बुधवार को पार्टी के राज्य कार्यालय में भाजपा तेलंगाना राज्य अध्यक्ष रामचंद्र राव को सौंप दी।समिति की सिफारिशों के आधार पर, रामचंद्र राव से उम्मीद है कि वे उम्मीदवार को अंतिम रूप देने के लिए वरिष्ठ नेताओं से मिलेंगे। पार्टी आने वाले दिनों में जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार के नाम की घोषणा करने की संभावना है।समावेशी चयन प्रक्रियाभाजपा ने इस बात पर जोर दिया है कि उम्मीदवार चयन प्रक्रिया को समावेशी तरीके से अंजाम दिया गया है, स्थानीय नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की राय को ध्यान में रखते हुए ताकि निर्वाचन क्षेत्र के निवासियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित किया जा सके, एक पार्टी बयान में कहा गया।

हैदराबाद में पांच ऑनलाइन गेमिंग ठग गिरफ्तार

–नकली गेमिंग प्लेटफार्म के जरिए जनता को दिया धोखा

हैदराबाद, 8 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद की साइबर क्राइम पुलिस और स्पेशल ऑपरेशंस टीमने नकली ऑनलाइन गेमिंग प्लैटफॉर्म के माध्यम से लोगों को धोखा देने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने साइबर गिरोह को बैंक खातों और सिम कार्ड्स की आपूर्ति की, जिनके जरिए निर्दोष शिकारों को फर्जी लाभ दिखाकर बड़ी रकम जमा कराई गई।पकड़े गए आरोपियों के नाम हैं: डॉप्पलापुडी नवीन कुमार, वंकडरी संदीप कुमार, चिंतलपाटी प्रद्वी रामाराजू, चिंतलपाटी पवन वेंकट नाग भारद्वाज और ममिदीसेट्टी रमंजनयूलु।

पुलिस ने बताया कि ये लोग टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से काम करते थे और 120 से अधिक बैंक खातों का दुरूपयोग करते थे।ये आरोपी सत्त्वनारायण वर्मा नामक एक अन्य व्यक्ति के अधीन काम कर रहे थे और डॉज बुक777 नामक गेमिंग पोर्टल के जरिए फंड्स की व्यवस्था करते थे, जो सुपागो वेबसाइट पर होस्ट किया गया था।अब तक लगभग 14 लाख की राशि इन खातों से बरामद की गई है, जबकि कुल धोखाधड़ी की राशि और बड़ी अनुमानित की जा रही है।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ | R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक **शुभ लाभ** वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.